

सं• 24] No. 241 नई किसी, सक्तिर, जून 14, 1986 (ज्येष्ठ 24, 1908). NEW DELHL SATURDAY, JUNE 14, 1986 (JYAISTHA 24, 1908)

इस भारत में मिन्त कुर पंत्रास सी कारी है जिनसे कि कर अक्षा संकट प्रकर में रखा जा करें।

Separate paying in giron to this Part in motor than it wasy be filled as a separate compliation)

भाग III—खन्द 1

PART III-SECTION 1

उटन न्यायाज्ञयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल जिमाग और भारत

[Notifications issued by the High Courts, the Compareller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Rail vava and by Attached and Subordinate Offices of the Government of Indian

संघ लोक सेवा भ्रायोग नई दिल्ली, दिनौंक 30 भ्रप्रैल 1986

सं० पी० /1561-प्रणा०-III--दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान में 3 वर्ष की स्रविधि के लिए ६० 1000- 1850/- के वेतनमान में प्रतिनिधुक्ति पर महायक सतर्कता स्रिधकारी के पद पर नियुक्ति के लिए चुने जाने के फलस्वरूप संव लोक सेवा स्रायोग के नियमित स्रनुभाग स्रिधकारी स्रोर इस समय नदर्थ स्राधार पर स्थानापन्न रूप ने कार्य कर रहे श्री कृष्ण लाल-II को मेवाएं, 30 श्रप्रैल, 1986 के स्थ-राह्न ने दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान के सुपुर्व की जातो हैं स्त्रीर उन्हें यह स्ननुदेश दिया जाता है कि वे इसके पश्चात तुरन्त श्री ए० जे० एस० माहनी, प्रशासनिक स्रिधकारी (समान्य), दि०वि०प्र० स०, शिक्त सदन, शिक्त मार्ग, नई दिल्ली की रिपोर्ट करें।

एम० पी० जैंन ग्रवर सचिव (का० प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग केन्द्रीय मतर्कता श्रायोग नई दिल्ली, दिनाँक 22 मई 1986

सं० 2/10/86 प्रणानन-त्रुमारो सुषमा चौधरी, भारतीय प्रणासनिक सेवा (जे० एण्ड के०: 1969), जो इन आयोग में प्रतिनियुक्ति पर निदेशक थीं, को एतद्-द्वारा 8 मई, 1986 (अपराह्म) से इन आयोग के कार्यभार से मुक्त किया णाता है और इसी समय से उनकी सेवायें राज्य सरकार जन्मू और कणमोर को सौंपो जातो हैं।

मनोहर **लाल** ग्रवर सचिव (प्रशासन)

कामिक एंत्र प्रशिक्षण प्रशासन सुधार लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कामिक एंत्र प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो केन्द्रीय त्थाय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला, नई दिल्लो, दिनांक 22 मई 1986

सं० 1-27/81 मो० एफ० एप० एप०/4254--केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की अधिसुचना संख्या 1-27/81-सी० एफ०

(20119)

एस० एस०, केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगगाला के विनौक 16-10-1985 के कम में राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगगाला के विराध्य वैज्ञानिक सहायक वा० एस० के० लहरी (झूठ ग्रभिज्ञापक) को केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगगाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्रधिकारी (ग्रेड II) (सूठ ग्रभिज्ञापक) के रूप में नदर्थ ग्राधार पर 6 माह के लिये 1-4-1986 (ग्रपराह्न) से अगले आदेश तक के लिये तब नक नियुक्त करते हैं ग्रंब तक कि इस पद को स्थाई रूप से नहीं भर लिया जाता।

ष्ठी० पी० भल्ला प्रमासकीय प्रधिकारी(इ०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,

गृह मंत्रालय के० रि० पु० बल महानिदेशालय नई विल्ली, दिनौंक 17 मई 1986 संगोधन

सं० डी० 1-2/81 स्थापना -एक--इस महानिदेणालय द्वारा जारी राजपत्र श्रिधमूचना नं० डी 1-2/81-स्था०-दिनौंक 8-4-86 में उल्लिखित एव्द 'चोधरी कम्पाइलेशन के केन्द्रीय सेवा नियमावली खण्ड-एक के तहन श्रनुच्छेद 67'' हटा दिया गया है।

दिनौंक 22 मई 1986

सं शो दो 2204/86 स्थापना-1--राष्ट्रपति जी ने डाक्टर सतीश कुमार सिनहा की अस्थाई रूप से प्रागामी शादेश णारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुत्रिस बल में जनरल डियूटी शाफि अडेड II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनाँक 6 मई 1986 पूर्वाह्म से सहर्ष नियुक्त किया है। एम० श्राणेक राज

महायक निवेशक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल नई विल्ली, दिनौंक 21 मई 1986

सं० ई-16013(2)/14/82 कार्मिक-1--भपने मूल राज्य काडर को प्रत्यावित होने के फलस्वरूप श्री ए० के० सिंह, भा०पु०से० (उत्तर प्रवेश: 71) ने 9 मई, 1086 के पूर्वाह्म से के० भी० सु० ब० यूनिट, बी० टी० पी० एम०, बक्रपुर, नई दिल्ली के कमाँडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया। ह० (श्रपठनीय)

महानिदेणक/ कें श्री सु क

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

श्रम विभाग (श्रम न्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 4 जून 1986

संख्या 5/1/86सी पी. आई — अप्रैल, 1986 में जीकोगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृत्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मार्च, 1986 के स्तर 643 से पांच अंक बढ़कर 643 (छः सा तितालीस) रहा। अप्रैल, 1986 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 782 (सात सा बयासी) आता है।

जितन्त्र नाथ शर्मा निवंशक

विक्त मंत्रालय (श्राधिक कार्ये विभाग) चलार्थं पत्न मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनाँक 13 मई 1986

सं० इंब्यूनव्याल-1-10/40 32---महाप्रबंधक, चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नास्मित्र रोड नियंत्रण विभाग के निम्न निरीक्षकों की उप नियंत्रण प्रधिकारी के पद पर (वर्ग "ख" राजपत्रित) रुव 650-30-740-35-810 दव रोव 35-880-40-1000 दव रोव-40-1200/- की वेसन श्रेणी में नियमित ग्राधार पर दिनांक 15-4-1986 (पूर्वाह्म) से ग्रमला ग्रादेश निकलने तक नियुक्त करते हैं:---

- (1) श्री एन० के० प्रसाद
- (2) श्री एम० ब्ही० प्रदक्षिणे
- (3) श्री एस० रामचंद्रन
- (4) श्री पी॰एस॰एन॰ वास
- (5) श्री श्रार०एन० सिंग

वेदो वर्ष के श्रविध के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

सु० द० इ**ड**गुंजी महाप्रबंधक

प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद दिनाँक 19 मई 1986

सं० 7(60)/1424--इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० 7(60)8277 दिनाँक 15-1-86 के तारतम्य में श्री व्ही एम० परदेणी रू० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-दश्र-40-1200 के वेतनमान में सहायक मुख्य नियंत्रण श्रिधकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को 10-4-86 तक की स्रविध तक बढ़ाया जाता है।

उन्हें उसी वेतनमान ग्रौर पद पर 13-4-86 से 31-5-86 तक की श्रवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित श्राधार पर नहीं भरा जाता, इतमें से जो भी पहले हो, तदर्थ ग्राधार पर ग्रौर नियुक्त किया जाता है।

दिनाँक 21 मई 1986

सं० सी 1/1511—श्री जगदीश प्रसाद, नियंत्रण निरीक्षक को श्री व्ही० एम० परदेणो की छुट्टी रिक्ति में दिनांक 3-3-86 से 7 4 86 तक रू० 650-30-740-35-810-दम्र-35-880-40-1000-दम्र-40-1200 के वेतन-मान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर महायक मुख्य नियंत्रण प्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

> श० रा० पाठक **महाप्रबंधक**

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार लेखापरीक्षा I का कार्यालय आँध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनाँग 20 मई 1986

सं प्रशा 1/8-132/86-87/5636 - नहाले खाकार (लेखा परीक्षा) आध्र प्रदेश हैंदराबाद ने सहपं निम्नलिखित सहा-यक लेखापरीक्षा अधिकारियों के स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में 840-40-1000 दे ब्यान के 40-1200 दे के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोन्नति दो जाती है। पदोन्नति के लिए दिये गये आदेश उनके विरुठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, श्रौर श्रान्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबिन रिट याचिकान्नों के परिणामों के अधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे भ्रयना विकल्प भारत सरकार का० ज्ञा०सं० एफ/7/1/80स्थापना पी०टी०-1 दिनौंक 26-9-81 की शर्तों के अनुनार पदोन्नति को तारीख से एक महीने के भ्रंदर दें।

नाम पद ग्रहण की तारीख

1. श्री एम० एम० केशवराव 15-5-1986 पू०

2. श्री के० एन० नरहरीराव 13-5-1996 श्रप०
(हु० श्रपठनीय)

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

वस्त्र विभाग

ह्यकरघा विकास श्रायुक्त का कायलिय नई दिल्ली दिनाँक 12 मई 1986

स० ए 32013(6)/85 प्रशासन 3--राष्ट्रपति, श्री जे० के० रडैया की 21 अप्रैल 1986 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, हैदराबाद में उपनिदेशक (डिजाबन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनाँक 16 मई 1986

सं० ए-12025(1)/3/83 प्रणासन 3 - राष्ट्रपति, श्री रामायादन को 21 अप्रैन 1986 में आगामी श्रादेशों तक के लिए भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान सेलम में सहायक लिदेशक ग्रेड 1 (प्रोसेंसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> इन्दिरा मानसिह संयुक्त विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

इस्पात एमं खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूयैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता दिनाँक 14 मई 1986

सं० 2770 बी/ए 19011 (1 बी० श्रार०के० टी०)/8 5- 19ए--राष्ट्रपति जी, श्री टी० बाबू रवीन्द्र कुमार को

भूवैज्ञानिक (क्लिष्ट) के पद पर भारतीय भूवैकानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रोज-40-1100-50-1300 रूठ के न्यूनलम वेतनमान में, स्थानापन क्षमता में धागानी खादेश होने तक 27-2-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2784 बा/ए 19011 (1मो०सो०)/85-19ए--राष्ट्र-पति जो, श्रो विष्तव चटर्जी को भूवैज्ञानिक (कांत्रिष्ठ) के . पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900 द० रो० 40-1100-50-1300 रू० के न्यूनतम बेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 20-2-85 के पूर्विद्व में नियुक्त कर रहे हैं।

दिनाँक 19 म**ई 198**6

सं० 2906/ए-19012(3 श्रार०पी०एस०) 85-19यी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, डा० राम प्रकाश गर्मा को सहायक रसायन के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880^0-1000-द० रो०-40-1200 रू० के न्यूनतम् वेतनमान में श्रस्थायी क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 12-3-1986 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० ?917 बी/ए-19012(5 जी,० ग्रार० एम०भार०)
85-19वी -- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक,
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के फोरमैन (चरिष्ठ) श्री जी०
ग्रार० एम० राव को सहायक याँतिक ग्रभियंता के पद पर
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-401200 ६० के वेतनमान के वेतन पर ग्रस्थायी क्षमता में
ग्रानामी ग्रादेण होने नक 27 मार्च, 1986 के पूर्वीह्म से
पदोन्ननि पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2928 बो/ए-19012 (3 श्रारं ०ए०)/85-19बी—-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री रफी श्रहमंब को सहायक रमानज के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के० के न्यूनतम वेतनमान में ग्रस्थायी क्षमता में ग्रागामी श्रादेश होने तक 13:3-1986 के पूर्वाह्म में नियुक्त कर रहे हैं।

सं 2876वी/ए-19012(3 बो॰पी॰के॰)/83-19बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सहायक रसायतज्ञ कुमारी बी॰ पी॰ कानकाडे को 30-1-86 (अपराह्म) से त्यागपक्र पर मुक्त दिया गया।

सं० 2883बी/ए-19012 (3 वी० के० एस०)/85-19 बी--भारतीय भूवैज्ञातिक अर्वेक्षण के महानिदेशक, बाब वी० के० श्रीवास्तव को महायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650-30-740 35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के

न्यूनतम वेतनमान के वेतन पर ग्रस्थायी क्षमता में ग्रागामी भावेश होने तक 31-3-1986 के पूर्वीह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2894बी/ए-19012 (उएस० के०)/85-19बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, डा० संजय
कुसार को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०रो०
35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान
के वेतन पर श्रस्थायी क्षमता में श्रागामी ब्रादेश होने तक
31-3-1986 के पूर्वाह्य से नियुक्त कर रहे हैं।

म्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

कलकत्ता, दिनांक 13 मई 1936

सं० 2728वी/ए 32013 (3 डो० रसा०)/85-19वी—- राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण वेः रनायनज्ञ (वरिष्ठ) डा० डी० पुरूषोत्तम को निदेशक (भू-रसायन) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1500-2000 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी मावेश होने तक, 5-3-86 के अपराह्म में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

डी॰ पी॰ डौंडियान वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन)

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनाँक 20 मई 1986

सं० ए-19011(160)/83 म्था०ए०--श्री एन०पी० मूर्ती, क्षेत्रीय खान नियंत्रक (तदर्थ श्राधार पर), भारतीय खान क्यूरो को उनके मूल पद उप खान नियंत्रक पर दिनाँक 28 फरवरी 1986 के श्रपराह्म से प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

पो० पी० वादी प्रशासन प्रधिकारी कृते महानियंत्रक

नागपुर; दिनौंक 20 मई 1986

सं० ए-19011(121)/86-स्था०ए०-विभागीय पदो-श्रति समिति की सिफारिण पर श्रो के०एन० राजू, उप धयस्क प्रसाधन श्रधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में श्रयस्क प्रसाधन ग्रधिकारी के पद पर दिनौक 7-5-1986 के श्रपराह्म के पदार्भात प्रदान की गई।

सं ए-19011(317)/8एस्था० ए० --श्री वाय०के० व्यंकटेश का डायरेक्टरेट श्राफ वतस्पती, नई दिल्ली के कार्याक्षय में उपनिदेशक (लागन) के पद पर चयन होने के परिणाम स्वरूप उन्होंने भारतीय खान ब्यूरो में महाधक निर्देशक (लागत) का पदभार दिनांक 28-2-86 वेः ग्रपराह्म से छोड़ दिया है।

> जी० मी० गर्मा सहायक प्रशासन ऋधिकारी **क्**ते महानियंत्रक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय नहीं दिल्लो, दिनांक 21 मही 1986

सं० 4(89)/75-एस--1--- श्रो एम०पी० राध, कार्यक्रम निष्नादक, चिदेश सेवा प्रभाग, धाकाण वाणी, नई दिस्ली, 30 श्रप्रैल, 1986 प्रपराह्म से निवर्त की श्रायु प्राप्त कर लेने पर मएकारी सेवा ने सेवानिवृत्त हो गए हैं।

> श्राई० एल० भाटिया प्रशासन उपनिदेशक (कल्याण) **कृते** महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1986

मं० ए-11013/2/86-एम० (एफ० एण्ड एस०)---राष्ट्रपति ने डा० गरेण चन्द्र संगल को 23 मार्च, 1984 में जबाहर लाल स्वातकोत्तर चिकित्सा णिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, शांडिचेरी में दन्त चिकित्सा प्राध्यापक के स्थाई पद पर स्थाई प्राधार पर नियुष्त कर दिया है।

> पी० के० घई उपनिदेशक प्रशासन (सी० एंड बी०)

्तई दिल्लो, दिनांक 20 मई 1986

सं० ए-12025/3/84-सों० जी० एच० एस०-1 (पार्ट)----सेवा निवृद्ध की प्राप्तु के हो जाने पर सेवा निवृद्ध हो जाने के फलस्वरूप, श्री एस०जो० गुप्ते ने 28 फरचरी, 1986 के श्रपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य याजना, गुल्याला में प्रगासनिक श्रधिकारी के पद का लार्यभार छोड़ दिया है।

> पी० एन० टाञ्चर उप निवेशकं प्रशासन (सी० जी० एप० एस०)

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय (कृषि एवम् सहकारिता विभाग) वनस्पति रक्षा, संगरीव और संग्रह निवेशालय फरीदाबाद दिनांक 20 मई 1986

पत्न सं० 7-4/86-प्र०ष्ण० प्रथम — चनस्पति रक्षा सलाह-कार, भारत सरकार, श्री के०के० सिंह को दिनांक 28-4-1986 (श्रपराह्म) से केन्द्रीय निगरानी केन्द्र, बिलासपुर (मध्य प्रदेष) में रु०-650-30-740-35-810-द० रो०-35-800-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतलमाल में निगरानी अधिकाली (राज्यवित) के पद पर अस्थाई आधार पर प्रगते आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

> एम० पी० कुटार पुरुष प्रशासनिक प्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग गाभिकीय ईधन सम्मिश्र हैरस्रवाद, दिनांक 5 अप्रैल 1986 आदेण

सं० ना ई स/का प्र 5/2606/3277/263—जबिक यह आरोपित विधा गया कि ''श्री मोहस्मद मसीहुद्दीत के—जबिक के नामिकीय ईंधन सिम्मश्र के बाल बेयरिंग निलका संयंत्र में कारोगर ''ख'' के रूप में सेवारत थे, ध्वकाश का दिनांक 23-4-84 पर्यंत अनुमोदन किया गया था। वह प्रपने कार्य से दि० 24-4-84 के बाद से (प्रघकाण के बिता अनुमोदन के हो) प्रशाबिकतः अनुपस्थित रहे तथा प्रवासाय के लिए 'पने वर्तमात पत की सूचना नहीं ती तथा उसके द्वारा अंदीय नागरिक सेवा (धावरण) नियम 1964 के नियम 3(i) (ii) तथा 3(i) (iii) के अनुमार कदावरण का एक कार्य किया।"

तथा अविकि ज्ञान श्री नोहम्मद मसीहुद्दीन की ज्ञापन संख्या ला ई साका०प्र०5/2606/3277/1687, दिनांक 15-1-85 (में दृष्टव्य ज्ञापन) के अनुसार उनके विरुद्ध श्रारोप तथा की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना दी गई;

तथा जबिन निषास सं० 22-3-34, याकूतपुरा दारबजंग की गली के अंदर, हैदराबाद-500023 के उनके ब्रावासीय पते पर प्रेपिन किए गए उक्त ज्ञापन की डाक प्राधिकारियों ने निना दिशील किए, ''बिना अनुदेश दिए व्यक्ति ने श्रपना निवास अनिरित कर दिया है, अंतः पत प्रेपक की लौटाना गना" (की ब्रम्युक्ति के साथ) लौटा दिया;

तथा जब कि उन्हें प्रेपित किए गए पत्र को डाक प्राधिकारियों द्वारा विना वितरित किए ही लौटा देने के कारण से इस जापन की एक और प्रति को उन्हें सौंपने के लिए सुरक्षा कर्मचारी के माध्यम से प्रेषित की गई;

तथा जब कि भुगक्षा कर्मचारों ने सूचित किया कि यह जापत उन्हें नहीं सौंपा जा सका क्योंकि उक्त श्री मसीहुद्देन ने अपने पड़ोमियों तक को श्रपना श्रता-पता बिना सूचित किए आक्तपुरा गली के अंदर स्थित श्रपने निचास मं० 22:3:34 की रातों-रात खालों कर दिया;

तथा जब कि यह विचार किया गया कि ब्रारोप की की एक जाँव कथ्बाई काए तथा तदनुसार श्रादेश सं० नाईस/काप्र 5/2606/3277/1906, दि० ।1-4-85 (में दृष्टका धादेश) के धनुनार एए जान प्रधिकारी की नियुक्ति की गई;

तथा भन कि जाच प्रियामित ने एह लिखते हुए कि श्री मीहम्मद नर्माहुई।न को उपस्थित कर सकार व्यवहार्य न होने के कारण से एक एक-पर्नाय करने की प्रदेशिया प्रिमेलेख में उपलब्ध साक्ष्य के प्राधार गर ने प्रानेत को निद्ध हुआ मानते हैं, अपनी दिनांक 15-3-86 की एसट प्रस्तुत कर दी;

तथा भव कि दिनांक 15-2-86 है। जीन रपट (प्रति संलग्न हैं) यह मामले के प्रांपतियों हा सावधानीपूर्वक मनद करने के उपरांत प्रधाहरताक्षरों धारोप को सिद्ध हुप्रा मानते हैं तथा इस विषार्थ पर पहुंचे हैं कि मोहम्मद मसींहुद्दीन सेवा में बनाए रखने के योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उक्षा श्री मोहम्मद वर्ताहुद्दीन पर सेवा से निष्कासन का दंड प्रधिरोपित किया पाए:

श्रतः श्रवं, परमाणु अर्जा विसाम के धादेण सं 2/2/82-सतर्कता, विसास 9-5-83 के साथ केंद्रीय नामित सेवा (वर्गीकरण, नियंवण एवं अर्थाल) नियम 1965 के नियम 12 के उप-नियम(2) के धनुष्छेप (य) को सहयोगित करते हुए तथा उनके द्वारा श्रवन मिलायों का प्रयोग करते हुए श्रधोहरणक्षरी उक्त श्री मोहम्बर मर्याटुद्दीय को सेवा से तस्काल प्रभाव से एतद्वारा निष्हासित करते हैं।

श्री मोहम्मद मसीहुद्दीन, जेन्हीन प्रभाद गबु 22.3-34, याकूतपुरा, दारबमंज गली, उप मुख्य हार्य पालक (प्रणा०) हैदराबाद-500023।

न्यूक्लियर विधुत बोर्ड् बम्बई, दिनांक 15 मई 1986

मं० एउ०पि०वी०/3(282)/85-स्थापता 1/8295--निदेशक (प्रीन्याजिकी) न्यूक्तिन विद्या बोर्ड वम्बई एनद्हारा इस बार्ड के स्थापी स्ट्रांत लेडातार की डी०एल०
गवाणकर की 21 मार्च 1986 के पूर्वीह्म ने प्रागामी आदेश
जारी होने तक इसी बोर्ड में सहात्र लेडा पश्चिमारी के
पद पर अस्थायों का से निर्यापत पातार पर विद्युक्त बारते
हैं।

सं० ए । जी० बी० /3 (282) / 85-स्थापना 1 / 8296--- श्री के० जी० नारायण सहायक नेवा. प्रधिकारी ने परमाणु ऊर्जा विभाग वस्त्रई दे स्थानानारण डा गाने के फल्स्वरूप न्यूक्लियर खिद्युन वॉर्ड में 25 वार्य, 1986 पुनिह्न ने श्रागामी श्रादेश जारी होंने एक स्वयन्त्र लेखा प्रधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर निधा है।

सं० एनं०पी०बी०/3(282)/85-स्थापना-1/4296---निदेशक (प्रमिश्रांत्रिका) न्यूक्लिंग्र विद्युत वार्ड बम्बई

कम सं०

एतद्द्वाण भी भी २०० के हुई का तास्त्र राषाणु अनुसंधान केन्द्र के उच्च थेणी तरहार हुई बेहर प्राप्ताकात (प्राप्त के स्थानाएक समूहर से प्राप्त का १९ वर्ष 1986 के पुर्विद्ध के कहारी क्षेत्र का होते का उठ के बेहि सहायक लेखा की प्राप्त का हो है ।

> भारत एस० तलपदे महाभड़ कार्मिक प्रधिकारी

इनरो उपग्रह केन्द्र अन्तरिक्ष विभाग

बेंगलूर-560017, दिनाँ । 9 मई, 1986

सं० 020/1(15.1)/86-स्थापना-1—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेश ६, निग्नलिखित व्यक्तियों को प्रेशानि :/प्रामियन्ता एम०बी० पद पर दश्चिर्द शिथयों से ग्रगले धादेश प्राप्त होने तद अन्धाई आधार पर प्रन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, वेंगलूर में सहर्ष नियुक्त ारते हैं :---

ऋम	नाम	पदनाम	दिनांक
सं०			

.1. श्री प्रकाश बी० बनेब्रुंड्री वैज्ञानि // 3-2-86 श्रीभयंता एस०बी०

2. कुनारी उमा मादापुर वैज्ञालि : / 5-7-86 अभिधंता एस०बी०

> ्व॰ एस॰ रामदास प्रगासन प्रधिकारी -11

महानिदेशक नागर विधानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांः 7 मई 1986

सं० ए-32014/5/85-ई०नीं० (.)—महानिदेशक नागर विमानन निम्तितिखित तकनीकी अवायकों को नागर विमानन विमाग में उनके सामने दी गई तारीख से और प्रन्य आदेश होने तक 650-1200 एपये के बेतनगान में नियमित श्राधार पर तकनीकी श्रविकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम्	सं०	नार	ਜ ਜ	नि यमि त	भाधार	-	-
						की	वारीख
	सर्वश्री	 					
	1.	एन ०	सी०	गुप्ता		28-03	-1986
	2.	प्रार०	एस०	प्राह् जा		27-0	3-1986

विनोक 12 मई 1986

सं ए-32014/7/84-ई०सी०---महानिदेशक नागर विभावन, नागर विभावन विभाग के निम्नलिजित तकनीकी सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और प्रत्य धादेश होने तक 650-1200 रुपए के वेतनमान में, सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित प्राधार पर नियुक्त करते हैं।

की	तारीख
1. एस० सी० नागपाल	11-7-1985
2. के० एल० ढल	6-8-1985
3. जे० एस० चन्दावर	29-7-1985
4 एमा० सी० मिश्रा	31-10-1985
5 ए० के० भोपाल	21-4-1986

नाम"

वी ० जयचन्द्रन, उपनिदेशक, प्रशासन

नियमित श्राधार पर नियमित

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1986

मं० ए-12025/1/84-ई०एस०--पंत्र लोक स्वा प्रायोग की सिकारिया पर. राष्ट्रपति श्री एल० सदासियन की 21-4-1986 (पूर्वाह्म) से श्रमले श्रादेश होने तक 700-1300 रुपये के बेतनमान में स्थापन्न रूप से उड़नयोग्यता ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

श्री एल० सदासियन को निदेगक, उड़नयोग्यता, हैदराबाद हवाई अड्डा, हैदराबाद के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

दिनांक 21 मई 1986

स० ए-32012/3/84-ई०एस०---राष्ट्रपति नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित प्रधिकारियों को दिनांक 21-2-1986 से और प्रगले धादंग होने तक 1100---1600 रुपये के बेतनमान में वरिष्ठ उड़नयोग्यता प्रधिकारी के ग्रेड में नियमित प्राधार पर नियुक्ति करते हैं :--

सर्वश्री

- । एस० एस० नट
- 2. एस० एस० कुनेर
- 3. श्रनुपम बेगची
- 4. एच० एम० फुल
- 5. मोहम्मद मुस्तफा
- 6. देव प्रसन्नाघीष
- 7. एल oएम o माथ्र
- 8. डी ०पी० घोष

सं० ए-19011/1/85-ई०एस०--राष्ट्रपति, मूल नियम 56(के) के श्रधीन श्री टी०के० मण, नियन्त्रक उड्नयेश्यता का सरकारी सेवा से स्वैष्टिक सेवा-निवृत्ति का अनुराध 20-2-1986 (पूर्वीह्न) से स्वीकार करते हैं।

> एम० भट्टाचार्जी उप निदेशक प्रशासन **कृते** महानिदेशक नागर विमामन

समाहतलिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर, दिनांक 22 मई 1986

सं० 10/86--समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शूलक नागपुर के श्री पी०एन० चिकाटे, प्रशासनिक श्रीक्षकारी समृह "ख" ने सी०सी०एस० (पेन्यन) नियमावली, 1972 के नियम 48(1)(ए) के अंतर्गत शासकीय सेवा से दिनांक 30-4-86 अपराह्म में नियुन हो गये।

> श्रार० के० श्रादिम उप समाहर्ता (कार्सिक और स्थापना)

केन्द्रोम भूमित्रल वोर्ड

करीदाबाद, दिनांक 22 मई 1986

सं० 3-744/86-मुख्य जलभू० (स्था०)--श्री बृजेश सिंह को दिनांक 21/4/86 (पूर्वाह्र) से श्रगले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमित्रल बोर्ड में सहायक जलभूविज्ञानी के पद पर जी०सी०एस० समूह-ख (राजपित्रत) वेतनमान क्षये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में श्रम्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

बी शी०सी० सिन्हा मुख्य जलभूविज्ञानी एवं सदस्य

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनी रजिल्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम. 1956 और प्लानकारस गाइड एंड सप्लाई कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 10468/560(5)-कलकत्ता कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एसद्द्वारा भूचना दो जातो है कि प्लानढारस गाइड एंड सम्लाई कंपनो प्राईवेट लिमिटेड का नाम शाज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। कस्पती परिविधम 1956 फ्रीए गगा सामर राहण शिल्स प्राइथेट विश्विदेध े विषय में। कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं | 18572| 560 (5) -- कम्मनी प्रिविनियम 1956 की धारा 560 की उपध्या (3) के अनुसरण में एसद्हारा यह स्वा दी मनी है कि इस तारीख में तीन मास के ध्वमर कर क्या सामर राइस मिलस प्राईवेट लिमिटेड का तार इनके प्रति का बाद विशा विशेष और उक्त कम्पनी विघटित कर दी अंग्रेट।

कस्पनी धीशिया 1950 और फिलिप एंड अस्पनी श्राईरेट लिमिटेड के विषय में। दिलांग 16 गई 1986

संव 19108/590(5)- कम्पनी बिधिनियम, 1956 की धारा 560 की प्रमाशा (5) के प्रमुखरण में एतव्-द्वारा सूचना दी अर्जी, है कि फिलिए एंड कम्पनी, प्राईनेट लिमिटेड का नाम भाग रिजिस्टर से काट दिया गंथा है और उक्त कमानी विघटित गई है।

> कम्पनी पश्चितियम 1956 और आज मेरी कम्पनी प्राक्षिट निमिटेड के विषय में। दिनांक 16 मई 1986

सं० 21612/560(5)--कलकत्ता, कम्पनी श्रधिनियम
1956 की आरा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण
में एसद्वारा पूजा दी जाती है कि श्राज मेरी कंपनी
प्राष्ट्रिकेट लिमिटेड का शाम धाज रिजस्टर से काट दिया
गया है और उन्हा अस्ती विघटित हो गई है।

कस्पनो अधिक्सिम 1956 और धालड़ी प्राईवेट लिसिटेड के विषय में। कलकत्ता, रिपाल 16 मई 1986,

सं० 23842/560(5)—- अस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण में एतदृहारा सूचना दी दानी है। 'नालाड़ी प्राईवेट लिमिटेड वा लाम भाज रजिस्ट्रिंग के आट दिया गर्बी है और उस्त कम्पनी

षिषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ग्लामार पत्रलिसिटि प्राइतेट तिमिटेड के विषय में।

कलकता, दिनीय तह पही 1986

मं० 24231/560(5)— कम्पनी विधित्यम, 1956 की धारा 560 की अधान (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना की जाती है कि ग्लामार पत्रलिसिटि प्राईवेट लिमिटेड का ाम कार विश्वस्य से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी दिवटित हो गई है। कस्पनी प्रक्षिनियम 1956 और बेंगाल स्टेशनरी कस्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकसा, दिनांक 16 मई 1986

सं ० 24284/560(5) ने कम्पनो प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के धनुसरण में एसद्वारा सूचना दी जाती है कि बेंगाल स्टेशेनरी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम जान किस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 और कानाइपुर डेबलपमेन्ट कनर्सन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकरा, दिनांक 16 मई 1986

सं० 27343/560(5)-- कभ्यनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपश्चारा (5) के श्रनुसरण में एसद्बारा सूचना दी जाती है कि कानाइपुर डेवलापमेन्ट कनसर्ने प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्रान रिजस्टर ने काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 और श्राइडियाल नैशनल डेवलपसेन्ट सिडिकेट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं 14275/560(5)--कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती हैं कि शाद्दियाल नैमनल डेवलपमेन्ट सिडिकेट प्राईवेट लिमिटेड का नाम प्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिजियम 1956 और चौरंगी प्रेस प्राइनेट लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 27410/560(5)—कम्पनी श्रधितियम, 1956 की धारा 560 का नप्धात (5) के सनसरण में एतद्भारा सूचना दी जाती है कि चैरंगी प्रेस प्राईबेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 और मैमिक एजेन्सिस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, वितंक 16 मई 1986

सं॰ 27612/560(5)- - जम्पनो अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के धनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैंनिक एजेन्सिक प्राईवेट लिमिटेड का नाम थ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्मनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 और देम्पल नर्गमा होम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 30587/560(5)--कम्पनी प्रधिनियम, 1956 का धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-ब्रारा सूचना दी जाती है कि वेम्पल नर्रांग होम प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और स्क्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 और आदिवासी माईनर्स एंड इंडएट्टीज प्राईवेट विसिटेड के विषय में।

कलकता, दिनौक 16 मार्च 1986

सं० 30636/560(5)—-कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा सुचना दी जाती है कि ग्रादिवासी माईनस एंड इंडस्ट्रीआ प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

> डी० के० पाल कम्पनियों का ग्र: रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण, बम्बई, दिनांक मई 1986

सं० एफ-48/एडी/एटी/1986—श्री डी० के० गुष्ता, हिन्दी ग्रनुवादक, श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण, श्रह्मदाबाद, पी०, श्रह्मदाबाद को तदर्थ श्राधार पर श्रस्थायी क्षमता सहायक पंजीकार, के पद पर ग्रायकर श्रपीलीय ग्रधिकरण, श्रम्तसर पीठ श्रमृतसर में तीन माह की श्रविध के लिए, दिनांक 5 मई, 1986 के पूर्वाह्न से या वब तक कि उक्त पद पर नियमित नियुक्ति नहीं हो पाती, जो भी पहले हो, नियुक्ति किया जाता है।

उक्त नियुक्ति संदर्भ ग्राधार पर है ग्रौर श्री डी॰ के॰ गुप्ता को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी ग्रौर उनके ग्राधार पर उनके द्वारा प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के श्रीभप्राय में उस श्रेणी में गिनी जावेगी ग्रौर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत किए जाने की पादता ही प्रदान करेगी।

> टी० डी० सुग्ला ग्रध्यक्ष

इक्स कार्य_ा टी., पुन_{ार} सुरु_{प्रधानसम्बद्धः}

अस्त्रकार वरिश्विषक्तः 1961 (1961 का 48ई की प्रकार 200-म (1) में वर्षन क्षत्रम

शास्त्र क्षान्त्रस

कार्यक्रम, ब्रहाबक साथकार सानुक्त (क्रिश्रीसर्जी)

ग्रर्जन रेंज~ 2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 5 मई 198 6

निर्श्वेश सं० ए० पी० 31/रेंज-2/कलकत्ता/1986-87--यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43 दिक्को इसमें इसके नवनात 'उन्त मिनियम' काम गना है, की परझा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिन्हास करने का सारण है कि स्वापर सम्पति जिसका उपित बाबार नृष्य शौर जिसकी सं० 7सी है तथा जो बेलभेडियार रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 21 सितम्बर 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से बाज के दावमान प्रतिकाल के लिए जंतरित की गई है और मुखे वह विश्वास करने का कारण है कि संधाप्योंक्त कथित का उचित कथार में कि क्षिप्रकार के एसे दश्याम प्रतिकाल के पल्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अस्परक (अस्तरका) और (अस्त्वरितियाँ) के बीच एसे अस्तरक के जिए तय पत्ना भवा क्य कि कि कि कर के क्षिप्रकार के विश्वास के वास्त्विक को अस्तरिका कर से अधिक नहीं किया नमा है :---

- (फ) अम्सरण हो हुई फिलों बाय की यावत, उपव कींपीयवाद के अमींद कर दोने के अम्बरण के वर्शवरण में कमी करने वा उशके वसने के जुनिभा भे स्थिए, लॉक/का

जत: लभ:, उन्त विभिनियम की भारा 269-ए के बहुतरण में, में उन्त अभिनियम की भारा 269-च की खपभारा (1) के र छे । पिक्तिसिंह व्यक्तियों, जर्भात् झ— 2—106 GI/86 (1) श्री सान्तुनु कुमार मित्र ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोवर्धन नोपानि ग्रौर भ्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

्षेत्र सञ्च संस्थान व्यवस्था व्यवस्था प्रश्नितः प्राप्तितः वर्षे अवस्य व्यवस्था स्वर्णनाहिक्यं सुक्त अप्रता हुँ।।

बच्छ क्रमाचि को समीप को डॉबॉच में केंद्रों जी आसोग ह---

- (क) क्ष्य स्वापा में हालका में प्रकाशन की तरिय हैं
 45 कि की क्षिय मा सरसम्बन्धी स्पष्टितमों कह
 बूकत की तानीस से 30 दिन की अविधि, को भी
 अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तीका
 कहिलाओं में है किती स्पष्टित हुए। हा
- (क) इस ब्रुवना के राज्यमा में प्रकारक की वार्यांक के 45 दिन के भीवार करता स्थानर प्रव्यक्ति के दिस्तरहरू विश्वी अन्य स्थानित बुकारा अधोतकासका के नाम विश्वित में किए का कर्की।

स्वभावित्रपन:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, की उक्त निध-दिवय में बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, पदी अर्च होता, को अल अध्याय में दिया गया ही।

वर्ष्ट्री

6 कठा जमीन का साथ मकान 7 सो, बेलमेडियार रोड़,
 कलकत्ता-27 में श्रव स्थित हैं।

दलिल संख्या :--श्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का श्राई 13605।

> सेख नईमुद्दीन, पक्ष म प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नापुक्त (तिरीक्षण) स्रजन रेंज−2, कलकत्ता

दिनाँक : 5-5-1986

मोहरः

प्रकल आई ्टी.एव.एए ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में अभीन स्वना

धारत ब्रकाह

कार्यासय, सहायक नायकार नायुक्त (जिर्दीक्रण)

धर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनौक 7 मई 1986 निर्देश सं० एम० 1083/86~87~-श्रतः मुझे, एच० श्रार०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वनत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1294/12 मिसन कम्पाउन्ड है तथा जो सहारतपुर में स्थित है (घौर इससे उपाबद प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 9 श्रक्तू थर 1985

को पूर्वोक्त स्व्यक्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के अवसान मित्रक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्दित का उपित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्लाह प्रतिचात से निष्क है नीड अन्तरक (अन्तरकों) और बातरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अतरण के लिए तम पाम का प्रतिक से बन्त बंतरण मिनित में पास्त्रीण स्थ के बिन्त तहीं कि सा स्वा है क्लाह से स्व

- [मा) मंद्राक्ष्य थे हुई किसी आप की बावल, अक्ष्य विभिन्नियम के स्पीन कार दोने को जन्तरक के दावित्य में कामी कारने या जनसे लचने को स्विधा के किए; अदि/सा
- पूँजी पिजी थान ना किसी पन ना सभा धारितकों का, जिल्हों भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया नदी था या फिल्ला जाना चाहिए था, क्लियाने भें स्थिता के निका

(1) श्री वाई० कम्पवेल पुत्र जी जैम्स जी कैम्पवेल निवासी— 10 पंडित पंच मार्ग, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह चन्दर नि० 1294/12 मिसन कम्पाउन्ड, सहारनपुर।

(श्रन्तरिती)

(3) तथेव (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ऋधोइस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपर्शित के अर्थन के किय कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सर्वंभ में कोई भी आयोग :---

- (क) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृष्या की वासीब से 39 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में अकावन की हारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तव्य कियों बन्न अधित द्वारा, वशोहस्ताकरी के पास विवित में किए वा सकी।

स्थाकीकरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यों बाँड पर्यों का, को उनके अधिनियम, हे जध्याय 20-क में परिभाविद है, कहीं अर्ध होगा को जस अध्याम में विशा गया है।

प्रनुसूची

मकान न० 1294/12 मिसन कम्पाउन्ड सहारनपुर।

एच० भार० दास सप्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

जर्ज कर रुप्त विभिन्निय की धार्य 269-य को अनुसरण को, की, जन्म अधितियम की धारा 269-य की अवधारा (1) की नधीन, निम्नतियिक व्यक्तियों, बर्धात ह—

विनौक: 7-5-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आव्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महर्मातम, सङ्घासक कामकर आमृक्स (निरीक्षण) श्राजन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनाँक 7 मई 1986

निर्देश सं० एम० 1084/86-87--यतः मुझे, एच० म्रार०

वास, नाधकर निधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाध 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संबंधित जिसका जीवत बाजार मून्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 60, 61, श्रीर 106 है तथा जो दावरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय दादरी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनौंक 25 मितम्बर 1985

आं पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पतिफल को लिए अन्तरित की गईं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उब्दोध्य सं उक्त अन्तरण किचित में अस्तिक रूप से कथित वहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण वे हुव् किसी आप की वासत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यो स्विभा के लिए।

बत: अब, उक्त कथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री महेश पुत्र श्री यादू नि० ग्राम हिरनाडी, दादरी, गाणियाबाद।

(अन्तरक)

(2) मे॰ हंसालयी सहकारी आवास समिति सि॰ द्वारा श्री सुरेश कुमार शर्मा पुत्र श्री महर चन्द्र नि॰ ई-51 एन० पी० एफ० कालोनी, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

(3) तथैव (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, कथोहस्राक्षरी के पास विचित में किए बा सकेंगे।

स्पष्टीकारण : — इ.समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गवा है।

नग्स्की

खसरा नं० 60, 61, 106 दावरी गाजियाबाद।

एच० श्रार० वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनौंक: 7-5-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाँक 12 मई 1986 निर्देश सं० चंडोगढ/37ईई/1342/85-86---यतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) पद्यात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण इ कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० मकान/प्लाट नं० 326 है तथा जो **सैक्ट**र 33ए, चंडीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन लुधियाना स्थित सक्षम म्रधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, दिनाँक 30 सितम्बर 1985 की पुराकत संस्पान को उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान परिकल की लए जतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करणे हैं कि यथाद्वेक्ति संपरित का उमित बाजार भूल्य, उसक ध्रथमान प्रातफल से, शोसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रिविचात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एंस अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फस निम्नो'लोखन उद्दर्थ सं उक्त बन्तरण निष्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंक्षरण से हुइ भिक्षी जाय की नावत, अभिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक को दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ৰ) ऐसी किसी अध्य या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर आंधिनियम, 1957 (1957 कं प्रयाजनाथं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुचिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाव (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों; अर्थात् :---

(1) कर्नल एन० के उखना (रिटायर्ड) पुत्र श्री एच० एम० खन्ना, निवासी मकान नं० 326, सैक्टर 33ए चंडीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नरेन्द्र कीर म्नानन्द पत्नी श्री जनरैल सिंह श्रानन्द, श्रीमती मनिन्द्र कौर आनन्द पत्नी श्री हरभजन सिंह ग्रानन्द, श्री बलमीत सिंह ग्रानन्द पुत्र श्री जनरैल सिंह भ्रानन्द तथा मास्टर गगनदीप सिंह भ्रानन्द (नाबालिंग) पुत्र श्री हरभजन सिंह श्रानन्द बारा उसके नेच्रल गाडियन तथा माता श्रीमती मनिन्द्र कौर ग्रानन्द, निवासी मकान नं० 662 सैक्टर 33 बी, चंडीगढ़ ।

(अन्सरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के क्यान के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षंप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर प्वींक्त अपिक्तमों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पर्कतिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

मकान/प्लाट नं० 326 सैक्टर 33ए चंडीगढ़। वह जायदाद जो कि सक्षम अधिकारी, लुधियाना द्वारा दिनाँक 30-9-1985 की धारा 269 क, ख के अधीन रिजस्टर्ड किया गया)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, **स**्धियाना

दिनौंक: 12-5-19**8**6

प्ररूप **आर**्. टी .**एन**्.**एस**्.-----

बाधकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बाबुक्त (निर्देशक),

ग्रर्जन रेंज, लुधिया्ना

लुधियाना, दिनाँक 12 मई 1986

निर्देश सं० राजपुरा/3/85-86-यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, बावकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देवके इतके पद्यारु 'उक्त 'भिनियम' कहा गया **है') की भड़ा** 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक **ह**ै ग्रौर जिसकी सं० भूमि 79 विघा 10 विसवा है तथा जो गौंब मीजा बनुइतहसील राजपुरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अन्मुची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधि-कारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक सितम्बर 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उज़ित बाजार मूल्य **वे कब के बदयमान** प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वात करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्पतिशत से अभिक है और अन्तरक (जनतरकाँ) और

अन्दरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब

पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण स हाइ किसी आय की नावत, उक्त जिमीनयम के जभीन कर दोने जो जंतरक के दायित्य में केमी करने वा संसधे अचले में सुविभा के सिए; जॉर/या
- (का) एसी किसी बाय या किही धन या अन्य कास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) अ अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सर्वश्री कुलदीप सिंह, भुखविन्द्र जिह पुत्नान् श्री शमशेर सिंह निवासी जनूड तहसोल राजपुरा जिला पटियाला। (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स सुरजीत एण्ड सुरेन्द्र। इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड, रादोड़ रोड़, यमुनानगर, जिला श्रम्बाला/द्वारा श्री हरमिन्त्रलाल पुत्र श्री संत राम निवासी फिलौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वनित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त बम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासीप म-

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबेष्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त कच्चों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

अनुसूची

भूमि 79 विघा 10 विसया जो कि गाँव मौजा वन् इ सहसीछ राजपुरा पटियाला में स्थित हैं। (श्रथात् वह जायदाद जो कि राजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, राजपुरा के विलेख संख्या 2148 माह सितम्बर, 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, सुधियामा

दिनौंक: 12-5-1986

मोह्नर:

प्ररूप आहें ्टी . इन . एक . --------

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन शुक्रमा

धारत तरकर

कार्यालय, तष्ट्रायक कायकर कायुक्त (निरक्षिण)

म्रजैन रैंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 12 मई 1986

निर्देश सं॰ लुधियाना/320/85-86--यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

वावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसके इसके प्रवाद 'उनत मधिनियम' कहा नवा ही, की भारा 269 स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित्त वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से मधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 40 बिंघा 12 बिसवे हैं तथा जो गाँव कंगनवाल, तहसील तथा जिला लुधियाना में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक सितम्बर 1985

को पूर्धका सम्पर्ति के उषित बाजार जून है का के जनमान प्रतिपास ने सिद्द जन्तरित की गई है जीड़ मूर्ज वह विकास करने का कारण है कि वजानुबोंचर संपर्ति का उषित वालाह मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपास्त से एसे एने बच्चमान प्रतिपास का पन्तह प्रतिशत से विभक्त है और वन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिद्द तब पाना नवा प्रतिपास, निक्तिवित उद्देश से सकत बच्चरण विशिक्त में वाक्तविक क्य से कथित वहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई जिल्ली बाव की बावठ कन्छ विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्य में क्ली करने या उत्तरी बचने में तृषिणा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब के किसी धन का बन्च बास्सियों को फिक्ट भारतीय कार्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी इंबारर प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जमूतरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिश स्थितवों, अर्थात् :— (1) श्री बेम्नंत सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी 659/1 गुरदेवनगर लुधियाना तथा श्री ग्रमरराज सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी 800, गुरदेव नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) दो लुधियाना हेमकुंट कोग्रापरेटिय हाऊस विल्डिंग सभा लिमिटेड, रिजस्ट्र श्राफिस 402, नवौँ मोहल्ला सुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को वह बूचका चारी करके पूर्वोत्रत सम्मत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां बूक करता हु"।

चनक सम्पन्ति के बर्चन के संबंध में काई भी मार्केप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जनभि मा तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में व किसी व्यक्ति द्वारा है
- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ज्योहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

क्क्यां करकार — इसमें प्रमुक्त कामां और पदों का, जो उक्त निध-निवम, के अध्याद 20-कं में वरिधालित है, कही नर्य होगा को उस सुध्याद में दिना नदा है?

यम्बर्गाः

भूमि 40 विघा 12 विसवा 15 विसवाई जो कि गाँव कंगन वाल तहसील तथा जिला भुधियाना में स्थित है। (प्रयीत् अह जाथदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8351 माह सितम्बर, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, लुधियाना

दिनाँक: 12-5-1986

मानव साम् , को श्रम श्रीम श्रम स्थान

सर्वाच्य निर्माणन, 1961 (1961 का 48) की भारा 269-न (1) से स्पर्धन सुकता

THE REAL PROPERTY.

भागीतम, सङ्गमक जामकार जायुक्त (निरुद्धाण)

श्चर्णन रेंज, धमृतसर

म्रमृतसर, दिनाँक 8 सई 1986

निर्देश सं० ग्रमृतसर/86-87/7-~यतः मुझे जसपाल सिंह, भाई० ग्रार० एस०

जायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसके इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' नहा का है), की भारा 269-च के अधीन सभग प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिश्रका उलात बाचार मृश्य : .00.000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो ग्रीन एवेन्यू, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनौंक दिसम्बर 1985

को क्योंकर सम्मित को उत्तित नाबार ब्रुक्त के का के कावस्त्र विकल्प को बिए अन्तिरिक्त की वह है और मुखे वह निक्यान करने का कारण है कि अभा पूर्वोक्त सम्मित का उचित नाबार मून्य, जबके क्यमान प्रतिकल के, एसे क्यमान प्रतिकल को वंद्रह प्रतिकत से अभिक है कोर बंतरक (अंतरका) और बंद्रारिकी (जंतिरितियों) के नीच एसे अंतरका को जिए तम पामा नया प्रतिकल्ला, निक्निकित उद्देश्य से उक्त बंतरक निक्ति में नास्तिक क्य से अभिक नहीं किला गया है है—

- (क) अध्ययन से हुव किसी जान की बानदा, उपन निर्भाषक के अधीन कर बोगे के कस्त्रपक के करिया में कभी करने ना क्याचे बचने में द्विधा के जिल्हा क्षीड़/वा
- (क) वृत्ती किसी जान या निक्की भण जा अन्त आस्तियों करे, विल्डी भारतीय आयकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियस, जा भणकर अभिनियस, जा भणकर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या दिस्सा जाना चाहिए था, कियाने में बुविधा से निक्ह;

बहा: जब, तक्त विधिनियम की धारा 269-म में सब्बारण में, भी, उनत विधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के वर्धील, निकासितिका व्यक्तियों, क्यांत र---

- (1) मैं ससंगुप्ता कारपैट्स इन्टरने शनल भ्रमृतसर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री वरतारी लाल श्रानंव पुत्र श्री परीत्तमदास श्रानन्व कटड़ा शेर सिंह, श्रमृतसर ।

(मन्तरिती)

- (3) जैसा कि क्रम नं० 2 पर है श्रौर कोई किराएदार श्रगर कोई है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई । (बह व्यक्ति, जिनके आरे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

कां कह कुमना कारी कड़को पूर्वोक्त सम्मण्डिको अर्थन कां खिए कार्यवाहिको करता हुई।

जनव तंपील के कर्णन के संबंध में नवेद भी आखोग ह—

- (क) इस सुमना के रायपण में प्रकारत की बारीय के 45 दिन की समीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की समीध, जो भी नमधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतह पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस क्ष्या के राजवन में प्रकाशन की कारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्म क्ष्यक्ति द्यारा जभोद्रस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंचे।

न्यक्रीक्ट्रमः — इत्यों प्रमुक्त कव्यों और वयों का, को उपक अधितियम, के अध्याय 20-क में परिशामित है, वहीं अर्थ होंगा को उत्त अव्यास में विका नया है।

वनुसूनी

एक कोठी नं० 361 ग्रोत एवेन्यू अमृतसर में जैसा कि रिजस्ट्रोक्तर्ग ग्रिक्षिकारों के सेनझोड नं० 9811 तिथि 10-12-1985 में दर्ज हैं।

> जनपाल सिंह, श्राई० मार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भमतस्य

विनौकः 8-5-1986

नोहुदु 🖫

प्रस्प बाह्री, दी, एन... एइ... ५३०००

मायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में नभीन क्यना

भारत चरकार

कार्यातम, सहायक अध्यक्त नाम्मत (मिक्रीकम) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतवर, दिनौंक 8 मई 1986

निर्देश सं० अमृतसर/86-87/5---ग्रनः मुझे जसपास सिंह, **यार्र० आर**० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्रनें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन स्कर प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 /-रा गे अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन का प्लाट है तथा जो अजनाला रोड़ जिवेलप मेंट स्कीम अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकसी अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति क्य उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तम पाया प्रसा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अभ्यारण ते हुई किसी जाम की बावता, डक्स अधिनियस के जभील कर दोने के जन्मरफ के दशीयत्व में भजी करने या जसके क्वमे में तृतिकथा के सिए; बीट/का
- (स) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः नव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के जनूतरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) (1) श्री राजिन्द्र कुमार सूद पुत्र श्री जगन्नाथ सूद पंजाव एंड सिंध बैंक विल्डिंग, फगवाड़ा।

(श्रन्तरक)

- (2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री सोहन सिंह गाँव वरियारीवाल तहसील व जिला श्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि क्रम नं० 2 पर है श्रौर किराएदार श्रगर कोई है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाओप ---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन करी अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस्य सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवबध किती अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शर विवित में किए जा संकींगे।

स्वक्यकरणः—स्वानें प्रवक्षत कव्यों और पदों का, वा उपल अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया वया इ. ।।

अन्स्ची

प्लाट नं० 6-ए, ग्रजनाला रोड़ डिवलेपमेंट स्कीम, श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी श्रमृतसर के सेलडीड ता० 6097 तिथि 3-9-85 में दर्ज हैं।

> जसपाल सिंह, श्राई० श्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, घम्तसर

विनौक: 7-5-1986

मोहर 🖫

प्रकृत साहीत हो है हुन ।

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269 व (1) के अभीन क्षान

भारत दरकार

कार्यांत्रय, सहायक बाबकार नायुक्त (निजीक्षण)

श्रर्जेन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनौंक 8 मई 1986

निर्देश सं० ग्रमृतमर/8 6-8 7/6---यतः मुझें, जसपाल सिंह मारे० मार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्व रह. 1,00.000/- से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो भवानी नगर, मजीठा रोड़ ध्रमृतसर में स्थित हैं (धौर इससे उपावद ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती ध्रिधकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, दिनौंक सितम्बर 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कन के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जनके दश्यमान प्रतिफल से होसे क्यमान प्रतिफल के बेक्ट्र प्रतिखत से शिक्षक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्वरितियों) के बीच एके अन्तरक के लिए तब बाका गया। प्रविक्रम निम्मीसियत उप्यंक्त से उक्त कन्तरण जिल्लाक में बाक्तीयक कण से किस्स नहीं किया बन्त है प्र—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाव की क्लब, क्लब नियम को अभीन कर दोने के बंतरफ के वार्तिस्थ वें कमी करने वा उससे क्लने के स्थिता के खिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म जास्तियों को जिल्हा भारतीय जायकर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनयम, बा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए भा, जिपाने में बुविधा को विकास

कशः हव, उक्त अभितियम की भारा 269-च के अक्तरण की. भी, अक्ष्म अभितिवस की भारा 269-च की उपभास (1) को अभीता, निक्रितिसिस व्यक्तिक्यों, अभीत् :— 3—106 GI/86 (1) श्रीमित श्राशा देवी परनी श्री भीम सैन, भवानी नगर, मजीठा रोड़, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री बूज मोहन बाँसल पुत्र श्री संत राम मंकान नं० 22, गली नं० 6, भवानी नगर, मजीठा रोड़, श्रमृतसर (श्रम्सरिती)
- (3) जैसा कि क्रम नं० 2 पर है और किराए दार अगर कोई है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

के बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के तिब् कार्यवाहियां फरता हो।

डबत तक्ष्यीत के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना को राजपत्र में त्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्त्रस्वत्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस स्थान के राजध्य मं अकाशन की तारील सं 45 दिश के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में क्षिए का सकेंगे।

स्वक्षांकरणः --- इसमें प्रश्वत शब्दों और पदों का, जो उनस वाधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधिक ही, वहीं वर्ष होया वो उस अध्याय में दिवा गवा ही।

बन्स्य

एक जायदाद नं० 22, गली नं० 6 भवानी नगर मजीठा रोड ग्रमृतसर में जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के सेलडीड 6553 दिनांक 17-9-1985 में दर्ज हैं।

> जमपाल सिंह, ग्राई० ग्रार० एम ० नभ्रम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनौंक: 8-5-1986

मक्क्य लाह्यें, टी. एग्, देग

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

श्रापक संप्रकास

काकांत्रक, ब्रह्मकन वस्तकः जायुक्त (चिद्रीकान) श्रर्जन रेंज, श्रम्तमर

श्रमृतसर, दिनाँक 13 मई 1986

निर्देश सं० ग्रमृतसर/86-87/9--यतः मुझे, जसपाल सिंह,

ष्माई० श्रार० एस०

क्राककर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (विचेदसमें इलकं परवात् 'उनत मीधीनवन' नद्धा गवा ह"), की चत्या 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ग ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उत्तित वाषार मृत्य 1,00,000/-रा. से जन्भिक है

भीर जिसकी सं० जायबाद है तथा जो भ्रजनाला रोड़ श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक सितम्बर 1985

का दबाँबस संपत्ति के उपित सावार मृस्य से कम के प्रथमन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्परित का उसके दृश्यमान प्रतिफल **ड**ियत बाजार मध्ये, होते इत्यमान प्रतिकास के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और बेतरिती (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निध्नलिमित उद्योच्य से अकत अंधरण जिल्लित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया ववा है :---

- (क) बन्तरम प्रे हुन् किसी अप की भाषक, अकर क्रिकॉनवन में ज्यीप कर दोने में बंधरक के शामिल में कवी भारते वा प्रवस्ते बचने में कृतिया के सिए-बौर/वा
- (क) एंडी किसी जान या किसी धन वा सम्ध आरिएको को, जिल्हें भारतीय जायकर अधिनिजय, 1922 【 1922 का 11) वा उक्त विशिवयम, या वन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्ति रिशी इवास प्रकट नहीं किया गुधः वायाकियाकानाकाकार था, क्रियाने में संस्था वे विदः

नत: क्षेत्र, उक्त जीवीनवम की धारा 269-न में अनसरक ंगें, उक्त अधिनिवयं की धार 269-वंकी जपभार (1) के मधीम, निजनिक्षणित व्यक्तियाँ, अर्थात प्रान्त

- (1) श्री ग्रार० के० सहगल पुत्र मदनलाल सहगल मार्फत स्टेट बैंक श्राफ इंडिया श्रटारी जिला श्रमृतसर । (भ्रन्तरक)
 - (2) श्री पपरीत्तम सिंह पुत्र श्री लेट नवाब सिंह गाँव बडाला, ज़िला कपूर**यला**।

(श्रन्तरिती) (3) जैमा कि कम नं० 12 पर है और कोई किराएदार **प्र**गर कोई है ।

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्बक्ति में हितबद है)

को यह ब्रुप्ता बाह्री करूने प्योक्त प्रभावित से धर्म के विद् कार्यश्राहिकां करता हुई 粥

उन्नत सम्मारत के सर्थन में सम्बन्ध में कोई भी नामचे है---

- (क) इस स्वता के सवनन में प्रकासन की तारीय है 45 दिन की नवींभ या तत्वंबंधी व्यक्तियों क्षमा कौ तानील से 30 दिन की नवीम, यो औ बवीच शब में बबाख होती हो, के शीवर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वास;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की दारीया से 45 दिन के भौतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिवबव्ध किसी जन्म स्थमित द्वारा जभोहस्ताकद्वी के पान निवित्त में किए वा बर्केंचे।

स्पथ्यीय रण ह---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, विधिनियम के बन्धाव 20-क में परिजामिक है, नहीं कर्च होना को उस्त सभ्याय में दिया थया है

धनुसूची

1/4 मोर प्लाट में भ्रजनाला रोड़ डिवलेपमेंट स्कीम, भ्रमृतसर **जैसा कि र**िष्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी श्रम्तसर के संलडीड नं० 678 दिनाँक 27-9-1985 में दर्ज है।

> जसपाल सिंह, माई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

दिनौक: 13--5- 1986

अक्ष नार्षः हो . एन . एक . -----

धारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यांसर, सहारक जायकर जायकत (निरक्षिक)

भ्रजन रेंज, ग्रमृतसर भ्रम्तसर, दिनोंक 13 मई 1986

निर्देश सं० ध्रमृतसर/86- 87/8--यतः मुझ, जसपाल सिंह भाई० भार० एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० एक जायवाव है तथा जो अजनारा रोड़ श्रमृतमर में स्थित है (भौर इससे उपाब अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यास्य अमृतमर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंक अक्सूबर 1995

को प्येक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की वर्ष हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित क्लार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का बंद्र प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीयक रूप से किथत नहीं फिया गया हैं:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आन की बाबत, उक्स आधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी ज्या या जिसी भन वा ज्या वास्तियों को जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता शाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

क्कः वयः, अवतः अधिनियमं की भारा 269-व के अनुकरण में:, में , उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निक्नसिचित्र स्थितस्थों, अर्थात् :—

- (1) श्री धारं के बहुगल पुत्र श्री मदन लाल सहगल, मार्फत, स्टेट बैंक श्राफ इंडिया, श्रटारी, जिला श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीपरषोत्तम निहपुत लेटश्री नवाब सिहगाँव नडाला, जिला कपूरयला ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा िक कम न० 2 पर है श्रौर कोई किराए वार श्रगर कोई है। (यह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह त्यम बारी करने पूर्णेक्स प्रम्मित में अर्थन से किस् कार्यगाहिमां करता हो।

अवस अपित के वर्णन के संबंध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिभ, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास मिसित मों किए या सकतें।

स्पष्टिकरण १--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा पदा है।

करकी

1/4 शेयर ध्लाट श्रमनाला रोड़ डियलपमेंट स्कीम श्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर के सेलडीड नं० 7592 दिनाँक 10-10-1985 में दर्ज है।

> जसपाल सिंह, ग्राई० भ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

दिनाक: 13-5-1986

प्रकप आहाँ, टी. एन. एस. -----

आमकर निर्धानयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के नृथीन सुचना

भारत संद्रकार

कार्वालयः, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर श्रमृतसर, दिनाँक 13 म**ई** 1986

निर्वेश स० श्रमृतनार/80-87/11--यतः मुझे जसपाल सिंह श्राई० श्रार० एस०

जायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्सात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उजित पाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो श्रजधाला राड़ श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमृसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन - दिनांक श्रक्तवर 1985

को पृथिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिफल का पृष्ट प्रतिफल का पृष्ट प्रतिफल से अधिक है और बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किशी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के [सए;] बौर/वा
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में नृविधा के लिए;
- क्तः क्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, कें. उक्त अधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कं अधीन, निस्तिवित व्यक्तियमों, अधित ु—

- (1) श्री श्रार० के० नहगण पुत्र श्रो मदनलाल सहगल मार्फत स्टेट बैंक श्राफ इंडिया श्रटारी जिला श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी मनजीत कौर पुत्री करतार पिह र्गाव राजपुर जिला जालंधर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि अम नं० 2 पर है और कोई किराएदार धगर कोई है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रीधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

कों यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यगाहियां सूक ऋरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस स्कान के राजपक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षतिकरणः ----इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्क अध्याम में दिया नेवा हैं।

मन्त्रचीं

1/4 हिस्या प्लाट ग्रजना ता रोड़ डिबेल्पमेंट स्कीम श्रमृतयर में जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के सेलडीड नं० 7593 दिनौंक 18-10-1985 में दर्ज है।

> जसपाल सिंह, भ्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनाँक: 13-5-1986

मोहर ।

प्रका वार्च . दी . एवं . एवं . १०००

नावक्ट वर्ष्णिनवम, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) के क्पील बृधना

भारत बंडकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर श्रमृतसर, दिनौंक 13 मई 1986

निर्देश सं० श्रमृतसर/86-87/10---धतः मुझे, जसपाल सिंह झाई० श्रार० एस०

अध्यक्तर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विचे दसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वाब करने का कारण है कि स्थानर वानीत, विसका उपित अधार मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० एक जायदाद है तथा जो श्रजनाला रोड़ श्रमृतसर में स्थित है)श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बींगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक सितम्बर 1985।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्दरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल से मृत्ये हर और वितरित की पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और वितरिक (अंतरिकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिणिव उद्देश से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिवक कम से कांश्रम नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ष) एसी किमी जाय या किसी धन वा अन्य जाल्लियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 97) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया का वा किया जाना जाहिए जा, जिनाने में सुद्विधा के जिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बैं, बैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ब्रधीन, निस्नीजिकित स्वीक्तयों, अधीन, सिस्नीजिकित स्वीक्तयों,

- (1) श्री ग्रार० के० सहगल पुत्र श्री मदनलाल सहगल भार्फत स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया ग्रटारी जिला ग्रमृतसर। (ग्रन्तरफ)
- (2) कुमारी मनजीत कौर पुत्री करतार सिंह गाँव राजपुर जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऋम नं० 12 पर है श्रोर कोई किराएबार श्रगर कोई है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरो करके पृथिस्त सभ्याश के अर्थन के क्रिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब स्थान के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 किन की नवीं या तत्त्रास्त्राक्षी व्यक्तियों पर क्वान की तानीस से 30 दिन की सवीं प्रति वा भी सवीं वा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति स्वारा;
- (ख) इव स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तन्मीता में दिख- वक्त किया क्यांहरताकारी के पास सिवित में किए जा सकतेंगे।

रचण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्तः चल्यों और पर्यो का, जो उपह अधिप्रयम के वध्याय 20-क में परिशायित हैं, नहीं सर्व होता, को उस सम्मान में दिया करा है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा प्लाट में जो श्रानाला रोड़ डिबलपमेंट स्कीम श्रमृतसर में जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में सेल डीड नं० 6785 दिनौंक 27-9-1985 में दर्ज है।

> जसपास सिंह, श्राई० श्रार० एस० मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रम्*ससर*

दिनौंक: 1²--5-198^ह

मोहरः

प्रकृष **शह**े दी . एवं.. एत-वन्न-

बायकर वाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के बभीन सुचना

भारत सर्कार

क्रयांस्य, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रजिन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनाँक 8 मई 1986 निर्वेश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू० 37ईई/12/85-86-अतः मुझे, बी० एल० खती

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

धोर जिसकी सं० ए 66 टी० सी० द्रिब्यून कालोनी अम्झाला में स्थित है) और इससे उपायब अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है) रिजस्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनौंक 19 सितम्बर 1985।

कर पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, ट्रीननिलित उद्येषय से उच्त अन्तरण जिलित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ये हुई किसी बाव की बाबत अवस वीधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्त आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्;

अप्तः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यवस्तियों, अधीत :—— (1) श्री स्वतन्त्र कुमार गोयल नि॰ 8 नार्थ अप्सरा प्राली हिल बम्बई ।

(भन्तरक)

(2) मैं ॰ गाँधी गुप्ता एंड फाइनेंस एंड चिट फंड कं ॰ लि ॰ द्वारा डारेक्टर श्रीमती प्रोमिला गाँधी, श्रनस्त बिस्डिंग सम्बाला छात्रनी ।

(अन्तरिती)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्जन . के शिष् कार्यवाहयां सूक करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी व्यक्षि बाद में समाप्त हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति कें हित-वष्भ किसी जन्य व्यक्ति व्यारा सभोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

सम्पत्ति 60 टीं० सीं० जो ट्रिब्यून कामोनी अम्बाला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्श के कार्यालय रोहतक में रिजस्ट्री संख्या 37ईई/12/85~86 दिनौंक 14-9-1985 पर दिया है।

बी० एल० खती, सक्षम प्राप्तिकारी सहाथक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनौफ: 8-5-1986

वक्त वार्'.डी.एत.एत.्रन

वावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातम, बहायक जायकर जाबुक्त (विद्रीक्षक)

भर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनौंक 8 मई 1986

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गाँव/187/85-86---स्रतः मुझे बी० एत० खन्नी

श्रावकर निर्मानवन, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसके प्रभात 'उन्कर निर्मानय) कहा गया हैं), की भारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिनका उचित वाधार मूख्य 1.00,000/- रु. से निभक्ष हैं

1.00,000/- र. त बायल हू

श्रीर जिसकी सं० भूमि 41 कनाल 16 मरले जो मुखराली में स्थित
है (श्रीर हमसे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुड़गाँव में भारतीय
श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन, दिनाँक 3 सितम्बर 1985
को प्रशेष्टिन सम्भित्य के नीचत वाचार मृस्य से कन के प्रयमान
श्रीतकत के निरु बन्तरित की नई है और मृत्रे वह विकास
सरते कर कारण है कि वचाप्योंकत बन्तरित का अधिक ताचार
मृत्य. उसके प्रथमान श्रीतकत से, एके प्रथमान श्रीतकत का
चंग्रह श्रीतकत से स्थित है और वंतरक (वंतरका) और यंतरिकी
(अन्दरितियाँ) के बीच एके जंतरक वंतरण निर्मा स्था
पना श्रीतकत न से व्यक्तिक कही किया स्था है ह—

- 'ल) सम्मान्ध में हुई किसी काच की वाजब, उच्या अधिनियंत्र में कथीन कर गैने के अन्तारक के वासित्व में कभी करने वा उत्तरी दचने में सुविधा में लिए; बांडि/बा
- (स) ऐसी किसी काय या किसी अन वा बन्ध बास्थियों को, जिन्हें पारतीय नायकर नींधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनयम, या जन-कर नींधनिकम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति है स्वास प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुनिका में निक्;
- नतः तथः, उथा निविद्यम् की पारा 209-न के थप्षरण थें, जें, उपत तथिरियम् की भाषा 269-न की क्यारा (1)

चे क्यीतः, विकासिक्यि व्यक्तिक्ये 🚾 **स्था**कि 🕬

- (1) श्री रघुनाथ उदमी नि० सुखराली तहमील गुड़गाँव । (ग्रन्तरक)
- (2) मैं ० अन्सल प्रापर्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लिं० 115 ग्रंसल भवन, 16 कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारींस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर कूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वे कि व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित कुशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए पर स्कर्ण।

स्वाचिरण रूल-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उत्तर सिंधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 41 कनाल 16 मरले जो सुखराली में स्थित है जिसका ग्रीधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गाँव में रजिस्ट्री संख्या 2963 दिनाँक 3-9-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

दिनौंक: 8--5--1986

मोहर 🗧

प्रचम बार्धः, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनाँक 8 मई 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गौव/189/85 85 ग्रातः मुझे बी० एल० खन्नी

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, सिक्षका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० भूमि 21 कनाल 4 मरले जो करतारपुरी में स्थित है) श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय गुड़गाँव में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन, दिनाँक 4 सितम्बर 1985।

की पूर्वोक सम्पत्ति के अधित बाबार मूस्य में कम के क्सबाब प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूस्य, उसके दण्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पेइह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) की बंगरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के निष् तब बाबा च्या प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उच्त अस्तरण जिल्लिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है से—

- (क) बन्धरण में शुद्र किसी बाव की बावत, उक्त वीचितिकम के बचीव कर दोने के बन्धरुक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा औ सिए; क्षेष्ट्र/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनिवन 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवन, या भनकर अधिनिवन 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं कि वा यदा था या किया लग्ना लाहिए था, डिजान के स्थिश के जिल्हा

शतः वय, उक्त जाभागवम, की धारा 269-म के जन्तरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्वीन, निम्नित्यिक व्यक्तियों, वशीत् म—

- (1) श्री रामनाथ पुत्र कुडिया, श्री साहिब राम राजिन्द्र सिंह पुत्रान राम नाथ, नि० करतार पुरी। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं ० भ्रंसल प्रापर्टी न एंड इंडस्ट्री न (प्रा०) लि० 115 ग्रंसल भवन, 16 कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को मह बुक्त भारी कहने पूर्वोक्त सम्बद्धि से सर्वत से सिए कार्यनाहिमां कारता हुने।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इत जुजना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 किया की शंबीच वा तत्त्राम्यन्ती व्यक्तियमों प्र जुजना की तासील से 30 किन की संबंधि, जो भी व्यक्तियों में संबंधित होती हो, के भीतर प्रवेशन स्वाप्तत्वारों में से किसी व्यक्ति धुनारा;
- (क) इस ब्यान से हायुक्त में स्थानन की तार्तिक से 45 दिन के भीतर उनक स्थानर सम्मत्ति में हित्बद्देश किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इतमे प्रयुक्त शक्त और पदों का, को उक्त वर्षिनुवन, ने मध्याय 20-क में प्रिशापित है, धर्मी वर्ष होना को उन्न मध्याय में हिन्स स्था होते

वर्ष्यी

सम्पत्ति भूमि 21 कनाल 4 मरले जो करतारपुरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्सा के कार्यालय गुड़गाँव में रजिस्ट्री संख्या 3002 दिनाँक 4-9-1985 पर दिया है

> बी० एल० खनी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक: 8-5-1986

मोहर 🛭

प्रारूप आई.टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंन, रोहतक रोहसक, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश मं० श्राह्य ए० मी०/एक्यू ० गृहगांच/ 190/ 85-86---अत: मुझे बी० एल० खदी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसको ध्वयात 'तकन अशिनियम' इन्हा गया **ह**ै), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उभित बाजार मुल्य

1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संव शूमि 3 क तल, 1 सरला जो सुबराली में स्थित है) और इससे उपायक प्रमुखी में और पूर्ण रूप से पर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना आँबकारी के कायनिय गुड़गांव में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के अधील दिनांक 5 सिसम्बर 1985। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बलार मृत्य में कम के दब्धप्रान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गड़े हुँ और भूके यह विख्वास करने का कारण है कि यभागुर्वोक्त सम्पत्ति का उमित आजार मुख्य. उसके क्रवंतार प्रतिकृत हो, पृथे क्रयमान प्रक्रिक स्न पन्दन प्रियात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिशियों) के बीच एंसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल. निम्निमिलित उद्योक्य के उपरा अम्मरण विविध में बास्य-

विक 🚧 सं कथित यहीं मिया सवा है :---

- (क) शन्तरम् सं शुर् किसी माय की भाषत्. अभिविधन में मधीन कर दाने के धन्तरक के बाबित्य भें कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; WAY LATE
- (कर) प्रोमी किसी आध या किसी भन था अन्य **आ**स्तियोँ का, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनयंत्र, 1922 (1927 बंग 14) का उक्स अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए ;

- (1) सर्वश्री जयलाल, भगवानी, खजान सिंह मीर सिंह पुत्रान रामपत नि० सुखराली, सह० गृहगांच ।
- (2) मैं० अंसल प्रापर्टीज इंडस्ट्रीज प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16 कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्सरितो)

को यह स्वना जारी करके प्रतिका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अभाग सम्पन्ति के कवान के सम्बन्ध भी काही भी शाक्षण 🖟

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन् की अवस्थि या तत्त्वस्थान्त्री व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी भ्यक्ति द्वाराः
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिस के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गय

अनुसुपी

सम्पत्ति भूमि 39 कनाल । मःलाजा स्खराली में स्थित है जिसका श्रिथिक विचाण रजिस्ट्रीकत्ती के कार्यालय गृहगांव में र्जिस्ट्री संख्या 3010 दिनांक 5 सितम्बर 1985 पर दिया है।

> बी० एला० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहाय । भायकर भाग्यत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

अत अब, अवत अधिनियम की धारा 269-भंकी अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , अथिए :--

4-106 G1/86

दिनांक: 8-·5-·1986

प्रकृप नाइ. टी. एन. स्त.्

आसकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43 का 269-अ (1) में अभीन सुजनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंग, रोह्**स**क

रोहनक, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांच/ 194/ 85-86----श्रत: मुझे बी० एल० खर्ता,

बायकर जीभीनयभ, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास बारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

और जिसकी सं ० व्लाट नं ० 10, सक्टर 18 इंडिव्ट्रियल एरिया गुड़गांच में स्थित है (और इससे उपायद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विवाद है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांच में भारतीय आयकर श्रिधित्यम 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1985

को प्रोंचित संपत्ति के उचित बाजार सूक्य में कम के दश्यमास प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्था प्रोंक्त सस्मिति का उचित बाजार सूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिका के लिए तय बाबा प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण निचित के बास्तिक रूप से कथित नहीं बाग गया है :---

- (का) वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

नतः जय, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाग (1) में अभीय, निम्नीसियत क्यन्तिकों, अर्थातः :---

()) नै० इंडियन पाइपस् प्राठ लि०, 17 शि**षाजी मार्ग** (नजफगढ़ रौड़) न**ई** दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स मुंजाल शोवा लि०, बी-109 ग्रेटर कैलाश, पार्ट-1, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का बहु बुब्ना बारां करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीय हैं.
 45 दिन की अवधि या तत्संवंधी व्यक्तियाँ पर स्वन की वामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त का कि का क
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के शीतर उक्त स्मावद्र सम्मत्ति में हितवकृष किसी बन्य स्थित प्रवार, बभाहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए या सकेंगे!

स्वष्टीकरण :----- असमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो सक्त जिल्लियम के अध्याय 20-क में परिभाषित की बहा अर प्रतेगा को सभ अध्याय में दिवा गर्म हुनै।

अनुस्ची

सम्पति प्लाट नं ० १० जो सफ्टण् । १८ सुड़गां**ष में स्थित है** जिसका अक्षिप विषयण प्रक्रिस्ट्रीयन्ति के आयिक्य गुड़गांच में एकिस्ट्री संख्या 3:08 विशोध १-१-१९४५ पण विया **है** ।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज रोहतक,

दिनांस: 8-5-1986

HAT WIE . CT. JT. GE

आयकर गॅभानयम, 1961 (196; का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

THE PERSON WITH

कार्यातमः, सहायक आयकर भाष्ट्रकः (निरीक्तकः)

श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 8 म**र्द** 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सो०/एक्यू० गुड़गांव/288/85-86 ↔ श्रस: मुझे, बो० एल० खती,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे प्रामें इसके परचात 'लक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर सम्प्रिश, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक ही अगर जिसका जे अस्ति है विश्वासी के अपित की स्थापति के स्थापति है विश्वासी है विश्वासी स्थापति है स्थापति स्थापति है स्थापति स्थाप

और जिसाने मं० भूमि 120 जतान, एमा तो है तथा जो पुत्रराली में स्थित है (श्रीर इसने जहातद्वानामुद्यों में और पूर्ण कप से वर्णित है) हो स्ट्रोहिती स्रोहे करीं है। अधितय गुड़गांव में

12 सितम्बर 1985

की पूर्वेक्स सम्पत्ति, के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एमे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिश्वत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों ११, १०६६ कार्योध अध्यक्तर अधिनियम १०२१ ५७९२ वा ११) हा उन्ते प्रधिनियम या धन-कर विधिन्यम, 1957 (१957 वा २७) के प्रयाजनार्थ अन्तिरियो व्वारा प्रकट उहीं । क्या गया था या किया जाना चाहिए था.. कियाने ने स्थितर के विद्या

(1) श्री तायू पुत्र श्रीमती चनली श्रोमती कस्तूरी विधया श्री रूप किरत उर्फ किसन, श्रीमतो भीम कौर विधया मांगे श्रीमती मुमानों श्रिधया भगवान सर्व/श्री सत्त्वीर कुलदीप, राकेण निरुष्ठ राली ।

(प्रन्तरक)

(2) गै० अंसल हाउसिंग एंड इस्टेट (प्रा०) लि० अंसल भवन, 16 कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिस्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्बद्धि के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो फि.सी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुस्ची

सम्पत्ति भूमि 12 कनाल, 7 मरले जो सुखराली में स्थित है निसंका प्रधिक विचरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांच में रिजस्ट्री संख्या 3381 दिलांक 12-9-1985 पर दिया है।

> बी० एस० खती सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहसक

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

दिनांक: 8--5--1986

मक्ष्य वाह¹.टी. **१५**.एच ्यामानामा

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं ० %।ई० ए० सं । ০/एक्यू० गुड़गांव/347/85-86---श्रतः मुझो, बी॰ एल० खती,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का काइन हैं कि स्थावर स्मारित, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- स्त. से अधिक **ह**ै

और जिसकी मं० भूमि 17 करात्र जो पुबराली में स्थित है और इससे उपावद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विस्ति है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यात्रा गुड़गांव में भारतीय श्रायकर प्रधिनियम 1961 के अधीत, दितीन 20 मितम्बर 1985

को पृथा अस सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास् करने या कारण ह कि स्थापृथायत सम्यात्त का साचत बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरितीं (जंतिरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निवित्त को बात्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) बन्तरण सं हुवं किसी बाय की बायत; उक्क किपिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दिस्स में कमी करने या उद्यक्ष ब्यने में सुविधा के निर्द्र; बर्गर/बा
- (क) एसी किसी आय या जिसी धन या अन्य अमिस्तयों का, जिल्ले भारतीय अत्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का अभिनियम, या धन-का अभिनियम (1957 का 27) के ध्वोचनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किता स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो ओम प्रकाश पुत्र श्री महीपत नि० सुखराली तह० गुड़गांव ।

(श्रन्तरक)

(2) मसर्स असल हाउसिंग एंड ईस्टेट (प्रा०) लि० 115 असल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (प्रन्तरिता)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कड़ता हुं।

उक्त सम्मृतिहा के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 2---

- (क) ह्य क्षमा ने राज्यम् में मकत्यम् की राष्ट्रीय से 46 दिय की अविभिन्न या तरस्यम्पी व्यक्तिस्यों पूर बूचना की सामील से 30 दिन की अविभि, जो भी स्वीप बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से स्थित व्यक्ति हुनारा;
- (क), इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को जक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, का उस अध्याय में दिया गया हैं!!

नवृत्त्र्यी

सम्पत्ति भूमि 17 कनान जो गांव पुखराना में स्थित है जिमका अधिक विवण्ण रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 3640 दिनांक 20-9-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खत्री, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: **8 ·5** · ! 983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1986

निर्देश सं० प्रार्० ए० मी० नं० 1/86-87-प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० गेड है तास जो फतेह तम है। शाताब में स्थित हैं (और इसने उपायत अनुभूनों में और पूर्ण रूप से विमित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अविकासी के जायित्य, बल्लमनगर में भारतत्य रिजस्ट्रीकरण प्रिकासमा 1908 (1908 का 16) के अवीन, दिनांक मितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिह बाजार मूल्य, इपके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रात्फल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितौं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उसते यचने में सुनिभा के लिए; और/वा
- (क) एरेती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मर्गमं प्राचित्व भिस्टाः कः वाई० श्री के० पी० शास्त्री, वो-17, इंडिस्ट्रीया इस्टेट, संत नगर, हेदराबाद ।

(भन्तरक)

(2) मैं मर्भ दात्ला इलेक्ट्रानित्स प्रा० लि० घर नं० 6-3-1100/5, सामार्बागुडा, हैंदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्ववारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की साराच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस नध्याय में दिशा गया क्रिं!

अनुसूची

रोड नं ० सं -57, विस्तीर्ण भूमि 1905 नौ० गज, फतेह नगर, है, रावाद, ािस्ट्रोइन्स विलेख नं ० 3004/85, रजिस्ट्रीकसी श्रिधकारी, वरकराजगर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिलाँक: 5--5-1986

मक्य कार्च . दी . एक . एक .। .-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-भ (1) के अभीन सुभवा

भाउत अरकार

कार्यासय, सहायक वायकर नावृक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 5 मई 1986

निर्देश सं० प्रार० ए० सी० नं० 3/86-87-प्रत: मुझे एम० जगन पाहन,

बारयकर अधिनयन, 1961 (1961 या 43) (जिसे इसके इसके परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- राज्ये अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो हिमायत नगर हैदराबाद में स्थित है (और इसके उक्षबद्ध प्रतृभूकी में और पूर्ण क्य से विधित है), रजिस्ट्रीकर्ता जोड़ छारी के कायितिया, वीक्डपकर्ली में भारतीय र्रावस्ट्राकरण प्रिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1985

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल क्ष्म पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कि थित नहीं किया गया है :—

- (क्ष) अन्धात्य च तृष्ट्री किसी साम की वावकत् जनकः अंगितिक्य के तृषीत कार को से स्त्युरक के वारित्रक को मानी अवसं का जल्ली क्षमी में सुरित्रक के वारित्रक की मानी अवसं का जल्ली क्षमी में सुरित्रक के विद्युर की कार्या
- (स) एली किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों करें, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः—

- (1) श्री मुलतान प्रब्दुल वहींद और प्रन्य तीन, घर नं० $2\cdot 2\cdot 11/1$, श्राङोकमेंट, हैर-तबाद ।
 - (प्रस्तरक)
- (2) श्री पत लाल अप्रचाल और प्रन्य तोन, घर नं ० 21-7-226, चारकमान, हैवराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो कहते पूर्वोच्छ सम्मत्ति से मर्चन के जिल्ला कार्नमाहियां करता हूं।

जन्म जन्मीता के मार्चन के सम्बन्ध में आहे भी बाम्बन:---

- (क) दश गुधना के राज्यक में प्रकारत की बाड़ीय ने 45 वित की अवधि का तर्वसंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामीस से 30 दिन की अवधि, को भी वधि याद की अवधि होती हो, की शीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों की जी कि दिन के रण कि सुवास:
- (क) इस जूनभा के राज्यक का प्रकासक की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर संस्पत्ति में हिल-बच्च किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोड्स्ताक्षकी के बात सिविश्त में किसे या सम्बंगे।

त्वच्यक्तिकरणः----इसमें प्रवृक्षतः कव्यां और वयां का, वां अवय विभिन्नम के अध्याम 20-क के परिवादित हैं, बहुत वर्ष होता को स्तर कथ्यान में दिया गया हैं।

अनुसूची

घर नं 3 ·6-374 दो मंजिल की इमारत, विश्तीर्ण 987 ची गर, रोड़ नं 2, हिमायतनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत चिलेख नं 1446/85, रजीस्ट्रीकृत्ती प्रधिकारी चीक्कष्टपल्ली।

> एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5--5-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाशकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन स्थान

ALLE BRANCE

कार्वासम्, नद्धमक नावकर बाब्क्त (निद्वीक्षक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1986

निर्देण सं० धार० ए० सी० नं० 2/86—87--धतः मुझे, एम० जगन मोह्य

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सार्व है कि स्थावर सम्परित, चिक्का उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है जो श्रीतगर, जालोनी हैंदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध श्रनुश्ची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिनस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के बायलिय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीविद्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, दिनांक पितम्बर 1985

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिवियम के अभीन कर देने वी अन्तरक के शियत्य में कमी करने वा उससे अपने को सुविधा लालक, सार/वा
- (क) ताली किसी जात का किसी ६५ वा अन्य बारिसकों करी, जिन्हों भारतीय आय-कर लोधनियंत्र, 1922 (1922 का 11) वा अवस सिधित्यम् सा धनकर वाधित्यम् सा धनकर वाधित्यम् । 1957 (1957 का 27) के अवस्थानार्थ अन्तरिती बुवास प्रकट नहीं किया भूमा वा या किया धनत वाधिए भा, जिल्लाम अं भूमिया वो लिए;

करक वर्ष, उक्त अधिनियम की शास 269-न वर्ष अस्वरूप में, में, उक्त अधिनियम की शास 269-न की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) डी० के० एमचन्द राव और प्रत्य दो, नागाजुन नगर कालानी, यंजागुट्टा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० दशरथ रामा रेड्डी और अन्य एक, घर न० 8--3--1104, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद । (अन्तरिता)

को यह सूचना पारी करके पृथेक्ति सम्मत्ति के अर्थन के आपए कार्यमाहित्यों करता हुं।

डक्त बम्बरित के ब्लंग के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस स्थान के राष्ट्रपा में अकाशन की तारीज से 45 दिन की वर्षीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तिएयों पर भूषना की तामीज से 30 दिन की वर्षीय, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त स्वीक्तवों में से किसी व्यक्ति वृधादा;
- (ख) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की नारिश्व से 45 दिन के भीतर उन्त स्थार स-एत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास विशिष्ठ में किए या सकेंगी।

स्वष्टिध्यारण :---इसमों प्रयूक्त बन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मों परि-भाषित हैं, वहरी अर्थ होगा. को उस अध्याय भें दिया गया है।

भ्रनु सुची

घर नं ० 8-3-1104, विस्तीर्ण 715 5 ची० गज, श्रीतगर कालानी, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत धिलेख न० 239 3/85, रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जगन मोहन **सक्ष**म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 5--5 -1986

प्ररूप बाह्र . टी. एन्. इत. ----

भाषामध्य विधिषयतः, 19£1 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) की वर्षीय संख्याः

भारत सरकार

कार्यक्रय, अञ्चयक भार[ा]पर धार्यक्ष (निरक्षिय)

श्रजंन रेंज नई दिल्ली नई दिल्ली दिनौंक 14 मई 1986

शायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या पलेट नं० 3, 4, भिकाजी कामा पलेय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित हैं), श्रायकर कार्यालय, श्रार्जन रेंज 3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन दिनाँक सितम्बर 1985

का पर्वोकः। सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गर्टी हैं बार मुफ बहु विश्वास का कारण है कि बंबापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाबार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंचा प्रतिकत्त से बच्कि है और अन्तरक (बन्तरकों) और अस्तरिती (अंतरितिबर्ग) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बह्दविक को दे कवित नहीं किया नमा है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त बिधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के ब्रुडिक्ट में कमी कंपने या उन्ने बचये में स्टिक्ट के पिए; नौर्याम
- (ग) होती कियी जाय या किसी धन या वन्न वास्तिकों को, जिन्हीं भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, न्या अध्वक्त अधिनियम, न्या अध्वक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जन्तरियों ह्वास प्रकट नहीं किया बना ना या किया जाना पाँद्य था, किया विश्व के वि

बहु: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं पर्स वरीस्था उद्योग लिमिटेड, 13-14, खंड, ग्रात्मा राम हाउथ, 1, टालस्ट्राय मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मेनर्स मीरा स्याल श्रौर श्रर्जन स्याल बी 3/68, प्रथम खंड, सफदरजंग एन्कलेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कत्यंबाद्धमा करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंत्रंप में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस त्वना के राषपत्र में एकाधन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्वाम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील एं 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सभ्यत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याद 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया भवा है।

अनुसूची

दूसरा खंड क्लैट नं० 3, 4 मिनाजो हामा क्लेस नई दिल्ली। 856 वर्ग फीट।

> सुनोल चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरक्षण) घ्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 14--5- 1986

प्रस्प आई, टी. एवं. एस.

अप्रक्र लिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 263-व (1) के बधीन सुपना

श्राहरण सरकार

क्कारताल लक्षात्रक कायाल**र आयमत (भिरोक्स)**

ग्राजेंन रेंज-3. नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 14 मई 1986

निवेश मं० ब्राई० ए० सो०/एक्यू०/3/37 ईई/9-85/ 1076--श्रतः स्झे, म्नोल चौपड़ा,

ग्रीर ि की संख्या है तथा जो ए-4, गुल मोहर पार्च, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रमुभूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीयकर के कार्यालय, प्राचीन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 के श्रीम दिनौंक मितम्बर 85

बारें पर्वोचन सम्बन्धि के अचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिन्हीकर्ता जिलें के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोचन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योग में उस्त उन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से कथित नहीं

- (क) अन्तरण मं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एोशी किसी आय का किसी धन या जन्म आस्तियों रहें. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उभारताय अन्यिरियों इक्षारों प्रकार नहीं किया गया भा किया किया के या किया के विकार

अवा अवा उक्त आधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण को, हो, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा ११% को अधिक विकास विकास की अधिक किन्द्र विकास की अधिक की अध

- (1) श्रीमती नारो देवी वाजवानी पत्नो ए० एस० वाजवानी, जे-17, जंगपुरा एक हिंगन नई विल्ली क्रारा जनरण एटोरनी श्री दलजीत सिंह शाहपुरी निवासी-की-45, ग्रेटर कैलाश, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो राज नचदेव सुपुत्र स्वर्गीय डा॰ श्रार० एल॰ ाचदेवा भी-121, डिकेन्य कालानो, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृष्यावन सम्पन्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्परित के अञ्चन क नम्बन्ध में कोई भी आसेप :---

- (क) इस स्वना के अपया में प्रकाशन की तारीब कै 45 जिन की जवीच या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में नजाप्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकायन की तारीब से 45 दिन के जीतर एवल स्थावर सम्पत्ति में हितमप्र किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित की किस् अ गर्दों ।

स्पष्टीकरणः—इसमी प्रस्कृत शब्दी और पदों का, जो अक्त अधिनियम, की नियाप 20 के में परिभाषित ही, बही अर्थ होंगा का उस्स संस्थाय में विका पकार

अनुसूची

सामने का हिस्सा धरातल खंड प्रोपर्टी नं० ए-4, गुल मोहर पार्क, नई दिल्ला।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई फिल्ली

तारीख: 14-5-1986

प्रतास कराने ही . स्तर . स्त्राह , १९०० - जार न्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-भ (1) की अभीन स्थास

बाह्य ब्राइकान

कार्याययः, नहायक जायकर वाय्क्त (जिस्काक)

श्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1986

निदेश सं० श्राई ०ए ०सी ०/एस्यू ०/3/37 ईई/9-85/1081----श्रतः मुझै, मुनील चौपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दवके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की जारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकारण हरने का व्यापन हैं कि स्थावत सम्पत्ति, जिल्हार अधिक अधिक अधिक प्राधिक हैं।

भौर जिसकी सं० हैं तथा जो फ्लैंट नं० 412, नं० 6, भीकाजी कामा फ्लेंस, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुमूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रायकर के कार्यालय, श्रजन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनाँक सितम्बर 1985

को प्रोंक्स संपत्ति को जीवत नामक प्रथम में स्थान के क्ष्यमान प्राचिक्त के निष् मन्तिरित की पद्मी ही और मूले यद्वा निक्तास करने का नगरण ही कि बणापूर्वोक्त सम्पत्ति का क्षित नामार ब्रम्म उसके कावणान प्रीतिक्त्य को, एोचे कावमान प्रीतिक्ता का प्रमुद्ध प्रतिकास के निश्च ही और संस्थन (क्ष्मित्रकारणों) आदि कम्मरिती (बन्तिरित्रमों) के नीच एोचे अन्तन्त के निष्ण दम प्रमुद्ध के प्रतिकास प्रिकृतिरिक्त क्ष्मित्रक से सम्बद्ध संस्थन किवार के प्रतिकास प्रिकृतिरिक्त क्ष्मित्रक से सम्बद्ध संस्थन

- (क) वन्तरण से धुन्दे किसी साथ को मानश्च, सबक विविधित के सभीत कर येथे के स्वतरक औ रावित्य के कर्मी करने वा उपने बचने के स्विधा में सिए: क्षीर/वा
- (ख) एसी किसी बाग का किसी का का कार आहिएकी की, जिसी भारतीय वारकार जीवीयकार, १९३२ (1922 का 1१) सा जनस सीवित्यका, का अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशनार्थ जनसीरती देवारा प्रकट नकी किस प्रकार का का लिएक जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, जैं, उक्त क्यिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नविधित व्यक्तियों, जथीत :---

(1) हिन्दुस्तान जनरल एक्सपोर्ट हाउस, ए-45, नारायना इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) कम्प्यूटर मिस्टम एंड मनेजमेंट कसर्ल्टेटस् प्रा० लिमि० 102, 80, बहायुरशाह जफर मार्ग, नर्ष्ट दिल्ली 2।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वजा जारी करके पृथीकत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुँ।

प्रकार सुरुवीए है गाउँच की फरका में कोई नी बार्बाव :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते १६ किए आ अनिध या तत्तंत्री व्यक्तियाँ पर कृषका की भागीय से 30 दिन की क्योप, को बी क्रमि क्ष को समान्य होती हो, तो भीतर पूर्वों कर परिशालों को ले किसी क्यों कर क्यारा;
- (को दस सम्बंध के जालका में प्रकादन की सारीय वे 45 दिन के भीटर राजन क्यावर क्यांत में दिन-अवृध भिन्नी नम्म स्वित्त ब्यादा, वक्क स्तावरी वे वृक्ष विश्वित में खिए या स्वीत्ते।

ख्यांश्राह्म क्यां प्रवृक्त क्यां और वर्ष अ, को क्या अधिनियम के अध्याम 20-क में वरिभावित हैं. बाही क्यां होना को उन्ह कथाब में विका गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 412, नं० 6, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 14-5-1986

मोहरू 🖫

त्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज 3 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 13 मई 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य्,०/3/37 ईई/10-85/ 1086-- अतः मुझे, सुनील चोपड़ः,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्क अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह िंगश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो सी 5/37, सफदरजंग, डेवेल्पमेंट एरिया, नई दिल्ली स्थित में हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बिल्ला हैं), कार्यालय, श्रजन रेंज 3, नई दिल्ली में भारतीय आय्कर, अधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख श्रवट्वर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

अतः जय, उक्स जिथिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के जभीन, निम्नतिस्ति अविकासों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० पृथीनाल तिह द्वारा प्रताप धाइस फैक्टरी, ग्रर्जन नगर, एंड ज्वाइनिंग सफदरजंग एकलेव, नई दिल्लो 29।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार बोहरा 2 श्रीमित पम्मी बोहरा 3 तस्न बोहरा और पंकज बोहरा 1; निवासो के 113, होजखात, नई दिल्लो 16। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि यातस्तरजन्भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की स्मरीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में दितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्षारा अभोहस्तावारी के पास लिशियर में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

शिगल स्टोरी अवात नं० सी 5/37, सफदरजंग डेवेल्पमेंट एरिया, नई विल्नी 1 क्षेत्रफल 2,900 वर्ग फीट।

> मुनोल चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी पहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13-5-1986

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1967 (196) अब अही की 269-भा(1) के अभीत राष्ट्रका

भारत यहकान

श्रामांत्रम, सहायक भागकार पात्रमध (निर्देशिक)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1986

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० ग्रार०→3/ 9-85/1201~-अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ्सके परचात् 'उक्त अधिनयक' करा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकाएं को यह विद्यास करने कर **कारण है कि रूथावर** सम्पति, खिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० 2228 ग्रीर 2229/16, प्लाट नं०577, क्लाक के० है तथा जो हरध्यान हिंह रोड, में स्थित है (भीर इससे जपाबद्ध श्रनुपुची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यापय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँव ितम्बर 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्यां संकम के पत्रयमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई हैं अरि भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ट सम्पत्ति का उन्तित बाजार मुस्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से. एसि द्वयमान प्रतिफल का **पन्त्रष्ट्र प्रतिफल से अधिक ह**ै और अन्तरक (अन्तरकारें) **आर पंतरिती (अन्तरितिया") के बो**क स्ंब अन्तरण के लिए तम पाया **गया प्रतिफल,** निम्नलिखित उद्यवंध्य से उक्त अन्तरण लिखित र्**पे वास्त्रिक रू**प से कथित नहीं किया गया **है** :---

- (क) अन्तरण सं**हुए** किसो तथ को बाबस, **उ**न्स् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ध्रेसी किसी आय यर फिसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को १८६०) ६०० तैयानकर, अस्ति। कर् किथिनियस, १८३३ (१७७० का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती तुन्ताः १७७७ तही विश्ववा भया भांग किया जाना काहिए था, क्रियाने में सुविधा के किए;

बतः नव, उक्त मधिनियम कर्मभाग ३००-५ कः **अनुसरज** में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की द्वपधारा (1) **को अभीन**, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :----

(1) रूप नारायन णिव नारायन, एयाम नारायन स्पूत जय नारायन, निवासी 2229/16, हरध्यान सिंह रोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरह)

(2) जे० के० एस० प्रापर्टीण प्रा० लिमिटेड 2229/ 16 हरध्यान सिंह रोड, करोल वाग, नई दिल्ती द्वारा डायरेक्टर श्री भ्रो० पी० कोहलो। (भ्रन्नरिती)

का यह समना पारी करके प्रविद्ध सम्पत्ति के अर्थन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अजन को संबंध में काई भी आईए --

- (क) **इ**स सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिस की अवधि या संस्थायनंत्री त्यायताम ६० स्वनाको प्रामील से 30 किए की गर्गध यो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूबारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर प्रभाति भे दिल-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति इकारा बधोरणाधारी क पास लिभित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो जनर अ**धिनियम, को अध्याय 2**0-का पाँच स्टब्स्स र **ह**ैं, **वहीं वर्थ होगा को उ**स बकाय हो जिल्ला करा

प्रोपर्टी नं० 2228 भ्रौर 2229/16, नादादी 183 वर्ग गुज। प्लाट नं० 577, ब्लाक कें। हरध्यान मिह रोड, नाई वाला, करोल बाग, नई दिल्ली।

> भूनील चांपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयत्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाँक: 12-5-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अध्यक्षर क्षिणियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 28 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-3/9-85/1200--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचाप 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जित्तकी संख्या प्लाट नं० 32-बी है तथा जो ढाई स्टोरी हाउस, श्रोल्ड राजिन्दर नगर, पूसा रोड़ में स्थित है (श्रोर इन्से उगाबद्ध श्रनुसूचो में पूर्ण रूप से विज्त है), रिक्ट्रोक्त्री श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोक्तरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 1985

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की नई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हूं कि यथापूबोकत सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्ति में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई मिली जाय की बाजत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के जिए? बीर/या
- ्र. वृंशी किसा भाग या किसी धन या क्ष्य वारिस्त्यां कर, जिन्हों भारतीय नायकर भविनियम, 1922 (1922 कर 11) या उनत निधिन्यम, एर धनकर जिथिनियम, एर धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अस्थिरिती वृंधार्य प्रकट नहीं किया गया था था बिका जाता शाकिए था, कियाने में संविधा के निष्ट;

अतः अब, उक्त अधिजियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

- (2) श्रामती (१४ १०) एता स्वर्गीय राम लाल निकास के के १०० एक एक, दिल्ली; कुरम लाल पुरुष १६४ १०० १०० दुवस रानी पत्नी कुश्त लाल कारास १०० १०० हुवस राजन, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करहा । कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के अजन कार्यका निर्देशी आक्षेप :—

(क) इस सूचना की राजका का कार्यक्ति की तारीस से

45 दिन का कि कार्यका का का अविकास प्र
सूचना की राजका का कार्यका का भी
अविध की बाद पान का कि कि कि मीतर पूर्विका
व्यक्तिमा मार्थ का स्थापन

(ख) इस मूजना के ला १००० । अन्य की तारीख से 45 दिन के शीता है तह . जे लपित में हितबक्ध किही अन्य १००० । जा लाक्षरी के पास विविध्त में सम्बद्

स्पष्टीकरणः इसमी प्रयुक्त वर्षा । १८६६ हा, जाँ उक्क अधिनिद्यम् । १ तो परिभाषित ही, वहीं और १७ ते अध्यास में दिशः भया है।

अन्<u>भू</u>ची

ढाई स्टोरी हाउस प्लाड क्रंक 52 वॉ, ब्रोल्**ड राजिन्दर** नगर, पूसा रोड़, नई विलाहिन्छक्त हो हाउस ।

> मुनील **सोपड़ा** यक्षम प्राधिकारी यहाव व अस्ति व व्यायुक्त (निरीक्षण) क्षर्यक्ष संग्रीत-3, दिल्ली, **नई दिल्ली**

तारीख : 28-4-1986

प्रकार भाषा हो। स्था १४३० ।

बावकर विधिवियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के अभीम स्वक्ष

भारत परकार

कार्याचन , सहामक सामग्रहर कावका (१० दासका) म्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली; दिनाँक 12 मई 1986

निदेश सं० आई० ए० साँ०/एक्यू०/3/एन०श्रार० 3/ 10-85/1240--श्रतः मुझे, मुनील चौपड़ा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **एकके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ह')**, की धारा **बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वा**स करों का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000 / - रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या बी-93 है तथा जो मालविया नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इत्से उपायक प्रतुसूत) में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोबर्ची प्रविकास के कार्यालय, नई दिल्ली में भारताम र्राजिस्ट्राजरम अधिनियम,

1908(1908 का 16) के प्रधोन दिनांत जनतुबर 85 **को पुनाँकत सम्परित के उचित वाधार भूरन में** काम अहे एरनपान विकिस के सिए अन्तरित की गई है और अके है दिखार **ब्रह्म का कारण है कि यथाप्**योंबल लग्छीहर के अंगिया कार्यर **मृस्य , उसके कार्यमान प्रतिकल में ,** अंग १४०७८६ जिल्हाल का रम्बद् प्रोतकत् से प्रथिक है और जंतरक (अंसरकाँ) और अंतरिक्ष (बन्तिप्रतिमों) के बीज एसं अन्तरल के जिल्ला लगा अना सदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निर्नाखता भी बाबदाबिक एम में किभित नहीं निस्ता

- कि बन्दरम् से हर्ष कियाँ बाद को वस्तर अवस विविविवयं के अधील कर २००% ००% ००% छ कावित्व के कबी करने का समग्र प्रकार मां स्रोजका में फ़िल्ह महिए/मा
- (७) देवी किसी बाद वा किसी पर का प्रार शाकिलकी को जिन्ही भारतीय बायकार अधिविद्या , (1922 কা 11) মা গৰ্গ লাভাস্মা, এ भव-कर विधिवयम्, १९५७ (१५७) का 27। **चै प्रकोषनार्थं सम्बरिती क्ष्यतः प्रकार शहरे िस्या बबा था वा किया कानर च्याहिश् भ**ड़े, अर्थन ज वृत्रिक्ष के जिल्हें

बक्तः वयः, वयसः वीधनियम को भारत 289-म के क्षत्रुक्तरम वी, वी, जनत निधनियम की भारा 269-व की क्यथारा (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

্পাগ :<u>(!</u>—**অধ্ব**া (1) स्रानंद प्रकाश एल 77/बी, मालविया नगर, नई दिल्ली।

(प्रतारक)

(2) राम लाल शर्मा, जी 93, मालविया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

करों **यह सुचना बार्ट्र कारको प्**त्रीकरा कथ्यांच्या का उपन का कार कार्यवानिया करता हुं।

सम्बद्ध सम्प्रतीय की व्यक्षित को समक्ष को काला की साक्षाय ----

- (फ) वक भूववा के शावश्य में प्रायायन को सामित है। 45 दिन की अवधिक का राएसक्वरकी कानिकार्ज पर बायना की तालील से ३० दिए को लड़ेक जो भी अविश्व पाद पर्ने राजन्य होती हो, के बीलर प्**यॉक्स** ां स्थान का से भागकी कावित व्यवस्था;
- ্ড) এই ভূলত ভূমিনতে যে প্ৰক্ষাত হয় প্ৰা**তীয় বা** 45 बिन के भीलर बब्ध स्थावह समाधि में क्रिय-ब्रह्मक रोज्याकी करम्य वर्षायका समाप्ता । अध्यक्ष राज्यकारी 🐞 नास निष्ठित हो बिहाए ला सक्ता है।

श्रमक पेटाप्रकार --- इ.स.चे. चाहुक सा अवहाँ कोर गर्या **वस, या उनस** अधिक्रियम, के अध्यक्त 20-क में परिवाणिर खड़ी अर्थ क्रांका को लस सक्याप में विका 41. A 1

नगुज्ञा

बी 93, माल'विया नगर, नई दिल्ली, 290 वर्ग गज।

मुनील चोपड़ा नक्षम प्रोधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रर्झन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1986

पुरुष आहें.टी. एवं. एसं.

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-व (1) के अभीन सूचना

SYCH WEEDS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 5 मई 1986

्र निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस आर 3/ 10 85/1248~~अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर निभित्तिलम, 1961 (1961 तम 43) (जिसे इसमें इसके प्रभाव (उक्त निभित्तयम) कहा गवा ही, की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थाय स्थापिक किस्सा उन्तिक स्थाप स्थाप स्थाप किस्सा उन्तिक स्थाप स्

श्रीर ियकी संख्या है तथा जो सी-18, वेंस्टेंड कालोनी, नई दिल्ली नें स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 1908(1908 का 16) के श्रश्रीन तारीख श्रक्टूबर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीसफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, इसके इसमम्ब प्रिक्त से , एसे इसमान प्रतिक्रस का विद्या प्रतिक्रस के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रस निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में वास्त्रिक क्य से कथित नम्नी किया गया है :—

- (क) अन्यक्ष में हुई किसी बाव की समग्र, अन्य अधिनिया में क्सीय कर दोने के संस्था के एतिएय की अभी करूने मा उत्तरों कमने में सुनिया। (वे किस) खोर/हा
- (स) एएं जिल्लो काम या वैद्यासी भन का करन एर्डिंग्सरं गा. प्यत्न् सामसीय गामका कियितिकार. 1920 (1920 का 11) या उच्च विधिनियम, मा अनकार विजियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिती द्वारा बकट महीं किया यदा था या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए:

बदः जब, उक्त विधितियम की भारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त विधितियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के कथीन, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, वर्षाक् थ्र— (1) श्रा खें० ग० एन० सेन गुप्ता सुपुत्र स्वर्गीय श्रो जे०सी० सेनगुप्ता निवासो सी-18 वेस्टंड कालोनो नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) भी एन पी स्रोसवाल मुपुत्र स्नार०सी० स्रोसवाज, निवाकी 205, सूर्या किरण बिल्डिंग, के०जो० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुजरा अहरी करके पृथाँका सम्पत्ति के वर्षा के किय कार्यसहित्स अहरा को ह

सुरक्त रोगोंद्र े पर्वति के सम्बन्ध में कोई भी सामीद:---

- (क) अस्य मुख्या की राजपत्र मों प्रकाशन की सारीब से ठा भिराकी अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो जी अद्धि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स द्वाराज्यों भी विस्ती व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्य किसी कर्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास कि जिल्ला के किए आ सकेंग।

स्यक्टोकरणः — इसमें प्रमुक्त कन्यों और पर्यों का, जो सबस अधिनथम के सभ्याय 20-क में परिजाणिक ह्', तहीं अर्थ कोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नप्स्ची

सी-18, वेस्टेंड कालोनी, नई दिल्ली। **तादावी** 500 वर्ग गज।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नईदिल्ली

तारीखा: 5-5-1986

ारणा करा **ही. यस. यह**्रवरूत

मामकार अधिकारण है। १८११ (१९६४) का 43) की सम्बंध १९६८ र वर्ष विकास स्थान

1. E 8.74 A.S.

कार्यालय, सहाविक १० किर आय्**क्त (निरीक्षण)** श्राविक भेदा । ३ नई दिल्ली

नई दिल्ली िलंहा 2 मई 1986

निवेश सं० आई ए० जिल्लिक्ष्य ०/३/एस आर-३/10-85/ 1256—अत: पुर्ण कृषे ग चोगड़ा शाककर किथितिः जिल्ले १८३० (किसे इसमें इसके पश्चात कि जिल्ले किथार 269-स के संधीत जनगण निवास करने का

कारण है जिल्लाहर पुरुष 1,00,000/- क. से लिलाह प्री

और, जिसकी संख्या ी-92 है तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली 1 स्थित है (क्यार इसमे उपाबंद भनुसूची में पूर्ण रूप के वर्षि हैं) रिजस्ट्रीकर्मा श्रधिकारी कार्यालय नई जिल्ली हैं जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के जर्बक जर्मिल श्रक्तूबर 1985

को वर्णीक समाधि । जिल्ला को जिल्ला पे काम के दश्यमान शितफल के लिए हो जिल्ला के जिल्ला के लिए हो जिल्ला के लिए हो जिल्ला के लिए हो जिल्ला के लिए से अपना के लिए ता जार मृत्य, उनकी दश्यमान परिशाल हो जिल्ला के लिए ता जार मृत्य, (अनतितित्यों) को शिक्ष को जार के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकिय जारिय हो उनका अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं विकार का हरे :---

- (क) अन्तरण हे हार्ड किसी बाय की बाबत, उक्त क्षेत्रक के शास्त्रक के किस के स्वाप्त के स्वीप्त क्षित्रक के स्वीप्त के स्वी
- शिक्षी राजिती । १००० विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विष्य विषय विष्य विष

बार क्रम, सकत क्रिकिशा की शास 269-म **से मन्तरण** भी, मी, उक्षण की कार्यात कार्यात 169-स की उपभाज (1) के सभीक, किर्मिक्तिकत करिकार्य क्रांति क्रिक्त

- (1) श्री कुलबोर कोर पत्नी एस० परपजीत सिंह निवासी-3 तीन मूर्ति लेन नई दिल्ली द्वारी एटोरनी किरपाल सिंह सुपुत्र एज० रनजोत सिंह एछ-7 ग्रीन पार्क नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) साउथ दिल्ली बिल्डिरस प्रा० लिमि० यू-17 ग्रीन पार्क एक्सटेंशन नई दिल्ली द्वारा डागरेक्टर श्री ग्रादित्य पंडित।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके प्रतिक्त सम्पत्ति हैं। अर्डन है विक कार्यवाहियां करता हो।

अक्त सम्पर्शि के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्ष्में। 🕞

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मकान्धी व्यक्तियों था सचना की तामील में 20 दिन की अवधि , को औ जविश्व मों समाप्त होती हो , यो भेन्या प्रयोग व जविकारों में से किसी स्वक्ति (2002)
- (ब) इस भ्वना के राजपत्र में प्रकारण की तारील से 45 दिन के शीसत जलत स्थातर शक्ती के एक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल जिसित में किस का महिले

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयक्त कान्यों और पढ़ों का, जो लक्त किपिनयम के अध्यात १०-कार्यों पर्यक्तायाः ही, वहीं सर्थ होगाः को एक ल्लापण के विश्व गया है।

अभूसूची

प्लाट नं० के-62 तादादी 315 वर्ग गज 1 ग्रीन पार्क नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 2-5-1986

श्रह्म आईं.टी.एन.एस.-----

चायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के अधीन क्चमा

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर बाव्क्स (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 मई 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस म्रार-3/10-85/1245—म्रत: मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उबस अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख की अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 8 हैं तथा जो ब्लाफ डी डिप्लोमेंटिक एंक्लेंच एक्सटेशन, को० ओ० हाउस बिल्डिंग, बेस्टेंड कालोनी दिल्ली में पूर्ण रूप में विणित हैं,) रिजिस्ट्री जिता अधिकारों के जार्यालय, नई दिल्ली, भारतीय रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख नई दिल्ली 1986

स्त्रं प्रेंग्स्स संपरित के उत्तित नाथार स्मा से क्षम के क्षमान प्रतिप्रस के निए बन्तरित की गर्र है और स्के वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्स सम्मित् का अधित दासार श्रम्यं, उसके क्षमान प्रतिप्रस सं, एसे क्षमान प्रतिप्रस का पंक्र प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे बन्तरण के सिए तथ पावा गया प्रति-क्ष निम्निवित उद्योग्ध से उस्त अन्तरण किसित में वास्त-

- (क) भन्यरण सं हुई कि वी भाग की शायत, उपक निमितियम के अधीन कर यो के अन्तरक औं वाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सुक्रिया भी जिए; श्रोह्र/वा
- (स) ऐसी किसी बाब या किसी धन या लन्य बारिसवाँ कां, जिन्हों भारतीय कायकर विधिन्यम मां, 1922 (1922 का 11) या पाल अधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरियो व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था कियान में सुविधा के किए;

(1) यणवंत कुमार सेठी सुपुत्र राम चन्द्रा सेठी निवासी एफ-90 कीर्ति नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुदर्शन कुमार कोहली सुपुत्र दीवान धंद कोहली 2 कुम कुम कोहली पत्नी सुदर्शन कुमार कोहली 14 पालम मार्ग वंसत विहार नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिक की वनीथ ना तत्वंतंत्री व्यक्तियाँ वर क्वा की शानील से 30 दिन की नवित, वो त्री अक्ट्रिय नाव में समाप्त होटी हो, के भीतर प्रवेशक व्यक्तियों में से दिन्दी प्रवित्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उपत स्थापर सम्पत्ति में दितवस्य किती जन्म व्यक्तिय द्वार व्यक्तिस्तालरी के पास सिवित में किए का सर्वोंने।

स्यक्टोकरणः इसमें प्रमुक्त शुक्त भीर पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया हैं।

नगृत्यु

प्रोपर्टी बियरिंग ग्रवासीय प्लाट नं० 8 ब्लाक डी डिज्लोमेटिक एंकलेंच एक्सटेंशन हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमि० डी-8 बेस्ट एंड कालोनी नई दिल्ली तादादी 500 वर्ग गज।

> मुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 12-5-1986

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक जायकर आयुक्त (मिरीक्षण)

धर्जन रेंज 3 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक, 12 मई 1986 निर्देश सं• धाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एक्स धार-3/18-

85/1246— अतः मुझे मुनील चोपड़ा बायकर विधिनयम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजर मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो ढ़ाई स्टोरी बिल्डिंग प्लाट नं शी-70 मस्जिद मोट ग्रावासीय स्कीम पंचणील एन्कलेंब नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे जपाबद्ध से अनुसूची में पूर्ण रूप से बिल्ली हैं)रजिस्ट्रीकर्सी ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख शक्तुवर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार जुल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वो बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिंधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उझत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्क अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एस० के भट्टाचार्य चीफ एक्सट्रीय मैनेजमेंट ट्रक्चर एंड रिनस्ट मैस्ट (प्रा) लिल् णित साँग एस्डेट डा० श्रर्नः बसेट रोड, बम्बई 18

(भ्रन्तरक)

(2) जय सिंह मेहता ए-248 डिफ़ेंस कालोनी नई दिल्ली।

(ग्रन्तिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्तिर द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवासीय हाउम ढाई स्टोरी बिल्डिंग प्लाट नं० सी-70 मस्जिद मोठ रेसिडेंशियल स्कीम पंचणील एंकलेच नई दिल्ली।

> मुनील चौपड़ा सजम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-5-1986

मोहरः

बासकर अधिनिस्त्र, 1961 (1961 का 43) की খলে 269-খ (1) के अधीन ন্ত্ৰম

भारत तहकाड

कार्यासय, तहाबक सायकार बायुक्त (निद्रोक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस श्रार-3/
1272/11-85—श्रतः मुझे सुनील चोपड़ा
आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसक ःचाल उद्धत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या है तथा जो प्रापर्टी नं० 3 ब्लाक एम, ग्रीन पार्क एसटेंन नई दिल्ली में स्थित (और इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिप्रिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिप्रिकियम 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अदिक्षम के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह् प्रतिखत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तर्गरती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुई किसी थाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के वायित्व में कमी करने या इसते बचने में सुविधा से सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के हिंसए।

वतः अग, उक्त विधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण ाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वभीन, निम्नसिक्कि व्यक्तियों, स्वर्धात् ■— (1) श्रीमती शीला देवी पत्नी स्वर्गीय हरीश चंद गुप्ता 2. मिर पुष्पा गुप्ता सुपुत्री हरीश चंद गुप्ता 3. रमेश गुप्ता 4. कैलाश गुप्ता 5. विनोद गुप्ता सुपुत्र हरीश गुप्ता एम-3 ग्रीन पार्क (एक्स्टेशन) नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) तरसेम चंद मित्तल सुपुत्र कुंदन लाल मित्तल (2) रेणू मित्तल पत्नी तरसेम चन्द मित्तल निवासी एम-10 ग्रीन पार्क ए सटेंशन नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तम्मीतः के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीक ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्यं किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार निकात में किए जा सकोंगी।

स्वव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उच्छ अभिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाविक ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोधी बिल्डिंग भूमि तादादी 340 वर्ग गत । त्रियरिंग प्लाटनं० 3 ब्लाक एम, ग्रीन पार्क एक्सटेंगन नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13-5-1986

सोहर:

प्रकृत कार्ष . की . पून् . एक

नावकर नीमीनवन 1961 (1961 का 43) की पारा 269-न (1) के नभीन स्वता

नाइत सहस्राह

कार्यासय, बहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

भ्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 भ्रप्रैल 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस भ्रार-2/11-85/2720—ग्रत मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्थें इसके प्रशाद 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), की पाड़ा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वस करने का कार्ज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उन्तित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या सी-79, है तथा जो इन्दर पुरी, नई विल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर 85 को वर्षोक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मन्य से कम के स्थवमा

1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के ध्रवमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि श्रधापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मुख्य खतक दिवसान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत तो, अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त , निक्कि विश्व उप्रवेश्य से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त , निक्कि विश्व उप्रवेश्य से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त , निक्कि विश्व उप्रवेश्य से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त , निक्कि विश्व उप्रवेश्य से अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिकत्त , निक्कि विश्व उप्रवेश्य से अंतरण है किया प्रवाहित के विश्व के प्रवेश कर से अंतरण है किया प्रवाहित कर विश्व कर से अंतरण से अंतरण से विश्व कर से अंतरण से विश्व कर से अंतरण स

- हैंक) बन्तरक वे हुए कियों नाम की नावरान जनस महिपायन की भपीत कर बने की भन्तरक हैं समित्य में कभी करने ना समसे बचने में सुनिया के लिए; श्रांपार स
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जगदीश नारायन दत्त सुपुत्र श्री हरनाम दास दत्त, निवासी सी-79, इन्दर पुरी, नई दिल्ली, (ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स मैन्या श्रीर एलाइड प्रोडक्ट (प्रा०) लि० 1/10, ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली, द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नन्द लाल नन्दा, (ग्रन्सरिती)

को सष्ट सूचना कारी करके पूर्वोक्तः संपरित को वर्षम की तियः कार्यसाहिया कारता हुई।

उक्क संपरित के वर्णन में संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी स्वनितयों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध साद में समाप्त होती हो, क शीतर पूर्वोक्स स्वनितयों में से किसी स्वनित ब्वासर;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारींच हैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकारण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूषा है:

अनुसूची

प्रौ० नं० मी-79, तादादी-500 वर्ग गज, स्थित इन्दरपुरी, नई दिल्ली, खसरा नं० 1651, क्षेत्र ग्राम नारायणा, दिल्ली, । सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन कि निकास की धारा 269 के कि उपधारा (1)

तारीख: 30~4-1986

मोहर 🖫

शक्य नाइ^क, दी, एवं, पुत्र कुल्लान

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बचीन स्वना

भारत संदुक्तार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस श्रार-2/11-85/2730--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

शायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी संख्या है तथा जो व्लाट नं० 11, रोड नं० 49, पंजाबी बाग, मादीपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1985

अर्थ पूर्णिका सम्पत्ति के जियत बाजार मृत्य है कम के क्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह निवसास करने का कारण हूं कि यथा पृथांक्त सपित का जीवत बाजार मृत्य, अने दे द्वारमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत से अधिक है कीर बंतरिक (अंतरिक्त) की कार्यमान प्रतिकत के पन्तर प्रतिकत से अधिक है कीर बंतरिक (अंतरिक्त) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिकत, निम्नितिक एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिकत, निम्नितिक एक्टोब से उन्तर अन्तरण मिषित में बास्त्रविक रूप से क्यिक वहीं किया गया है —

- (क) वन्तर्य से हार्व किया जान की बज्रात्, क्या बार्विनयम के बचीन कर धने से बन्तर्यक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिक; बॉर/या
- (व) एसी किसी साथ वा किसी धन वा लग्न जास्तिवाँ का, विन्हें भारतीय साय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीवियमन, वा धनका स्विधित्यम, 1957 (1957 का 27) वो अवोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा धा सा किसा बाना चाहिए था, कियाने वें स्विधा के किय;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, ीनम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) तिलोचन मिह राय मुपुत्र तारा सिंह, निवासी-34, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) सुदेश बता परनी मन मोहन बत्रा निवासी-8/52, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिए स्वर्धपाहिया करता हूं।

सक्त संपत्ति को कर्णन की संबंध मी कोई भी बाक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राचपंत्र में प्रकाशन की दार्यंत्र के 45 चिन की अविधि या तत्तंत्रंची श्रीक्तकों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो बी अविधि यादि में समाप्त होती हो, के बीसर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विश को भीतर उक्त स्थावर मंपित में हितबहुध फिसी मन्त्र क्रिनित इंदारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगी।

स्थलकीकारण:----इतमे प्रयुक्त शब्दों जोर पर्दों का, को उक्त अभिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में विका गता है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11, रोड नं० 49, तादादी 555.55 वर्ग गज, पंजाबी बाग. नई दिल्ली क्षेत्र, गाँव-मादीपुर, दिल्ली, राज्य, दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 5-5-1986

मांहर :

Company of the Compan

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के अभीत्र शुक्का

THE BEAR

कार्यालय, सहायक जागकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिन ः 30 अप्रैं 1986

निर्देश सं० आई० ए० नी०/एक्यू०/1/37ईई/9-85/2071 ---अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

भावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एक परनाए जिस् अधिने परना कहा नया है), की बारा 268-व के क्यीन क्यान अधिकारी की यह विश्वास करने का करने हैं कि स्वामा क्योंत, विश्वास जीविक सामार यूक्य 1,00,000/- रहन से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैट नं० जी एफ-10, धरातल खंड, 7, टालस्टाय में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसुची में पूर्ण रूप में विजित है), रिल्स्ट्री ति प्रधिनारी के बायलिय, अर्जन रेंज-7 नई किरली में भारतीय किस्ट्री-जरण श्रिष्ठित्यम. 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख सितम्बर 1985

को प्रश्नित सपरित के संभित अपार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के विषय अन्तरित को गई है और भूको यह विश्वास करने का कारण है कि यंगायदा ना लोगे ना का का का ना ना ना मिल यंगायदा ना लोगे ना का का का ना ना ना ना मिल के पंचह प्रतिश्वात से विश्वास है और जंतरक (जंतरको) और अंतरिती (जंतरिती) के कीच एसे जंतरण के निए सम पामा भवा मिलिक के निस्ति के नास्तिक रूप से कथित नहीं किया प्राप्त का से :---

- (क) क्यारण वं क्ष्रूइं किसी बाय की धानतः, अवतः विश्ववव के वशीव कर दोने के बन्तरक के वाधित्व में क्षमी करने वा उत्तते वचने में तुनिधा के सिम्प; बार/या
- (थ) एसी किसी अत्य या किसा भन या अन्य आस्तिकों का बिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयापकार अन्तिरती ध्वारा प्रकट कहीं किया गया या या किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

बर्धः बंबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण को अनुसरण जें, जें, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारः (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ग्ररोड़ा कंट्रेक्टर एंड बिल्डरस प्रा० लिमिटेड जी एल-6, ग्रंभल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) पर्ल फ्लैंट्म (इंडिया) लिमिटेड, एफ-44, भगत सिंह माथिट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहित्यों भरता हुँ।

उक्त तम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 वित्र की अविषय मा तत्सवधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ध) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब स 45 बिन को भीतर उनत स्वावर सम्बद्धि मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिकित मों किए वा सकने।

स्पद्धीकरण:--इसके प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त करिकीयम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हो, तहीं तिर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गमा है।

अनूस्मी

फ्लैट नं जी ई-10, धरानल खंड, 7, टालसटाय मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 698 वर्ग फीट।

> ग्रार ० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 30-4-1986

प्रारूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269 घ ()) थे अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैत 1986 निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एबय०/1/37 ईई/9-85/ 2079--- ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसक्टेपक्चात् 'उक्त अ**क्षिनियम' कहा गया ह**ै**), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रः. से अधिक हैं

है तथा जी 27, सर्नन रोड़, श्रीर जिसकी संख्या जिसे अब कस्तूरबा गांधी मार्ग में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिप्ट्रीःति अधिकारी के जार्याक्य, मर्जन रेंज-1 नई दिल्ली 1 में भारतीय रिजम्बीकरण श्रिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक सितगबर 1985

का पर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य सं क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का ठारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रीतशत में अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित क्रें बास्त्विक रूप से करिश्त नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय काँ, वानता, स्वत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बापित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; करि/या
- (अ) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-श्र**र अभिनियम**, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती दशरा प्रकट नहीं किया गया शाहा किया जाना पाहिए था, छिप्ता में सीउभा कं निरा

अरण: अब, उतन अधिनियम की धारा १६५-ग के अन्सरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा ा) 🕏 अधीर, विस्तिविति व्यक्तिमों, वर्षात् 🦫 🗝

- (1) रहा उर यूना भाग है जिस्टेड ई-1 और ? एन ची एक ईन्ड, गरा ६ बाउस, भई दिल्ली। (अन्तरक्त)
- (2) इत्तर एपड पो त्योग्यमें प्रा० निविदेश 4830/84 पंचामं .. नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुनवा जारी करके स्वेत्सि माति के अर्जन के सिए दार्यवाहियां शक्ष क्रम्ता हा ।

जनल सम्परित को अर्थन को संबंध में क्लोहाँ भी जाबीय हैं---

(क) इस सूचना के राष्म्रज में प्रकाशन की तारीस अ 45 दिन को लब्धिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुपना की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियां में किसी व्यक्ति इवारा;

अंति के भीतर उक्त रशावर मंपति में हिरजवंश किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास अधिका में किए या राजनी।

स्पद्धां अरणः -- इसमें प्रथ्वश शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधि । अभा से अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं ∶

अनुसूची

27 अर्पन रोड़ जिसे अब पण्युरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 हाडादी 5735 वर्णगण ।

> आर० पी० राजेश मक्षप प्राधिकारी जहार । राज्य अध्वय (निरीक्षणण) क्षर्जन रें। 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 30-4-1986

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 30 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं ० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/9-85/2080--प्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रह. से अधिक है श्रीर जिसकी संवह तथा जो स्पेश नं० 12, 7वौ खंड विजया बिल्डिंग, 17 बाराखम्बा रोड़, में स्थित है (श्रीर इनके उगाबद्ध प्रतृक्षको में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रर्जन रेंज 1, नई में भारतोय रजिस्टोक्तरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख सितम्बर 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के छिचत नाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार अल्ल, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप ते कथित नहीं किया गया 🗗 🖫

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जि़िए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) गुजराल एस्टेट प्रा० लिमि० 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ श्रनुराधा मोई परनी मुनील कुमार मोई द्वारा जनरल बाबर श्राफ श्रटोरनी होल्बर चमन लाल ए 1/4, बंसत बिहार, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्म व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पेष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

स्पेश नं० 12, 7वां खंड विजया विलिडंग, 17 वारा-खम्बा रोड़, नई दिल्लो नादादो 570.06 वर्ग फोट।

> श्वार० पो० राजग सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंगे 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 30-4-1986

प्रत्या लग्भै.टी.एन.एस.-----

हारमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

THE P. CHROSTY

कार्यालय, महाराह एक्एर अस्तुहत (निरीक्षण) श्रिर्जन रेंज 1 नहीं दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 2 मुद्दी 1986

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-85/ 2083—श्रतः मुझे, श्राग्य पी० राजेश,

बावकर लिपियाम, १०६१ (१६६१ का 43) (चित्रं इसकें इसके प्रकार 'लावन अस्ति समा' १०० धमा हैं), की बारा 269-क के अधीन सक्षान स्पिकार, को यह विकास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो ब्लाट नं० 7, ब्लाक नं० 2, 3, श्रीरमंजीव रोह. 4, पृथ्वी राज रोड़, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपायक्व कनुश्रूची से पूर्व क्ष्म से विजित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधक्षारी के वार्यालय, श्रूजंन रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रीधीन दिनौंक सितस्वर 1985

को पूर्वेक्त सम्पर्ति के उित्त काणार मूल्य से क्रम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि अर्ग मिल्ल स्वारित का उपित बागार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे देश्यमान श्रीतफस के गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार बंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नानिश्चित उद्देश्य से उपस अंतरण विश्वित ये गरिकन मिल्लिक क्य से किश्वन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई फिली भाग की भागत , उकत अधिनिधम के अधिक कार दोने की अन्तरक की दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (वा) एसी किसी काल वा रिजली धन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भाषतीय आप-उटार बाधिनियम, 1922 (1922 को ११) या उक्त बाधिनयम, या धन-कर बाधिनायम, 1957 (1957 का 27) बी प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकाट नहीं किया नया या हा किया बाना शिक्षण का, क्यानं में सुविधा भिक्षण की रिजल

माहः ॥ सरः, स्राप्त अधितिष्यम करी पारा 269-म के समृतरम में, में, उक्त अधिनियम करी धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :—— 7—106 GI/86 (1) श्री बिजोबानंदा पटनायक 3, भ्रोरगंजेब रोड़, नई किल्की।

(श्रन्तरक)

(2) डिसेंट प्रोपटोस प्रा० लिमिटेड 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्षां सूफ करसा है।

उक्त सम्बंधिः को अर्थन के संबंध में कार्य भी बाजर ध-

- (क) धस सूकता के राजपण में प्रकाशन की तारीज है 45 किन की संजीध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूजरा की अभीन से 30 किन की व्यक्ति, जो भी संजीध बाद में सभाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किन्सी व्यक्ति कुवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन को भीतर उकत स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति दूनारा अधोइस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए बा सकति।

श्राक्षांकरण:----प्रसमी प्रपृत्त अस्तों आरि पानों का को सम्बा अभिनिश्यम को अध्याय 20-स में परिभाषित ही, बही धर्य होता, यो उस सम्बाय में विका नवा ही।

अनुसुची

प्लाट नं० 7, ब्लाक नं० 2, जाना जाता है 3, ग्रीरंग-जेब रोड़, 4 पृथ्वो राज रोड़, नई इिल्लो 1, क्षेत्रफल 1532 वर्ग गज।

> श्रार० पो० राजेश ाक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंग 1 दिल्लो, नई दिल्लो

तारीख: 2~5~1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 म (1) के अधीन सनना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज 1 नई दिल्ली नई दिल्ली: दिनाँक 30 अप्रैल 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयु०/1/37 ईई/9-85/ 2091--- मतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नावकार मौधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके करवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-य के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका इंग्लित नाजार मुख्य 1,00,000 / - फ. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो एम 119, ग्रेटर कैलाश 2. प्रथम खण्ड, में स्थित हैं (ग्रौर इपने उनाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीयती ग्रधिकारी के कार्यालय, **भर्जन रेंज** 1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधि-नियम, 1908(1908 का 16) के प्राप्तीन दिनाँक सितम्बर 1985

क्रो पूर्वीक्द सम्परित के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यभाव प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और शुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि भवापुर्वो क्य संपंतित अब अधित प्राप्तर बुर्ख, उराके बह्ममान प्रतिफाल से, शुन्ते र तथमान अतिफास का बन्दह प्रतिवाद से विभिक्त हैं और गंतरक (अतरकों) और बंदिस्ति। (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के किए तय पाना गया प्रतिन क्रम निम्नमिक्ति समुद्रोपम से उभए सरक्षण भिरीम्ह में भारतिम्ह **स्प से कशित नद्यों किया गया ह**ै :----

- (क) बंतरण से हुई किसी अहम की वाबस, उक्त किभिनिक्स को अभीत कार संशंक्ष कस्तरक स्वे बाबिरक के कभी कारने मा उसते राजने में सुविधा के सिए: बॉर/श
- (क) एरेवी किसी अवस या टिकासी भाग वर अस्य आस्तियों को जिल्ह[े] भारतीय नायजर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-**कर अभिनियम,** 1957 (1957 का 27) की अवोक्सार्थ जन्तरिती दुधारा प्रकाट नहीं किया गया भा वा किया जाना अर्थाहरू था, फिलाने में सुविधा कॅलिए:

क्कार क्वाs, उक्त विभिनियर उ^{न्द्र} भारत 269-न **के वनसरम** ं में , अवत विभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🐧 बचीन, निज्निकिसिय व्यक्तियमें, अर्थान् 🐃

(1) को सकेर जैन और एन पी अग्रवाल एस 150, ग्रेटर कीलाश 2, ई.482, ग्रेटर क**ैलाग 2, नई**

(ग्रन्तरक)

(2) भी नंतीय नवीं पत्या न्यर्गीय एस पी वर्मी एउ 119, प्रेटर कैसार 2, गई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

करों मह समाना कारी काण्डी पर्धारम खड़परिता को अर्थन को किए कार्यवादिस करता है।

ब बरा सम्बद्धिक के अर्जन भी क्षेत्रंत्र की काहि भी बाहरे छ-

- (स) द्वार सक्ता के शहरात में प्रकाशन की तारीच से 15 दिन की अवीध गा तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर "भगर नहीं गांधील भी 30 दिन की अविधि, जो भी **ान्यि** हाल भा सहस्य तस्या **स**र्हे, के **भीतर प्रांकि**स क्यांतर व मीरिया प्राप्त प्रवास:
- (स) शास भूनत्य । को राजनाया और प्रकाशन की तारीय वे बुद्ध १८५५ के १५ इन १८१५ १ सम्बद्ध संपरित मी हित्बब्ध किलो नाय करता हुन्या अधक्रस्ता**भरी के पास** रिरहालक । १६६५ जा सक्तीरी।

व्यक्षितरण:----शुरुको अभाग अध्यो अपि युद्धी **का जो उन्ह** े । प्राप्ता, यह अप्याप्त 20-**क में परिभाषित** हा, पर कि अप को उस **मध्याय में दिया**

अनुराधी

एस 119. जेटा कैंद्रिय ३. १७४ अंड, नई दिल्ली । तादादी 1860 ार्च फंटा ।

> ज्ञारक योक राजेश (तर प्राविहारो उधार अस्पर प्रायुक्त **(निरोक्षण)** ार्जन रेंग 1 हिल्लो, नई दिल्लो

तारीख: 30~र-1936

बावकर विधित्यक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचा

ATTEN MEMORY

कार्याक्षय , रहायक लागकर अवग्वत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिलींग 30 धर्मेल 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सार्गणस्यून/1/37 ईई/9-85/ 2093--श्चतः मुझे, सार्ग्य पोठ अन्ति,

कारकर बीभानवक, 1963 (१९८५) यह 23) (जिसे एसमें इसमें स्थाएं जिस्हा क्रॉफिनिया एए स्था ही), की कारक 269-क के अभीन सक्षय असे स्थापन ही दिह सिक्सास करने का कारण ही कि स्थापन स्थापन ही दिह सावार सन्य 1,00,000/- क. से अधिक ही

भौर जिसकी संख्या है जा में निष्य नं ए तिपरा खंड, बहुमंजिली इनारा निष्यारी जान एगर्टनेन्ट में स्थिन है (श्रीर इनसे जानड चन्द्रांचा में पूर्ण का ने वृजिन है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधनारी के जाबीन्य, नई दिन्ती श्राधनारी के जाबीन्य, नई दिन्ती श्राचनारी के जाबीन्य, नई दिन्ती श्रीस्ट्रीकर्ता ग्रीधनियम, 1908(1908 जा 16) के श्रीधीन सारीख मितम्बर 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उपलिए १००० १०० गाँव को प्रकार प्रतिकत्त के लिए जन्ति रिता की पर्द ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कीए विश्वास करने का कारण ही कीए विश्वास करने का कारण ही कीए के एक ए एएएड प्रतिकृत की विश्वास की विश

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अर्थात कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने श समझे वकाने में बृणिया के शिष्ट; कर्रि/या
- (य) श्री किसी १०० का का का का का का का का शिवा को, किस्ट भारतीय १०० का का अध्या 1922 (1922 का १२) का का अध्या है। का छा। के अध्या का विश्वीचयम, 1937 (१८) का छा। के अध्या का वाचीच्या प्रस्थ नहीं किसा गया वा विका काल का का

बाह्य बन, जन्म क्षिप्रेंपरात १६ १८० १८० १८६ मा के समूच्या में समूच्या के के प्राप्त करिया के प्राप्त करिया (1) के सभीम निम्मितिकार व्यक्तिकार, जन्मित करिया करिया (1)

(1) श्रो दिनेश सिंह एवयूए 1, थायगर्जी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) विनेग विनोयोग प्रा लिमिटेड 1, थायागजी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

क्षा वह सुपता जारी करके पूर्वावत सम्मत्ति के अर्थन के विक् कार्यवादियां कुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाया के खजरत में अक्तकत की राष्ट्रित के 45 मिन की अनिय वा अस्तम्बन्धि व्यक्तिकों कर स्थान की सामीस से 30 दिन की क्विप, को के क्विप बाध में समान्त होती हो, के मीकर पूर्विक व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति कृत्यकः;

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाविक हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में किया गया है।

मन्सूची

फ्लैट नं॰ ए, नित्रा खंड एक खुला पाकिंग प्रतीस, बहुमंजिली हाउमिंग स्कोम लाल गिरधारी लाल अपार्टमेंट, 28, फिरोजणाह रोड़, नई दिल्ली 1-तादादी 1600 वर्ग फीट।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I दिल्ली, नई दिस्ली

तारीख : 30-4-1986

प्रकृत जाही दर्दे एवं पृष्ठ

बाव्यार प्रीप्रियम, 1961 (1961 छ। 43) की पाछ। 269-त (1) के बाबीय खुकता

नारत तरमार

कार्बासय, शहायक आयकर बाक्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली; दिनौंक 30 श्वप्रैल 1986 निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई-9/85/ 2109—श्वतः मुझे, श्चार० पी० राजेश.

बायकर नीभनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके वश्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के जधीन समाम प्राधिकारी की, वह विश्वास अवसे का मारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति निस्का उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

जिसकी संख्या है तथा जोफ्लैंट नं० 1208 से 1215 तक देविका टावर 6, नेतृरू प्लेस नई दिल्लो में स्थित हैं (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत हैं), रिजर्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक सितम्बर 1985

- (क) अन्तरण स हुई किसी नाम का बावता, कारत निवन के नभीन कर दोने के बन्दरक के दानित्व में भनी करने या उससे बज़ने में सुविधा के सिए। स्तर भर
- (क) ऐसी जिसी नाम या कियो धन था जुन्न नास्तिनों को, पिन्नू भारकीम जानकर अधिनिनम, 1922 (1922 का 11) या अपन् किपिनिनम, था धन-कुन समिनिनम, था धन-कुन समिनिनम, 1957 (1957 का 27) के उपोचनाने क्योरती बुनारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया नामा नाहिए था, कियाने में सुनिया ने विद्

कतः वक उनत विभिन्नियम की भारा 269-ग के अपूरुप्त को के उनक विभिन्नियम की भारा 269-म की उपभारा (1) स कभाग निकासिकत व्यक्तियों क्यांत कुल्ल (1) प्रगति कंसट्रक्शन कम्बनी देविका टावर, चौथा खंड, शीतला हाउस, 75 74, नेहरू पलैस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) चर्च श्राफ नार्थ इन्डिया ट्रन्ट एसोसिएशन 16, वंडित पंत मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूच्या कारी करके गृतः तर अंगरिक के कर्पन् के रिस्य कार्यभाष्ट्रियां कारता हो।

हक्त क्रमांस्य को वासन से एउटन में कोई भी क्रमांब् है---

- (क) इस सूचना के राजपण में पकासन की तारीस से 45 विस की संबंधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर कारिता में से शिक्ती क्यों कर सुमारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-मध्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त क्रिक्त क्रिक्

स्वस्थाकरण:--- इतमे प्रयुक्त राज्यों और पत्रं का, को सक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा के उन्ने अध्याय में विका स्वा हो।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1208 से 1215 देविका टावर, 6 मेहरू फ्लैस, नई दिल्ली । तादादी 3920 वर्ग फीट ।

> थार० पी० राजेण तक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरोजग) ध्रजैन रैंग 1 दिल्ला, नई दिल्ला

तारीख: 30-4-1986

मक्त आहें ही . एत . एस . - -----

, जायकर ज**िंधीन्यम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-व (1) के अथीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनाँग 14 मई 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एस्यू०/1/37 ईई/2 86/2771 --अतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बावकर विधिविषम, 1981 (1901 का 43) (विश्व कार्य हरने एक्कार् 'उक्त अधिनियन' सहा गया है), की धारा 269-घ के अधीग सक्षम प्राधिकारी को, कह निक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बक्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 1,09,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैंट नं० 7, ब्लाक नं० 2, 3, ग्रीरंथजेंत्र रोड़, 4 पथ्वीराज रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इपटे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विज्त है) श्रायग्रर आग्रिक के लायीलय, प्रजेन रेंज-1, नई दिल्ला में भारतीय श्रायक्तर श्रीधित्यम 1961 के ग्राधीन, दिनौंक फरवरों 1986

कता प्रांतक प्रस्ति के उत्ति वादार कुमा से क्या के क्यामान्
प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का भीना माना
मूल्य, उसके रुव्यक्तन प्रतिकृत हो एसे द्धामान प्रतिकृत के ने
मंग्रह प्रतिकृत से मधिक हो और अंतरक (अंतरका) भीर मंग्रिती
(अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिकृत, निम्मलिखित उत्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में
बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त जिमियम के अधीन कर दोने के अन्यक्क के बाहियल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अपय या किसी धन मा अच्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आदकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उन्ता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिवाने में सुर्विधा के लिए:

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के कथीम, मिल्लिकित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) श्री बाज्यान दा पटनायक 3, श्रीरंगजेब रोड़, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) डिसेंट जिल्डिंरत प्रा० लिमिटेड 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्लो ।

(अन्तरिती)

का नम् स्थान भाषी क्रम्स प्राचित सम्मित्त में क्रमीन में क्रिया कार्यवाष्ट्रियां सुरू करता हूं।

क्षम द्वार के अधिन के सम्बन्ध में कार्य थी वाली है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की जनिथ मा तस्त्रंभी व्यक्तियों नर सूचना की तार्गन से 30 दिन की अविति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, जे बीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (क) इस सूकता को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवकुष कियो बाय व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारण: --- हगरी प्रयुक्त शब्दां और पतां का, जो उक्त जीधित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, नहीं अर्थ होगा जो उन्न अध्याय में दिया गया हो।

वन्स्यी

ं प्लाट न ० 7, ब्लाक नं० 2, 3 श्रीरंगजेब रोड़, नई दिल्ली, 4 पृथ्वीरान रोड़, नई दिल्ली, प्लाट का क्षेत्रफल : 1539 कर्म मञ।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजेंन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 14-5-1986

मोहर 🕄

प्रकृत सार्वाह होते हुम् पुर्व प्रकृतकारण

भाषकर वॉच्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के न्योद स्पना

भारत तरकार कार्याचय, सहायक भागकर मायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मई 1986 निर्देश सं० भई-2/37-ईई/25006/85-86--ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 262-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव दुकान नंव एव जीव यणवंत नगर, व्लाट नंव 70, 53 एसव बीव रोड, श्रधेरी (पव), बम्बई 58 में न्यित है (और इससे उपाबद अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रधिनियम 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बच्चई में रजीएट्री है। दिनांक 20-9-1985 को पूर्वोक्त कम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिकत के निए अन्तरित को गई है और मुम्ने वह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसमें इसमान प्रतिकत को एसे क्यमान प्रतिकत का वन्त्रह प्रीचित्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया विद्यक्त निम्निविद्य उच्चवेष्य से उच्च बंदरक कि विद्या परा प्राप्त कि का विद्यक के पर से कियत वृद्ध से उच्च बंदरक कि विद्या परा परा विद्यक कि विद्या से कियत विद्यक्त कि विद्या परा परा विद्यक कि विद्या से किया विद्यक कि विद्या परा परा विद्यक कि विद्या से किया विद्या कि विद्या परा विद्यक कि विद्या से किया विद्या कि विद्या से किया विद्या कि विद्या के किया विद्या कि विद्या से किया विद्या कि विद्या के किया विद्या कि विद्या क

- (क) श्रामाद्रम् में हुई हिन्दी मान की बान्ता, स्थल मानिन्द्रम की स्थीन कह योगे की बान्द्रस्य की शाहित्य को कती कहने वा उन्हर्न स्पूर्ण के स्ट्रीयना को जिए। मोड्र/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) मा उसत निधिनयम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, क्लिन के याचा के लिए;

मतत बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :-- (1) श्री रमेश वीर चंद शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मती जया बेंन विसन जी मारू।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

क्रमत सम्मतित के अर्थन के अन्यन्य में कोई भी नाक्षेप &

- (क) इस स्वना में राज्यत्र में प्रकावन की तारींच से 45 विवृ की वर्षीय स्व तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वस स्वना की ताबील से 30 दिन की सर्वाम, यां सी स्वनित्र मां की संवीच नाम की संजात होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यांक्तमाँ में से किसी स्वनित् स्वारा;
- (क) इस सुकना के राजपण में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्पत्ति में हित्बकुष किसी नन्य व्यक्ति दुनारा नभोहस्ताक्षरी के नाष् निवित में किए वा सकति।

स्वक्रीकरण्यान्य भ्रमित्रम् शब्दों और पदों का, को उत्तर व्यक्षित्रभय के अध्याय 20-क में परिभाविक्ष हाँ, वहीं वर्ष होना, की उत्त सम्बाद को दिवस प्या है।

अनुसूची

दूकान नं० ए, जो समवंत नगर प्लाट नं० 70, 53, एस० वि० रोड, ब्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। श्रृतुसुची जैसाकी क० सं० ब्रई-2/37-ईई/25006/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2, बम्ब**ई**

दिन क: 6-5-1986

মুক্ত কাছ'্ তী, হুম ু মুক্তা লাল লাভত

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) क्रॉ भारा 269-न (1) के विभीन कृतना

धारत कल्लार

कार्यासन्, सहायक भायकर अधनुतक (निडीकार्य)

भ्रजाँन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निदेश सं० ग्रई~3/37-ईई/24403/85-86---**ग्र**त :

मुझे लछमन दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 10, जो श्री नटराज को० शाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, शार० वी० मेहता रोड, घाटकीपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1985

नदे पूर्वोजित संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम को क्यमान प्रतिफल के लिए जन्मिरत की गर्द है जोर मुक्ते बहु निश्वास करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पनक प्रतिचत से संधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्म-निश्वी (अन्तरितिकों) के बीच एसे मन्तरण के जिल् तय पाया गया प्रतिकत, निश्मिलिक्त उक्षेत्रय से उक्त अन्तरण जिल्हिस के बाक्तिकस क्य से सिधन नहीं किया गया है:——

- (क) बन्धरण से हुई जिल्ली काय की वायतः, उक्क बिधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यीयत्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एची किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभनियम, वा भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती इंगाया प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना बाहिए था, कियाने हों कृतिकथा के जिए?

संतः जब, उपल क्षिमियम की ध्राय 269-ग के जनुसरक को, को, उक्त जिथानियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को नकीन, नियनक्रिकिक क्षिमियां। लगाँख के— 1) श्री एल० एन० बालरा।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० ठक्कर।

(अन्तरिती)

The Court of the Control of the Cont

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उत्तर सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जानेंच 3--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्हों और पर्दों का, जो उसस अधिनयम, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्यी

प्लैंट नं 10, जो नटराज की ग्राप् हाउसिंग सोसायटी लिं, ग्रार बीं महना रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रन्सूची जैसाकी कि० सं० श्रई-3/37-ईई/24403/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1986 को रजिल्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3 बम्बई

दिनाँक: 12-5-1986

प्रकार अनुष्य होते । अनु । सूच्य , मन्द्रमानमान

भावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांनय, बहायक बावकर आयुक्त (निरक्षिय)

श्चर्जन रेंज-3. बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मई 1986 निदेश सं० श्रई-3_/37-ईई/23999/8**5**-86---ग्रतः

मुझें लक्ष्मण दास
बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके परचात् 'उत्रत अधिनियम' नजा गया हो, की धारा
269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तात करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल गायार मूस्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव दूकान नंव 8 जो प्लाट नंव 24, यदकुल को श्राप हाउसिंग सोसायटी लिव, पोस्टल दालनी रोड, फलायश्रोव्हर के पास चेंबुर बस्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध शनुसुची में श्रीर पूर्ण हप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर शिंधिनयम 1961 की धारा 269 व, ख के शंधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांग 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गला में कम के रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोद्द सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के बधीन कर दीने की लेलक के दायिक में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ण) ऐसी किसी नाम या किसी घन या अन्य नास्तिनों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त्य अधिनियम, या धन- कर नाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतिरिती द्वारा प्रवट वहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिति में सृविधा के लिए:

क्षाः शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-स के बन्सरभ में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) रमेश चंद्र तुल्यानी।

(अन्सरक)

(2) मेसर्स फोटो ग्रार्ट सर्विसेस।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुखना के राजपथ में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या अत्संवंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामील में 30 दिनं की सविध , ओ भी वयधि याद में सनाप्त होती हो. के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्योंकत दवारा;
- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति त्यारा धायांद्रानाक्षणी के पास सिवित् में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रवावत करूरी वाँग पर्ती का, जो उकत अधि-नियम, के संप्राय 20-ठ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस संप्राय में दिया गया है।

service in

प्लाट नं० 24 जी दूकान नं० 8 यदकुल का० ध्राप० हाउसिंग सोक्षायटी पोस्टन ालोनी रोड, फलाय प्रोव्हर के पास चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है।

अन्सुची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/23999/85-86 और में भन्नन पाक्षिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्थायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनाँक: 12-5-1986

भोहर :

प्रक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजन, सहायक जायकर आधुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 12 मई 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37–ईह/24570/85–86–-ग्रस: मुझें, लक्ष्मण दास,

कायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें हम के प्रमात विधित्यम कहा नवा ही), की पारा 269-स के नधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विध्यास करने का कारम ही कि स्थावर सम्मित, चिसका स्रचित वाबार मुख्य, 1,06,000/- न्ह. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 6यूनिट नं० पहली मंजिल पर जो, गुरू गोविंद मिंह इंडस्ट्रियल इस्टेंट श्राफ वेंस्टर्न एक्सप्रेंस हाय वे गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित हैं),श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क; ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनोंक 1-9-1985

को पूर्वितिस सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के दृष्यभाव करित ए के रिएए बंतिरित की गई हैं और बुक्के वह विद्यास करने का अगरण हो कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उपित बाजार क्रम, उत्तक स्वयान प्रतिक्रम से, ऐसे स्वयान त्रिक्क का बन्दह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतिरिती (अंतिरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के निय तय पाया च्या प्रतिकृत निक्निवित उप्योध्य से ब्या क्यारण विविध में वास्तिविक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) मन्तराय से हुई किसी बान की नावता, सबस व्यक्तिस्था के बचीन कर दोने के अन्तरण के द्यायत्य में कबी करणें या उसके वसने के द्वतिया के सिद्ध; बीह्य/का

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गै, मै, उक्क अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--8---106 GI/86

(1) इंडो लेदर वर्म।

ग्रन्तरकः<u>।</u>

(2) श्री मती चित्रा सुधीर मोहन दास (प्रमोटर) स्नान फूटवियर इंडस्ट्रियल प्रा० लि० (नियोजित) (ग्रन्तरिती)

<u>andraidh i Lura</u>, aig an an an Greathar an A

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्मति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपर में प्रकाशन की तारीस से .15 दिन की अवधि मा सम्मद्भान्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकता में में थिनी व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचमा के राजपत्र में प्रतायन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर रम्पति में हिनबव्ध किसी अन्य कारिस उपाय क्रायालाका के पास किसी अन्य कारिस प्राप्त क्रायालाका के पास

रमक्कीकरण - इसमें प्रयोक्त शब्दों और पर्यों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विका क्या हैं।

अनसची

6 यूनिट जो 1ली, मंजिल पर गृह गोविंद सिंह इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस की० श्राप० सोसायटी लि० वेंस्टने एक्सप्रेंस हायके गोरेगाँव (पूर्व), बम्बई 63 में स्थित है। श्रनुमुची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/24570/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-9-1985 को रजीस्टई िया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक क्रायकर क्रायकत (निरीक्षण) क्रज़ेन रेज--3, बम्बई

दिनौंक: 12-5-1986

मोहर 🕆

प्रकृप नार्षं .दी .एन .एस . -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कायां क्षेत्र सहायक बायां कर बायां कर (जिरीक्षण) प्रजीन रेंज-4. बण्बई बम्बई, दिनाँक 12 मई 1986

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/22354/85-86--ग्रतः मुझें लक्ष्मः दासः

पायकर की पिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके धरधात 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व को अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट है जिसका सर्वे नं० 286, एच० नं० 1 ए, सिठी सर्वे नं० 594 (ग्रंग) व्हिलेज दिहसर, तालूका बोरिली बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण ६५ से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 हा ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रंजीस्ट्री है दिनांक 1-9-1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अग्ररण के लिए तय पाण गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्ष अंतरण निबित से अध्यक्तिक कर से किथन नहीं किया गया है ;

- क्षेत्रच्य से हुई किसी बाय की बाबत, उसल मीमिनियम के अभीन कार दोने के जेतरक के राजिल्य में कमी करने या उसस वसने में सुविधा के लिए; बॉर/था
- (न) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या तम-कर अधिनियम, या तम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अने जाइए था। अध्य य स्विधा के लिए,

कतः वन, उन्त वीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को वधीन, निम्नलिखितं १७४४न्सवा, वधीतः :--- (1) श्री महेन्द्र के मेहता भ्रीर ग्रज्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इंदरमल नंदराम जी श्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उबस सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इतार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकींगे।

अनुसूची

प्लाट जिसका सर्वे नं० 286, एच० नं० 1 ए सी० टी० सर्वे नं० 594 (ग्रंश) व्हिलेश दिहसार ताल्का वोरियली बम्बई में स्थित है

ग्रनुमुची नैसाकी कर संर श्रई-4/37-ईई/22354/ 85-86 ग्रीर नो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायूवन (निरीक्षण) शर्जन रेंज-4, बग्बई

हिनांक: 12-5-1986

- CT CACHE 15- 12 ALL COTA LONG TARGET TARGET TO COMPANY

प्रकृष **वार्**ं<u>टी एन एक</u>्या स्टेननन्सासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के अधी**न

भएत रहका

कार्यासन . वहानक भागकर नावुक्त (निडीसन)

ग्रर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनाक 12 मई 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/12990/85-86--ग्रस:

मुझे, लक्ष्मण दास

स्थयकर क्षिणियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें व्यक्त पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की पारा 269-व के क्षीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह निस्तात करने का कारण है कि स्थानर सम्पद्धित, विश्वका उचित गाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसका प्लाट जिसका सर्वे नं० 15, एच० नं० 7 (अंश) सी० टी० एस० नं० 1338 (अंश), व्हिलेज दिहसर, तालूका बोखिली बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायक्षर श्रक्षितियम 1961 की धारा 269 क. ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 1-9-1986

कां पृथेंक्स सम्मित के उचित बाबार मृत्य से कम के दरवमान अधिक ल को लिए अन्तरित को गर्थ है और मुक्ते यह विश्वाच करने का कारण है कि यथापृशेंकत तंपरित का उचित बाबार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल सो, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त ब्रिंभियम के बचीन कर दोने के बम्तरक के वासिक रों कभी करने वा उससे बचने में बुनिया के जिए? शरि
- (ख) ग्रेशिं किसी जाय या किसी भन वा जन्य वास्तिनी की जिन्ही भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, क्रियाने में बृविधा के सिए।

नत: इ.स., उक्त नीपीनवम की भारा 289-य **में वन्धरण** मी, उक्त नीभीनयम की भारा 269-य की क्पणाय (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भात :— (1) श्रीमती म्याम कुवरज्ञेन जी० पनेहामातीया श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्सरक)

(2) मैसर्म द्वारकेश इंटरप्रायजेस।

(ग्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 जिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शृचना की तामीन से 30 दिन की जबीं में जबीं माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यासः
- (स) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वयद्गीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्म्या और पर्यो का, वा उपत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अध्यक्षीया को उस अध्याय में जिस्सी गवाही।

मनुसूची

प्लाट जिसका सर्वे नं० 15, एच० नं० 7 (ग्रंश) सी० टी० एम० नं० 1338 (ग्रंश), व्हिलेज दहिसर तालूका बोरिवली बम्बई में स्थित है।

ग्रन्सुची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37ईई/1299085-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रिजिस्टर्ड दिया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 बम्बई

मारीख: 12**-5-198**6

मोहर 🕺

ह्यक् साह[ा]. दर्रे . युव् . युद्ध

नामकर नामिनिय्यः, 1981 (1961 का 43) की भाग २८६-व (१) के अभीन सुमना

RIVE HAND

कार्यास्थ, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बरबई बम्बई दिनांक 12 मई 1986

. निर्देश सं० ४६-4/37-ईई/22076/85-86--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिंवश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 108, एच० नं० 10 (श्रंण), मी० टी० एस० नं० 2243, 2244, एक्सार विलेज बोखिली बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायत्य श्रिकित्यम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बन्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं दिनांक 1-9-1985

को पृथीपत सम्पत्ति के उषित वाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए गर्दित की गई ही और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि सथापृथीवत सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसक रूप्यान जित्ताल द, एसे दूरमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकृत से आधिक ही और जन्तरक (अन्तरका) और वस्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाजा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वदेद से अक्त बन्तरक सिकित में अस्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (ब्रिह्म कराइक से हिंदू कि सी भाव की बाबता, उपन विचिक्त किराय की सभीन कर दोने की सम्परक की दायित्व भी कभी करने का उससे वचने में सुविधा की सिए; भीरिका
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, किया के लिए,

क्यः स्था, अवध आर्थानमा की भारा 269-न नै नवृत्तरम में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन विम्योर्लिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स गणेश बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) एल० सी० ठक्कार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किश् कार्यवाहियां करता हुं।

क्क सम्परित से वर्षन से सम्बन्ध में कोई प्री बाक्येकः--

- (क) इस सूचना के दावपत में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की नर्मा या तरसम्बन्धी व्यक्तियों का सूचना की तामीस से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों से किसी व्यक्तियों से किसी व्यक्तियों से किसी व्यक्तियां से किसी व्यक्ति व्यक्तियां से किसी व्यक्तियां से क
- (क) इस स्थान कं राष्यत्र में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वद्य किसी जन्म स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकीं ने ।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त अन्दों भीर पदों का, थो उक्त विभिनियम के वध्याय 20 के में परिभाविश हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची |

अमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 208, एच० नं० 10, (ग्रंश),सी०टी०एस०नं० 2243, 2244,एक्सार विशेज बोखिसी बम्बई में स्थित है।

ग्रन्मुची जैसाकी क० मं० ग्रई-4/37-ईई/22076/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-5-1986

मोहर 👙

अवार बार्स हो हो हुनेश दुर्वेश करून

नायमर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-य (1) में व्यक्ति चुक्का शब्द वरुवार

कार्याच्य , सहायम कार्यकार थायुक्क '(विरक्षिक) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांवः 12 मई. 1986

निदण मं० ऋई-4/37-ईई/21997/85-86-- ऋतः मुझे लक्ष्मण माम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मृक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1623-25,

26-27, T646. 2648-1652 1657-1659-16691663-1683 1703, लिझ रोड, के पास बिलेज
एक्सार बश्बई में स्थित हैं 'और इससे उपाबद्ध श्रनुसुची
में और पूर्ण ध्य से बांणत हैं), और जिसका करारतामा
श्रायकर श्रिशितियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं
दिनांदा 1-9-1985

को प्रविद्ध सम्भात क उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार भून्य, उसके दश्यभान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत के पंत्रह प्रतिवात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जैत-रितियाँ) के भीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकत,, निम्नीकिश्वत उद्योग्य से उक्त अंतरण विश्वत में बाक्तिक इस से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) क्लरण म हाई किसी आम की बाबत, उक्त आँधित्यक के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (ब) ध्यी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकां करी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) वह उक्त सीधीनियम, या धनकर अधिभान्यय, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनानं अन्तरिशी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया वास धां था, फियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) एम० डी० म्हाले भीर श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) विशाल कन्स्ट्रवशन्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुधना बारी कारने पृत्रांकरा सम्पर्धित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

जबस संपंक्ति को मर्कन के संबंध को कोड़" भी काल्रोय :----

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के शीलर पूर्वीकर व्यक्तिकों में से जिसी व्यक्ति (शारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उपत स्थावन सम्पत्ति में हितवस्थ किसी जन्म स्थावन स्थाहरूनाहारी के पांच निस्तित में किए वा प्रकेश

स्वक्टीकरणः इसमो प्रमुक्त शब्दा सार पदा सा, को उक्स अधिनियम, को अभ्यात 20-क मी परिभागित ही, यही अर्थ क्रोग के एए श्रायक मी दिया यस हैं।

मन्स्ची

मी० टी० एस० नं० 1623-25, 26-27, 1646, 1658-1652, 1657-1659-1669-1663-1683 1703, लिंक रोड, के पास, विलेज एक्सार बोखिली (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैमाकी ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/21997/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बल्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रिलस्टर्ड किया गया है।

> ाक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 12-5-1986.

प्रकर बार्ड. टी. एन. एस. """"

भायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-भ (1) के संभीत सुपना

भारत सत्रकार

कार्याजव, सहायक जायकर बायुक्त (विरोक्तक) ग्रर्जन रेंज-4, बग्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वितं इत्तर्भे इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन एक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1.00.000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट शिम्पोली विलेज में जिसका एफ० पी० नं० 695, टी० पी० एस० नं० 3 बोखिली बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुवी में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा के अधीन 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांव 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के क्रमयान अतिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विषयात्व करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, ऐसे क्ष्म्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (जन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पावा जवा अतिफल, निम्नतिधित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित्व में क्षस्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है अन्न

- किं मन्धरण वे हुइ किसी माम की आवत, उसा बहिषनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविभा के जिल्हा भीर/की
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन था अन्य नास्तियां को जिन्हों भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, सा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अगोजनाथ अन्तरितो द्वारा अग्रंड नहीं किया नया का या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृदिभा को सिए।

जनः अब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग फें अनुसाक में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की ल्पकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ए० सी० भ्रम्रवाल भीर भ्रन्य। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री मंजू एंल० कुकरेजा। (अन्तरिती)

कां यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के अपने के समय में कोई भी जाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूथ, किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शस निश्चित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-दा में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

लाट णिम्पोली विलेज में जिसका एफ 695, टी० पी० एस० 3, बोखिली बम्बई में स्थित है। श्रनुसुनी जैसाकी ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/22149/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶4, बम्बई

विनांक: 12-5-1986

अरूप नाइ. टी. एन. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर <mark>आयुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, विनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० ग्रई-4/37–ईई/22580/85–86—ग्रस मुझे लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कर कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० जमीन जिसका सर्वे नं० 41 (ग्रंग) चारकोप व्हिलेज कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में भ्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करारनामा क्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 1-9-1985

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वर्ष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, खनत नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः उद्य, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :——

- (1) जे॰ एस॰ श्रीद्योगिए उत्पादः सोसायटी लि॰। (ग्रन्तरक)
- (2) मैंथर्भ ःमणियल कन्स्ट्रक्णन कंपनी। (श्रन्सरिती)

को यह स्थना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद गें समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा एकोगे

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रग्रहा शब्दी और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं. वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुस्ची

जमीन जिसका सर्वे नं० 41. (श्रंश), चारकोप विलेज, कांदिवली (प), बश्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसाकी कि सं० ग्राई-4/37-ईई/22580/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रिजिस्टर्ड शिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

दिनांक: 12-5-1986

माहर:

.. _____

१९११ स्टार्ट , नेप्, **र्श्**स **एस** , क्रान्यक्रक क्रान्यक

आगवार अधिकारक 1961 (1961 का 43) की पाए २६५-२ (1) में सपीन सुचना

भारत सरकार

भागीता प्रकार आदकर वाय्क्त (निरक्षिण) ग्रजीन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निदेण मं० १० ई-4/37-ईई/23192/85-86-प्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

कार्यकर शिंधितायम. 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्राप्त:) जिस्से किशिनियम कहा नया हैं). की बारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00 1900 (ज. में अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० वार्यालय नं० 104, मे 110, जो 1ली, मंजिल, जय श्रीक रणछोड़ धाम लोक मान्य तिलक रोड, दिहसर (प). बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रन्मूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा रायकर ग्रिधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांव 1-9-1985

को पृत्रींकर संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यश्रव पतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का जारण प्रै कि ग्रशाएबॉक्त संपरित का उपित बाबार मृत्य, उसके व्यवमान प्रतिकास से एसे व्यवमान प्रतिकास का पन्द्रह पतिकात से सिंधक है और अन्तरक (अन्तरकार) की अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकात, निम्नसिंखित उद्योग्य से उस्त अन्तरण जिक्ति में वास्त्रिक कप हो कीवत नहीं किया बना है है

- (धार्ग) अपसारक में हाड़ी किसी आय की बाबता, कबस अधिनित्रका के अधीन कर बोने के बन्दरका के बार्गिका की सकी कारते का कबसे तकने हों। स्वतिका की कार्या क्षा की स्वतिका
- का, एक्स्टिइसी कर के किली ध्रम मा मन्य बालिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ए। किया जावा चाहिए था छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्त्रित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स जय विजय बिल्डर्स।

(श्रन्तरकः)

(2) श्री बी० टी बलवानी।

(ब्रन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिवह कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

वनत बन्मीत्त् के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाजप :--

- (क) इस स्वा के राजपन में प्रकाशन की शारांत हैं
 45 विन की अवधि या एत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर
 स्वा की रामीन से 30 दिन की श्रवित हो भी
 अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतद प्रॉकंट
 अधिकत्यों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिदबब्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकींगे।

स्यक्षं करणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

मन्त्र्यी

कार्यालय नं० 104 से110, 1ली, मंजिल जय श्रीक रणछोड़ धाम, लोक मान्य तिलक रोड, दहिसर (प), बम्बई मे स्थित है।

ऋनुसूची जैसाकी क्ष० सं० ऋई-4/37-ईई/23192/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रजिल्टई किया गया है।

> ् लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4 बस्बई

दिनाँक: 12-5--1986

नोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० 6/सितम्बर 1985—ग्रतः मुझे, हरस्याल सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राप्य से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 1, न्यू ठांक एट्रीट नुगम्बाक्कम् है जो मद्रास 34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद यनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष से वर्णित है), रजीस्ट्री-कर्ता रुधिकारी के कार्यालय यौसन्डलैन्डस में लेख सं० 429/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्ब से कम के उरयमान प्रतिपास के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूक्यमान प्रतिकाल से एसे रूपमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर उधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारार (1) के अधीय, जिल्लोम्बिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) एस० सुन्नामनियम्।

(ग्रस्टक)

(2) सैयद श्रब्दुल कादर।

(प्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अदिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्ड व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीक रण: --इसमें प्रय्कत बब्दों और पदों का जो उसत सिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि और मकानं 1 न्यू ठांक स्ट्रीट नुगग्बाक्कभ् मद्रास 34. थीसन्डलेन्डस लेख सं० 429/85

> हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-2, मन्नास

दिनाँक: 5~5-1986

मोहर:

9 -106 GI/86

अक्ष्य बार्ड् , औ. एव., एक,,,,,,,,,,,,,,,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग्न 269-व (1) के वर्षीन ग्रुवना

नाउत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आमुक्त (निरीक्षण)

• ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० 8/सितग्बर 1985—ग्रतः मुझे, —— (

हस्ययाल सिंह

काम कर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षिके वर्षात् 'उक्त किंपिनयम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 8, पेकाफट्स् गार्डन रोड, है तथा जो मद्रास 6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय यौसम्डलैठ्स लेख सं० 463/85 में भारतीय रिष्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन दिनांक सिसम्बर 1985

का प्रांचित सम्पत्ति के उचित बाबार मृख्य से कम के क्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृख्य, ससके इक्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितावां) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, जिन्नीकाचित उद्देश्य से सम्बं अंतरण निचित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से दुर्द किसी आय की नावत, उक्त वीपीनवन के नधीन कर दोने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: जीट/भा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियाँ को, विन्हीं भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या धनकर अधिनिज्ञान, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यार्थ नम्बरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा ना या किया वाना चाहिए था कियाने में सुनिया नो किए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों., अर्थात् :---

- (1) श्रीमती लैला रहमान ग्रौर श्री के कस्लूर रहमान। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती टी० जरीना बैगम।

(अन्तरिती)

को यह सूच्या बारी करके प्यासित सम्पत्ति से वर्षन से जिल्ह कार्यवाहियां करता हो।

तथन बन्दरित के वर्षन के सुन्दरूप में। काहि भी नाक्षेत्र अ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्थायत्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदुध किसी अन्य व्यक्ति दुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए जा सकर्ण

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्ना और पर्या का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही जर्म होगा, जो कर अध्याय में दिया क्या है।

वन्त्वी :

भूमि और मकान 8 पेकाफ्ठ्स गार्डन रोड, सद्रास 6 थौसन्डलैठ्स् लेख सं० 463/85

> हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, मद्रास

दिनॉक: 5-5-1986

प्रकार कार्य : दर्र : प्रस्: पुर्व:

नायकर नविनिनमः, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० शिवषण्मुगम्।

(1) श्रीमती मीटरैस बाषेर।

(अन्तरिताः)

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रनिरेंज-2, मद्रास

दिनांक 15 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० 79/सिसम्बर 1985—-श्रमः हरदयाल सिंह भायकर नौधनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-स के जभीन सकान प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का 1,00,000/- रु. से म**िथक हैं**

भ्रौर जिसकी सं० 60 वाली गांघ गूडलूर तालूक नीलगिरीस है तथा जो बर्ण इल्टेंट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गडलूर (नीलिगरीस लेख सं० 2163/ 85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक सितग्बर 1985

को पूर्वेक्ति सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सदयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और सुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाबार मुरुष उसके रूपमान प्रतिकास से एसे इसमजान प्रतिकास का यन्त्रह प्रतियात से विभिक्त **है और वैतर**क (वंतरकारें) वाँ,र वंतरिती (मंतरितियों) के बीच ए'ते बन्तरण के लिए दय पावा थवा प्रति-कस, निम्नसिवित उद्युद्धेस्य से उदत अन्तरण क्रिवित में बास्तविक रूप से क्रीथत नहीं किया गया 🌓 💵

- (क) कराडम से हुन्दं सिसी बाद की बावत उपत अधि-निवम को मधीन कर दोने को बन्तरक को दायित्य में कामी कार्तमा उसके वचने में सुविधा के निए; बाउ/पः
- (ब) ऐसी विक्री नाम ना विक्री भन ना नन्य नास्तियों को, विन्हें भारतीय जायकार वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वर्रिश्विवय, वा कर अभिनियम, 1957 (19**57 का** 2**7)** प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ृग्या वादा किया होता माधिए था, कियाने में सुविधा चे चिए:

थतः सद, स्वत वीचीन्यम की पाऱा 269-म मैं। अनुसर्क में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभादा (1) के जभीन, निम्नजितिक स्वीक्तवों, जर्मात ११----

की यह सुधना बारी कारके पूर्वीका अञ्चलित के वर्षन के विद्य कार्यनादियां सरवा होत्।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी बाबोर:---

- (क) इस जुनना के राजपन में इकावन की तारीचे वे 45 दिन की जबीभ वा तत्त्वस्थरंथी व्यक्तियाँ पर सूचका की राजीन से 30 विश्व की जनकि, को भी जनकि बार वें बनान्य होती हो, **ने श्रीहर**े पुनरिश्व म्यन्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीचे वो 45 बिन के भीतार खबरा स्थावर संगरितः में विश्वंक ववृथ किसी बन्य व्यक्ति त्वारा, वशोहस्ताक्षरी से श्राह मिषित में किए वा बक्रेंगे।

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उपद अधिनियम को अध्याय 20-क में परिश्रहींबह है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूचा

भूमि श्रीर मकान एस्टेट '0' वाली गांव गुडलुर तान्∂ तोत्रगिरीस वर्णसैंड एस्टेट गुडल्र नीलगिरीस लेख सं० 2163/85

> हरदयालं सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 1**5**-4-1986

प्रकप आहे. टी. एत. एस. -----

बाबकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा २६७-५ (1) के अधीन स्पना

AITO GENERAL

कामीलय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2. मद्रास

पद्रास, दिनांक 5 मई 1986

निर्देश सं० 124, सितम्बर 1985-- प्रतः मुझे, हरवयाल सिंह,

नायकर नौंधीनयम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसने इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वावार मुल्य 1,00,000/- रतः हे मधिक है

अपीर जिसकी सं० प्लाट 3 फ्लोर) डोर सं० 826 अण्णा माल है जो मदास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप है वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ती अधि-कारी वे कायलिय दक्षिण मद्रास लेख मं० 2752,85 में भारतीय रिक्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का

16) के ब्राघीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान **प्रतिफ**ेल **को** लिए अन्तरित कीं गर्इ है और भूके यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार **ब्रुक, उसके रूप्**यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंजाइ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच **ए**से अन्तरण के लिए तय पाना नया इतिकास, गिम्नसिविक उद्योख से उत्तर बन्तरम सिवित में वास्तविक रूप से काधित नहीं किया पना 🗗 🚈

- (क) अवरण वे हुई किसी आय की शायत, जनस अधिनियम के लभीन कर दोने को अंतुरक को दायित्व में कमी करने वा अयसे क्वने में स्विधा को लिए; कोर/यु
- 🖫 (होती विकसी जाय या किसी प्रमाया व्याप्तिकों का, जिल्हें भारतीय कायकार विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, बा भन-कर बीधीनयस, 1957 (1957 का 27) के प्रजोबनार्थ अन्सरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भाग किया भाग भाड़िए था, छिपाने में सुविधा ने निए:

बद्दव नव. उनव अधिनियन की धारा 269-न के ब्ल्तरण बे, मैं उक्त विधिनियन की धास 269 न की उपधारा (1) 🕏 वधीन, निम्निसिवित् व्यक्तियाँ, अर्थाङ् 🤝 🚈

(1) मेसर्स नारापोर एण्ड कम्पनी जे० ए० तारापोर फर्म रेप्रेसेटेडजे० एच० तारपार

(प्रतस्क)

(2) मैसर्स पालयूल फिल्स इन्डट्रीस लिभिटेड इटरप्रन्यसेस बी० पी० जे० देशाया

(भ्रन्तरिती)

की वह सुमाना मारी कारके पूर्वाक्त सभ्यत्ति के कर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उस्त इम्पत्ति के कर्बन की सञ्ज्ञन्य में कालि भी जाओप ॥---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षणनाकी तामीस से 30 दिन की ज्यपि, जो भी **वर्वीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथें क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास**ः
- (व) इत स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन् के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष् किसी बन्य स्विक्त बुवारा, संभोहस्ताक्षरी के बाह लिसित में किये जा सकों में।

राष्ट्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथल निधनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, बही बर्ध होगा को उस बध्याय में दिन। यया है।

अनुसूची

प्लाट (3 थलोर) 326 अभग गार्ल मद्रास दक्षिण मन्नःस लेख सं० 2752/**85**

> हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-5-1986

प्रकृष भाई. दी . युन . युन . -----

आयम्प्रेंट मिर्डथिणियम, 1961 (1**961 का 43) की** ारा 269-थ (1) के मधीन स्**था**।

मारत भरकार

कार्याज्य, सहायक नायकर नायक (वियोधक) शर्जन रेंज- २, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० 130/सितम्बर 1**985--श्रतः मुझे,** हरदशल सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 19 ए जिल्लार कोइल स्ट्रीट अलघारपेट भग्नत है जो टो० एस० सं० 3726/ब्लाक सं० 76 मैलापुर गांव में स्थित है (श्रीट इससे उदाबद अनुसूची में और पूर्ण कर से अजित है), जीवस्ट्रीकर्ता प्रिक्षकारी के कार्यालय दक्षिण मद्रास लेख सं० 2868 /85 में भारतीय रिवस्ट्री-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1985

को प्योक्त सम्पर्ति के जीवज बाजार मृस्य ते कम के प्रकाशन विकास विकास के लिए अन्तरित की गर्द है और मृस्ते यह विकास करने का कारण है जि अभा पृश्वित कमाति का जिल्ला बाजार मृष्य, जल के प्रशासन प्रतिकास में, एसे क्यमान प्रतिकास के पत्र प्रतिकास से अधिक है बोर अंतरक (बंदरकों) बोर बंदिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकास, जिस्सी जिल्ला उद्देश्य से उकत अन्तरण जिल्ला में बास्सिक क्य से किंवत सकी किंदर में क्या गया है किंदर से केंदर से किंदर से किंवत से किंदर से

- (का) अन्तरक से हुइ किसी जाय की बावता, इन्स्य अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को सामित्व में कभी करने या उससे युषमें में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन ना नन्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

वकः अव, उन्त विभिनियम की भारा 289-ग व अनुसरण में, में अन्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) है नधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसमों, वर्षात् ह—- (1) संसर्स गाणन् डंकल एण्ड कंपन मद्रास लिभिटेड श्री श्री निचासन् के लिये।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी० विश्वाताथन्।

(ग्रन्तरिती)

भा सह सूचना चाडी कारके पूनीनत राज्यांत से जर्चन के जिल्ल कार्यगाहिमां करता हूं।

बक्त संपत्ति के अर्थन को संबंध में वाह भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो औं अविध नाद में समाप्त हमेती हो, के भीतर प्रविक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सपित्त में हितनकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसा में कियू जा सकेंथे।

न्यक्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त भौभानियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुस्ची

भूमि 19 ए, पिल्लयार कोइल स्ट्रीट श्रालवारपेट मद्रास दक्षिण, लेख सं० 2868/85

> हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज- 2, मद्रास

भारीख: 5-5-198 6

मोहरः

क्रमण साथ टी. धन. ए**स.** ----

भाषकर जीविनियम, १७६१ (1961 का 43) को भारत २०४२ व तो के अधीन सुधना

धारत ध्यालव

कार्याजय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्तण)

प्रर्जन रेंज- 2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० 208/सितम्बर 2985-- थतः मुझे हरदयाल सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्रकात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फ़ारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. शे अधिक है

और जिसकः सं० व्यू वार्ड सं० 19 टी० एस० वार्ड सं० 8 पेरिसामि रोड है जी आर० एस० पूरम् कोयम्बत्र में स्थित है (और इससे अपायक अनुसूर्यों में और पूर्ण रूप से धींशत है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकार के कार्यालय कोयमबत्त्र लेख सं० 4278/85 में भारतीय रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1998 का 16) के अधीन दिनांक सिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुन्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के निए अंतरित की गई हैं और बुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याचार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह अतियत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित में अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित में अक्त अन्तरण निविद प्रतिकल, निम्नतितित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निविद में वास्त्रिक क्य से अभिक नहीं किया क्या है अन्तरण

- (क) अभ्यारण संह्या जिल्ला शास की नासह, समक्ष जिल्लाम के जभीन कर कोने के अन्तरक के वासित्य म कमी करने मा उनसे उनके मा भीविका के निक्: मीन/मा
- (क) धेसी किसी बाब या किसी धन ना अल्ल जास्तियों का जिल्ले भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जकत जीधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रशांजनाथ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नृष्टी किया गया या रा किया बावा मालिए पा कियाचे भा स्त्रीतिया के लिए।

बतः सन, उक्त विकितियमं की नास 269-ण के अनुसरण में, में: उक्त किंपितममं की भारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निरम्तिचित व्यक्तिकों, बधात ४---

- (1) श्रीपती पावर्त ए० मेनन् और के० एम० शंकर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री के० पार्थभारती और श्रीमती बी० विश्वपाक्षी। (अन्तरिता)

को यह सूचना बारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के मधान के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

अनत सम्मति के नवन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीब सं
 15 दिस की वंबधि या तत्संबंधी व्यक्तिवर्ग पर
 गृपता की तामील से 30 दिन की अप्रधि, जो भी
 जब्धि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविश्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ब्वासः
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थावन इवाग अभाहस्ताक्षरी के पाद निख्य में किए जा सकींगे।

स्थळाकिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्धा और पर्यों का, जो सबस विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और मनान पुराना सं 8, न्यु मं ० टो ० एस० वार्ड न ० ८ प्रार० एस० पुरम् पेरियशामि रोड, कोयमबत्तूर कोयमबत्तूर लेख सं० 4278/85

> हरदयाल सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन रेंज-2. मद्रास

तारीख: 17-4-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (पिरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, महास मद्रास, दिनांक 6 मई 1986 निदेश सं० 240/सितम्बर 1985---श्रतः मुझे हरदयाल सिंह

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 602 सींठ रोड, है तथा जो मद्रास 6 में स्थित है (और इसके उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप के वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मद्रास सेन्ट्रल लेंच सं० 867/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधित दिनांक सिक्षम्बर 1985

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित क्रांचार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का नंम्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंत्ररक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिपाने में सुविधा के लिए:

भतः जय, उक्त जिभिनियम, की धारा 269-ए को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) भेमर्स ग्रीमनी पि इवर्श सक्युठ प्राइवेट लिमिटेड । (प्रनिरक्ष)
- (2) मेसर्स जेमिनी एस्टेट डेबलोपमेंट कार्पोरेशन। (अन्तरिती)

को यह सुचना आगं करकं पर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ब क्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध के काई भी बाध्य :- --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक ध्यवितयों में ये किसी यिक्त द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उभत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

भूमि 602 मौग्ठ रोड मद्रास-6 मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 867/85

हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- 2, मद्वास

दिनौंक: 6-5-1986

ाष्ट्रय आहे। दी. **एव**ं **एवं** . लंकर

नामकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकात

कार्यालय, महायक आयकार आवका (निरीक्षण) ार्जन रेंच-2, मद्रास

मद्राः, दिनां ए ८ मई 1986

निदेश सं० 341/तिन¥बर-1985--अतः मुझे श्री हरदयाल एिह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन स्थान प्राधिकारी को, मह निज्वास कारने आ कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका जीवत बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

र्छार जिनकी सं० 188, मोक्नी रोड है, जो मद्रास-18 में स्थित है (योग उसके उक्कार अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर में वर्णित हैं), किस्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय मद्रान केन्द्रच लेख सं० 840/85 में भारतीय रजीस्ट्री करण अधिकायम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक सितम्बर 1985

को प्यमित सम्पत्ति से उतित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कर्न का जाएण है कि यहापृत्तिक सम्पत्ति का उपित बाजार भृत्य, उसके द्वभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बेह्र प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (बंसरका) और बंतरिती (अन्तरिविधा) के बीच एसे बन्दिरण के लिए तय पाया प्रयापिकल, निकालिक के व्यवस्थ से ज्ञान अन्तरिक के विधास में द्वस्तिक कर में जिल्हा नहीं किया महाद है :---

- (क) अल्डान सं तुर्निक्ती अप की नामक, उनस अभिनियम के अभीन कर को से नन्तारक के बायित्य में कारी कारने का उन्तर्ध अभने में बुविधा के लिए; स्रोपितः
- (ख) एकी फिला बार या किसी धन या बन्ध भास्तिमां की किए? भारतीय भामकर अधिनियम, 1922 (१९२५ का 11) की उक्त कीधिनियम वा धनकर किधिनियम वा धनकर किधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्षांतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्षांतियम प्रया प्रकट नहीं किया भया था था किएए जाना पाटिए था क्रियान में क्षिया के लिए.

अतः अबं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती लक्ष्मी बदमा ग्राट श्री एस० पी० उर्वोत्तम ग्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० रमेश श्रीर अन्यों।

(अन्सरिली)

को वह स्वना कारी करके प्रशिक्त मन्दित क प्रवन के विश्व कार्यवाहियां क्रता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्मन के राज्यका की की ही पार्यका ---

- (क) इस सूफना के राषपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 बिन की शर्वीप या तरसम्बन्धि ज्यमितयाँ पर जूषना की तामीस सं 30 दिन की जबिस, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पृत्रोंक स्वित्वारों भी से किया स्वीतित कवार ;
- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर एकत स्थावर सम्पन्ति में हित्रबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास. सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमी प्रयुक्त कब्दों स्टीर ५ वें ११, ३० ाठ। अधिनियम को अभ्याय 20-अ में परिभाश्वित हैं, वहीं अर्थ होगा को इस अध्याय मा दिया। सभा हैं.

अनुसूची

भूमि स्रौर महाम 288 मोब्रेस रोह, मद्रास 18 मद्रास प्रेन्ट्र लेख सं० 840/85

हप्रदशाल पिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मास

दिनांक: 6-5-1986

प्रकार नाई', टी. एवं. एसं,-----

बायकड शॉथनियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के वृथीन श्रुवना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मन्नास

मद्रास, दिनांक 7 मई 1986

निदेश सं. 37/सितम्बर/1985—अतः मुझे हरदयाल सिंह

षायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के सभीन सभान प्राथिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

भौर जिसकी सं० आर० एस० सं० 66/2ए और 68 है जो में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण इप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डाडगपण्टी (दस० सं० 2929/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिसांक सितम्बर 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के निए अंतरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल स्व पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा अतिकल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में कास्तिक रूप से अभित नहीं किया गमा है हु--

- (क) अम्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में तुविधा के सिए; और/या
- (म) एसी किसी जाव वा किसी धन वा बन्य आस्तियों को विवाह आरतीय बायकर विधियम, 1922 (1912 का 11) या उत्त अधिनियम, वा ब्यक्टर विधिन्यम, वा ब्यक्टर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) से प्रवोधनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

बतः। अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० मुप्पाराथन।

(अन्तरक)

(2) ছী৹ चिन्नू।

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ्र--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नकी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के संजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरण: — इसमें प्रयोकत भव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि श्रीर आर० एम० सं० 66/2ए श्रीर 68 सेलम

हरदयाल सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मजास

दिनां क : 7-5-1986

प्रसद् बाइ". सी. एवं . एवं . - - --

(1) श्री टी० वे० शिगाराम भौर अन्य। (अन्तरक)

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के वजीन सुचना

(2) टेव फट जोश पालट्टी।

(अन्तरिती)

माहत सर्काश

कार्बालय, तहायक बावकार बावका (विरोक्किक) अर्जन रेंज-1,(1/c) मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० 102/मितम्ब-४1985——अतः मुझे हरवयाल सिंह,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरंग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 17/1 ब्लाक्त सं० 30 है जो अथनावरम गांव मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अण्णा नगर (दस० सं० 3463/85) में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिन्यम 1908 (1908 विष् 16) के श्रिधीन दिनांक 19-9-1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाबार भूस्य से कम के द्वायमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके द्वायमान प्रतिफल से, एस द्वायमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में संस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त बिध-मियस के बधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनिषम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, को उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवादियों करता हो।

बन्त सम्बन्ति के वर्षन के संबंध में कोई वाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राभपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 बिस की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानौल से 30 दिन की अविध, को भी बनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अमितत बूबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्टी तरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदी का, को उनक जीविमयम, के जध्याय 20-क में परिशायिक ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विध्या गया ही।

अनुसूची

भूमि अथनाबरम गांव मद्रास्टी० एस० सं० 17/1, ब्लाक सं० 30 ।

> हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजॅन रेंज-1, (i/c) मद्रास

दिनांक: 30-4-1986

मोहर 🖫

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) के भूभीन स्वनः

श्रीरव सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण)

अजॅन रेंज-1, मद्रांस मद्रास, दिनां उ 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० 116/सितम्बर 1985—अतः मुझे, स्रदयाल सिंह

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 7, वेंकटचला मूदिल स्ट्रीट पाकं टाऊन, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूणं रुप से विंणत है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिशारी के कार्यालय सो जारपट (दस० सं० 511/85) में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-9-1985,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक वे हुई कियो बाव की वावस्त, अवस्त विधिनियन को नधीन कर दोने को कन्तरक की विधिन्त में कनी करने या उससे बचने में सुनिधा वे सिक्ष; ब्रीड्/या
- (क) एसी किसी आगु या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या अनम्भ व्यक्तिकम, 1987 (1987 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्ति हिंदी ह्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने भे तृतिभा के लिए;

- (1) श्री मती बी० सूमीला भ्रौर अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री ए० ए. अबू थाहिर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्

अवस सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि वा तत्त्वस्वन्धी व्यक्तिकों पड़ सूचना की तात्रीस से 30 दिन की व्यक्ति, को भी जनभि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त कारिकारों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (थ) इस स्थान के शबपन में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभावित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका श्या है।

अनुसूची

भूमि और मकात-डोर सं० 7, वंकटचला **युद**ली स्ट्रीट पार्क टाउन मन्नास ।

हरवयाल तिर्हें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय<mark>क्त (निरीक्षण)</mark> अजंके रेंजें⊷1, (i/ः मद्रास

भतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण के अनुतरण में, मैं, उक्त विभिन्यम की भारा 269-ल की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ि—

विनांक: 30-4-1986

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मब्रास मब्रास, दिनां हे 5 मह 1986 निदेश सं० 117/सितम्बर 1985--अतः मुझे, इरस्यमाल सिंह,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर, जिसकी संव डोर संव 196, एमव एसव चीवबोस रोड, मद्रास में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण देश से विज्ञात हैं), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जेव एमव आरव-II, उत्तर मद्रास (दसव संव 2691/85) में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-9-1985

को पूर्वात्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192/2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ई० मोहम्मद अली मरैकार ग्रीर अन्यों। (अन्तरक)
- (2) यु॰ मोहम्मद शौकतुल्ला भार 5 अन्यों। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

भूमि धौर मकान-डोर सं० 196, एन० एस० चि० बोस रोड, मब्रास 1 (दस० सं० 2691/85)

> हरदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, मद्रास

दिमांक: 5-5-1986

इच्य ब्राहे हो_य पुत्र_ः पुत्र_{ः न्या}राज्या

जायकर मोधानशः 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) में नवीन सुवता

भारत सरकार

कार्यातय, सञ्चायक याम्कर वायुक्त (निरुक्षिक)

अजंन रेंज-मद्रास

मब्रास, दिनांक 13 मई 1986 ू निवेश सं० 140/सितम्बर-1985---अत:

हरदयाल सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उन्तित बाबार नृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० भूमी प्रौर मकान छोर सं० 17, पारतसारित पुरम् स्ट्रीट है जो मद्राम 17 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजीस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर में भारतीय रजीस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1985,

को पूर्विक्त मस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित कि गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्मलिखित उद्दोश्य से उक्त जंतरण सिखित में वास्त-चिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- [क) बन्तरक सं हुई किसी बाब की बाबत बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा समने बचने में मृदिशा के सिए; मार/वा
- (क) ऐसी किसी जाथ वा किसी थन या कम्ब कास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवनियम, या धन-कर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया या किया वाना काहिए था, कियाने जे बुविधा के जिव्ह;

भतः नव, उत्त विविधिषय की वारा 269-व से वस्वरूप वें, में उत्त अधिनियम की भारा 269-च की उपवादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती एल० बी० यूजातास्मा और अन्य। (अन्तरक)
- (2) वी० टीपोमोहन ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

स्थे स् इस्या पाती करके पूर्वों कर कम्हित के वर्षक के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्क्स क्रम्पिए के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोर्।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितब्ब्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ², बड्डी अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या एका है।

धन्स्वी

भूमि और मकान-डोर सं० 17, पारतसारति पुरम् स्ट्रीट मद्रास 17 टी० नगर दस० सं० 1067/85 ।

> हरवयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मब्रास

दिनांक: 13-5-1986

प्ररूप आई.टी एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे व्योव सूचना

भारत वरकाड

कायलिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-1, मब्रास
मद्रास, दिनाँक 13 मई 1986
निदेश सं० 33/सितम्बर-1985-अतः मुझे,
हरदयाल सिंह,

बाधकार बांभिनिनम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसको परवास् 'उक्त अभिनिनम' कहा नवा हैं), की धारा 269-च हो ब्भीन सक्तम् श्रीभकारी को,, वह विश्वास करने का कारण ही कि स्वावर संवीत्त विश्वका जीवत वाकाड मूख्य ;

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव 155 आरकाट रोड, वड्यजनी मद्राम
26 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण
रूप से विणित है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोडम्बाक्कम् (दसव संव 3054/85) में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन
विनांक सिटम्बर 1985,

को प्यापित सम्पृतित के जीवत वायार मूल्य से कम के अस्यमान प्रृतित्व के लिए बन्तिएस की वह है, बीर मुख्ये यह विश्वास करने का सारण है कि युवापुर्वोच्छ वंपरित का जीवत वासार मूख्य, उनके समाय प्रित्यक्त से एचे अस्यमान प्रतिप्रम का पंछा प्रृतिकत से विभिन्न हो करि वंश्वास (अंतरकाँ) बीर वंतरिती (अन्तरित्वाँ) से बीच होने अन्तर्भ के लिए उस् पाना प्रमा श्रीत्यम, विन्त्रितिष्ठ स्त्रुविक्त से अस्य मृन्त्रम् विशिष्ठ से सार्वादिक स्त्रुविक्त स्त्रुविक्त स्त्रुविक्त स्त्रा है क्र---

- (क) सम्बद्धम् वं हुएं किसी बान कर्ते अव्यक्त स्वयं स्वीध-हिन्द्रा के स्वीच कर वर्षे के सम्बद्ध के साहित्या में स्वती करने वा स्वयं वसने में सुविधा के जिल्हा; बीए/धा
- (व) एवी विका काम वा किसी वन् भा करन् आस्टियो को, विका अस्तीत आग-कर विविनयन, 1922 (1922 का 11) वा च्या विविनयन वा भनकर विविनयन, 1957 (1957 का 27) के द्योवनार्थ अस्तियो वृत्तास्त्र होती किया वृत्ता था था किया कामा अस्तिय वा, विवास में वृत्तिया में विव्य;

जतः स्था, उस्त अधिनियम की गारा 269-ग की, जनुसरण हो, हो, उस्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के सभीत∗ निस्त्रसिधित व्यक्तिकों, वर्षात क्र— (1) बी० एम० रंगा।

(अन्तरक)

(2) आर० के० कलर फिल्म लेब्रोटरी प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

का वह ब्युना बारी करने प्यांचित कन्ति व वर्षात् के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वनत सम्मरित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाईड हा--

- किं इस स्पान के प्राप्तक में प्रकाशक की राष्ट्रीय से 45 किंग की संबंधि वा तत्वंतंथी व्यक्तियों एवं सूचना की रामीज से 30 दिन की क्यिंग, जो भी क्यिंग का वो रामन्त होती हो, से भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाहा;
- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के गास विकास में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया कहा है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर मकान सं० 155, आरकाट रोड, वडपलनी मदान-26 कोड-मबानकम् (दत्त० सं० 3054/85)।

> ह्रदयाल सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजॅन रेंज-1, मन्नास

दिनांक: 13-5-1986

इस्य बाइं.टी.एम.एस.-----

बायकर विभागियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) में न्योद स्क्रमा

भाषा वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 8 मई 1986 निदेश सं० डी० आए०-197--अतः

आर० भारकाज, नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसको नक्ष्मात् 'उक्त अभिनियम' सङ्ग नवा हैं), करीं भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को , यह विकास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वादार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० सर्वे नं० 68 है तथा जो खंडेपार पोंडा गोवा में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींप पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी

. के कार्यालय बंगलीर में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन 1908 12-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के सिए, बन्तरित की गई

है और मुझे यह दिश्वात करने का कारण है कि यथा∽ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूरव, उसके बच्चकान प्रति-कन्न तो, एकि करममान प्रतिफन का पंद्रह प्रतिफन के अधिक ही बार अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच घेसे वंतरण के किए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निखिति उद्यदेश्य से उक्त जंतरण सिक्ति में वास्तमिक रूप से कवित कहीं किया णवा है ः——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाक्स, अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उत्तर्श बचने में सुविधा ले जिए: ब्रीड/या
- (क) दोती किसी अपन वाकिसी थन वा बन्ध अधिस्त्रओं को चिन्हें भारतीय बायकर बर्धिवयय, 1922 (1922 का 11) या उपस्त अधिनियम, या धन-का विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रचलिकार्य बन्दरियी देवारा प्रकट नहीं किया वस्त **या वा किया भारा याहिए या, कियार वे स्**विका ने बिए;

(1) आए० बेर प्रामत् एण्ड अदर्स बोरकर रोड, पंक्षिचम गोवा।

(अन्तरक)

(2) सींध सागर इस्टेट एजेंसीज पोंडा गोवा । ' (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्मृतित वौ नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के क्षर्यंत्र के सम्बन्ध के कार्य की बार्यन हम्म

- (क) इस ब्याना को राज्यान में प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व को अवधि या तस्त्रम्यस्थी व्यक्तियों पर स्वना की समीज से 30 दिन की नवीं प, यो भी नवीं प कार में स्थानक होती हो, के मीत्र पूर्वीका व्यक्तित्वयां यां से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर चक्त स्थानर संपत्ति में हित-बहुभ किसी बन्च व्यक्ति हुएता अमोह्न्साक्षरी कें वास चिवित्त में किए वा सक्तेंचे ।

व्यक्तिए हें पुरक्षे प्रमुक्त करने कीट क्यों का, को उनक **ब्रह्मिन्य के बध्याद 20-क में** परिभागित हैं, वही वर्ष होना का उस भ्रध्याय में द्विया गया है।

भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं ० डी०- 269) ता० 12-9-85) प्रोपर्टी नोम एस० सालीम भट्ट आलसो तामन गुडो एण्ड गोरभट्ट मेजरिंग 260075 59 एम० दी० एस० आर० सर्वे नं० 68 एण्ड खडेण्पार विलेज।

> और० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जीन रेंज बंगसर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, स्वत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनां म : 8-5-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारस सरकार

कार्यालयः, सहायक अायकर आयुक्त (मिरीक्षण)

ग्रजन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 मई 1986

निदेश सं० डी० श्रार० 824—श्रतः, मुझे, श्रार० भारताज

बायकर बिधिनियम, 1/361 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सक्यित, विस्का खेंचर बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं तथा जो पणजी, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्टीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908

का 16) के ग्राधीन दिनांक 2 सितम्बर 1985

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य ते कम के जरमज़ा प्रतिकास के लिए अन्तरित की गईं है जाँर मुक्तें यह विववास कारने का कारण है कि यथापुर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके इरथमान प्रतिकास से, एसे इरवमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल, निम्मनिक्ति उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक इन्य से किंकत नहीं किया गया है कि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियन के अभीन कर देने को अंतरक की शावित्य में कभी कड़ने या उत्तरो वचने में सुविधा को सिए; बाह्र/मा
- (ब) एशो किसी अब वा किसी वन या वन्त बारिस्तून को, जिन्ह भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए;

बत्त वर्ग, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं, एक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के बभीन, निम्निसिवल व्यक्तियों, वर्णात्:— (1) डा० जाय फिलिप फरेरा एण्ड ग्रदर्स/ओ कामत रीगल इस्टेट ग्रलबुकर्क रोड पणजी गोवा।

(भ्रन्तरक)

(2) कामत रीगल इस्टेट एफ/2 इन्दिरा अपार्टमेंट पणजी--गोवा।

(भ्रन्तरिती)

की शृह क्षाना थारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन हो हिल् कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप 🖫---

- (क) इस स्वना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर स्विस्यों में से किसी स्यक्ति ध्वाडा;
- कि इस गुजना के अध्यक्ष में अकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य स्थानत ब्वारा अभोहस्ताक्षरों ने पार लिख्ति में किए या सकतें।

स्पेक्टीकरण्यः - - त्यंमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वी उपत विभिन्नियम, के सध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा. को उन्न सध्याय में विश मध्य हैं था

CHULL.

(दस्तावेज सं० 501 दिनांक 2-9-1985) ग्राऊंड फ्लोर 620 स्क्वायर मीटरस बिल्ट ऐरिया एण्ड फस्द फ्लोर 330 स्क० मीटर ग्राफ बिल्ट ऐरिया प्लाट नं० 318 सिन्पुएटेड एट पणजी--गोवा।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-5-1986

प्रकार बार्ड, टी ु पुरु पुरु असार-न्यानक

আম্মঞ্জৰ অভিনিষ্ম, 1961 (1961 **জা 43) জাঁ** আমে 25০-ল (1) **ভ লখীৰ ভূমবা**

नारस बहुकार

कार्यालय, सञ्चवक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जंच रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 म**ई** 1986

निदेण मं० डी० म्रार० 830—म्प्रतः; मुझे, म्रार० भारदाज

कायकार मिर्गियम. 1961 (1961 का 43) विसं इसमें इसके उपलब्ध (१९१६ कि निर्माण क्षिपित्सपे, तस्त्र गया है, की वास 269 के अभीन पक्षत प्राधिकारों को, यह विकास करने का अध्यान ही कि क्यांत्र सम्मिल, विभक्त अवित याजार सुस्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सं० एयाप नं० 3 है तथा जो विचोलिम गोवा में व्यित है (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5 सितम्बर 1985

कं प्रणी मा सम्मणित के उधिक बाजार ब्रुस्य से कम के इस्प्रमान प्रतिप्राल की लिए अन्तिरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि गथापूर्वों कत संपत्ति का उधित बाजार मूला, उपाई इस्प्रमान प्रतिप्राल में, एसे दस्प्रमान प्रतिप्राल का पन्ति प्रतिक्रत में, एसे दस्प्रमान प्रतिप्राल का पन्ति प्रतिक्रत में, अर्थ अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरित्रीतियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय माना नया प्रतिप्राल, निम्निसिचित उद्योग्य से इस्त अन्तरण कि विद्या में वास्तिक्रत क्या में क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हार किसी जाय की वावत अकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अकरक के दामित्य भें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए;
- ला) एसी किसी अप या किसी भग या अन्य आस्तिनों कार्य का कार्य अधिकार भौग्रियम, 1922 (1022 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के का उत्पाद कार्य अधिकार वाला प्रकृत कार्य का प्रकृत का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूर्विका की देशका

हात: अव., अक्त विभिन्नियम की शारा 269-ग के बनुसरण दी, भी अपन अधिपत्तियम की भारा 269-ग की स्पनाना (१) की अपने नियनलिखित व्यक्तियों, अथीत् :--- (1) हनुमान लंबडे हनुमान लंबडे अंड असोसिएटस मारचून बिल्डींग सेकिन्ड फ्लोर अपोजिट लोहिया मैदान मडगांव, गोवा।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी स्विदत्त म्रानंबसेण नियर शाता दुर्गा हायर स्कूल विचोलिम, गोषा।

(चन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोच्त सध्यत्ति के वर्षन ंकं कि कार्यनाहियां गुरू करता हु।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षण :----

- (क) इत सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यस्तियों पर
 सूचना की तासीन से 30 दिन की व्यक्ति, को जी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्च
 व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति दुवारा;
- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन को तालीय वे 45 विन को मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिख-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभेद्वस्ताक्षरी के पास निक्रित मा किए जा सकीयां।

स्थळीकरण ---- हसमें प्रश्वत सन्दों भीर पर्यों कर, की सक्य अधिनियम के जध्याय 20-क में यथा परिभाषिक हैं, वहीं भर्ष होता . उस सम्बास में दिका गया है।

प्रवृत्यी

(दस्तावेज सं० 505 दिनांक 5-9-85) ध्याप नं० 3 दि ग्राउन्ड फ्लोर ग्राफ दी बिस्डिंग श्रन्डर कंस्ट्रक्शन सिचुएटेड ऐट विचोलिम, गोगा।

> म्रार० भार**हाज** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-5-1986

प्ररूप बाह्रं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजन, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रैंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1986

निर्देश सं० डी० ग्रार० 831—श्रतः मुझे, श्रार० भारदाज,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च में अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट ए-1 है तथा जो पंजिम गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्जित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 सितम्बर 1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकल को लिए अस्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यभान प्रतिकल से, एमें दश्यभान प्रतिकल को मन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्वेदिय से उक्त बंतरण लिबित में गस्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के किए;

असः वय, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी, भी, उक्त विभिनियम की धारा 269-म की उपधारः (1) अ अभीत, जिस्तीनिकत स्टक्किक्

- (1) मैसर्ससैसा टावर्स एंड वीनर्स डॉ० डोमिगोस राक डे सश्रसा रोड पजिम, गोवा । (श्रंतरक)
- (2) श्री गोविंद केशव दुन्नी विहाइंड झुबेदा बेकरी हाऊम नं० 634 पंजिम, गोवा। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष क्या अस्य अस्तित क्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदाँ का, जो उक्त मीध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 506 दिनांक 5-4-1985) प्लाट नं० ए-1 सुनुवेटेड ऐंट पंजिम गोवा मेर्जारग 120 स्क्वायर मीटर्स ग्रान दी ग्राजंड फ्लोर (सं०नं० 276--277)।

> न्नार० भारक्काज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज, बंगलूर

तारी**ख**: 7-5-1986

प्रकल् आर्च्, सी, शून - क्या, -------

भाषकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६०-६ (1) को नभीत मुखना

प्रारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 मई 1986

निर्वेश सं० डी०श्रार० 843——श्रतः, मुझे, श्रार० भारकाज.

वानकर वीधनिवयं, 1961 (1961 का 43) (विश्व प्रवर्ध इसके परशाक्ष 'उनक वीधनिवयं नहा क्षता हैं), की पाक 269-या के नवीन सक्षय प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मस्ति, विश्वका उचित्र वाधार बूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 14 प्लाट्न है तथा जो बंगलूर स्थित है (और इससे उपात्रत ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधांन दिनांक 5 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्मारित के उपित वादार पूरव वे काम के अवस्थान प्रतिकृत को लिए अन्तरित को गढ़ और गुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यभाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिकास से अभिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरियी (अन्तर्शितमों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकास, विक्वितिक स्वृथिक से स्थल बन्धरण सिवित में राज्यिक स्थारण के जिल्ला में स्थल बन्धरण सिवित में

- हैंको सन्दर्भ में हुई कियाँ मान की नानका; कार क्रिक्टिक्ट में संगीत कर रोगे में सम्पर्ध में क्रिक्ट में क्यी करने वा क्यमें पंच मृतिया में सिक्ट क्येंग्रीम
- (व) ऐती किसी नाम मा किसी पर वा नम्म नास्तियाँ नो, विन्दू प्रारतीय तस्य-नद व्यक्तियम्म, 1922 (1922 चा 11) ना कन्तर वृत्तियम्म, ना पथ-भर निर्मायम्म, 1957 (1957 चा 27) के प्रयोकतार्थ जन्तिरसी क्ष्मरा प्रचक्त सही दिवस क्सा था ना विका वांचा वाहिन्द चा, किसाने ने प्रथिया के विद्याः

क्षतः पाव, उक्त वाधिनियम की धारा 269-न के अनुतरक यो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्रिकीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) मेसर्स श्यामा एक्सपोर्टस प्राईवट लिभिटेड 135 डां० ग्रानी बेसत रोड वोरलि बाम्बे-18। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्म बोरा एस्क्पोरटर्स प्राईवट लिमिटेड 135 डा॰ ग्रानी बेंसत रोड वोरलि बाम्बे-18। (ग्रन्तरिती)

को नह कुछना धारी करने प्रतिकत सम्मत्ति के नवीन ने दिल्ल कार्यनाहिनों करना हो।

क्या क्ष्मित में नर्पन के बंबंध में कोई की कार्यक ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विका गया है।

क्षत्र संचि

(दस्तावेज सं० 513 दिनांक 5-9-85) 14 प्लाट्स एंड कवर्ड पारकींग स्पीस शहन गरङन श्रेपाटैंमेटस काम्पलक्स एट बेंगलूर मेर्जारंग टोटल 19440 सुपर बिसेट श्रप एरिया स्पेस श्राफ 50 नं० 4020 स्कावायर मीटसँ (गरङन)।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज; बंगलुर

ता**रीख**: 7-5-1986

वस्त कहा, टी. एन, एस.

बाधकर बाधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) की अधीन स्वना

HIGH BESTER

कार्योक्षम, बहायक जायकर मायुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 मई 1936 निदेश सं० डी० झार० 862—-श्रतः, मुझे, श्चार० भारदाज

सामकार निर्धायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वस्तान 'क्लब अधिनियम' काल गया हैं). की धारा 269-व की अधीन संक्षम प्राधिकारी को , यह विश्वास करने का सारक हैं कि स्थायर संक्षित विजयत उचित वाजार मृह्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

हारे पृत्तीं नेस सभ्यक्ति को स्वीचत्त बाजार मृत्य से कम को क्स्स्मान बित्तकान के जिए अंतरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने काः कारण हैं कि सभाव्योंकत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य असको द्वासमान प्रतिफल से एंग्रे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अभिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अस्तिहितियों) के बीच एसे अस्तरण को सिए तम पाया ज्या शित्रका, निम्मनिचित्त उद्देश्य से उन्त अंतरण कि विश्व में बाल्यिक रूप से कथित नहीं किया बंदा हैं :--

- (का) अन्तरण ते हुई किती आय की बाबत, उक्त अधि-विश्व को अधीन कर दोने के बंतरक के वाबित्व में कवी करने या उससे व्यत्ने में अ्विधा के विष्यु, और/या
- (वा) एची किसी जान या किसी धन वा मन्य शास्तियों की, चिन्हें भारतीय सामक र विधिनवंत, 192% (1922 का 11) वा उथ्छ नीचिनवंत, वा धन-कर विधिनवंत, वा धन-कर विधिनवंत, वा धन-कर विधिनवंत, वा धन-कर विधिनवंत, 1957 (1957 का 27) वे अनेवनार्थ वन्तरिती व्वारा प्रकट तहीं किया नगा वा किया वावा वाहिर था, दिनाने में सुविधा वे लिए;

न्देश मन', उपन निधीनयम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, अपन अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) में अधीन, विकासिकत व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) फ्लोरेंस जोस श्रगनेला बाह्य नीयर चर्च गांता क्रूज ईलास, गोवा।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एस० रीयल इस्टेट शांला कूज ईलास, गीवा।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हु"।

इक्त सम्पर्धित को अर्चन को संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (का) इस स्वान के राज्यक में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की लगिंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील में 30 दिन की सर्वेष, जो भी जनिंध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुन हरा;
- (व) इस सूचना के राज्यपन में प्रकाशन की तारिश से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर संपरित में हित- बहुभ किसी अन्य अपिक्त इवास अपोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किए का सकींचे ।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधाणित हाँ, बही अर्थ होता, को उस अध्यास में दिया. गया हो।

ननुसूची

(दस्तावेज सं० 481 दिनांक 2-9-85) फलाट्न/णेरशन भाफ लैंड जो सर्वे नं० 108-120, इलहात, गांवा में स्थित है।

> श्रीर० भारद्वाज व्यक्तम प्राधि हारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारोखाः 7-5-1986

प्ररूप आहर्. टी. एत. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ के अधीन सुचना

भारत सरकार

सभयौतया, सहायक जायकर आयुग्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज बंगलूर

बेंगलूर दिनाँः 7 मई 1986

निवेश मं० डी० ग्रार० 877---ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

लग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 में ये अधिन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ही है, तथा जो नलोगाँव विलेज में स्थित है (श्राँर इतने उपायक यनुसूची में श्रौंप पूर्ण रूप से बर्णिय हैं), र्राजस्ट्रोकरण राधिनियम 1908(1908 रा रत) हो नधीस दिनौंक 5 नितम्बर 1985, बेंगल्य

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के निए उल्लिश्त की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उरके दरयमान प्रतिफल से ऐसे परयमान प्रतिफल का पंद्रह भितशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरए के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की वाबतः, उपत नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या तससे अपन में सुविधा के लिए; बीप/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुनिधा के लिए:

नत: उप, जकत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण कें, सें, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) कें नधीन, निम्मिन्निकत व्यक्तित्यों. स्थाति क्रु— (1) श्रीमना फर्भीनो ई पेरेरा एल्ड ग्रदर्भ केरंन करझालिम गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री रोताल्ड मास्कोरेतन, 33 लक-विव मिरामार. प्राचिम गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र थें प्रकारण की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्वेक्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त पावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीत्स्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे!

स्पाया करणः -- इसमें प्रयायत शब्दा और पक्ष का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 539 दिताँक 5-9-85), दि प्लाट नं० डी सुचवेटड एट एम०टी० दी। किनी तलेगाँव मेजरिंग, 2839 स्ववायर मीटरम।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्ट (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-5-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनौंक 8 मई 1986

निदेश सं० नोटील नं० श्रार० 1787/37 ईई/- -श्रतः मुझे, **भार**० भारहाज,

भारकर परिश्वित्रका १८७१ (१७७) का वक्क (जिसे इसमें पश्चात 'उटत क्षीर्थानवाम' कहा गया ही), की भारा 269-ज के अबीन अक्षम पांचकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित शाकार क्या

1,00,000/- ਤ. ਹੈ ਸਦਾਨ ਹੈ

भ्रौर जिसकी सं० वर्वे नं० 73/1 है तथा जो होम्मदेरन हल्ली, बेगर होव्ली, बंगलूर है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), र्यास्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीर दिनाँक 2-9-1985 को पूर्विका हम्पन्ति के उचित्र नाजार म्या ये जम के श्रव्यमान प्रतिकार को लिए अंतरिया को गर्ड ही कार रहा वह विख्यास करने का कारण तो 📨 यथापूर्वित्य पंपरित का उत्ति बाजार मुल्या, १ असे इहथमान परित्राय में, धेरी उम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिश्वात से ऑप्यक ही और अन्तर्यक्ष (अपराज्यों) और अन्त-रिती (अभितियों) के शेख एसे जनगण के लिए तम पाया गया प्रतिकार विकासिक उत्तर कराइक स उन्नर बनायम निर्मित में बारतिश्वक रूप से त्यीकत् बहीं विद्या तथा हो :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय अली वाबत. विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय कायवर अधिनियम, 1922 (1000 का 11) मा जलन अधिनियम, या कर सी िंग , 1957 (1957 新 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुनारा प्रकार नहीं गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिधा के लिए;

अतः अबः, अकतः अधिनियस की धारा 264 र के अनुसर्व मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीशिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) वी ग्वालियर रयान বিশিক म्यानुफैक्चरिंग (वोविन्ग) कम्पना लिमिटेड, बिरलाग्राम, नागडा 456331 (एम०पा०)।
- (2) में प्रस् नाल हान्त इंजोनियरिन निमिटेड 55, बुपेन चेम्बरन III फ्लार दलाल स्ट्रोट, बम्बई (बयरिन्ग 600, डिलटिक्ट गोर एस की स्रोनरस) (भ्रन्तरिती)
- (2) मेसर्स सुशी ट्रडिन्ग लिमिटेड 55, बुवेन चैम्बरस, III, फ्लोर, बलाल स्ट्रीट बम्बई (बैयरिन्ग) 40% डिस्टिन्कट पोर एस०को० श्रोनरस)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबिधी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो सबिभ बाद माँ सभाप्त होती हो , को भीतर पुर्वेक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इ.स. स्थना के राजपत्र म प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य वर्णास्त दयारा, अभांहस्ताक्षरी को पास निष्ठित में दिए दा सकेंगे।

रपष्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दा और पर्दो का अभिनियम के अध्याय 20-क भें परिभा-षित ही, बही लर्ध होगा शो उस अध्याय में विमागमा है।

(दस्तावेज सं०/1540/85 86, दिनाँक 2-9-85), सम्पत्ति है, जिसका नापना 2 एकरन श्रीर 20 गुन्टात (करीब 10180 स्क्वायर मीटरम्) श्रीर जिसमें डरेलिना युनिट्स स्रौर कोई स्ट्रक्चरम हे स्रौर जो पर्वे नं० 73/1, होम्मदेवनहल्ली, बेंगूर होक्ली, बेंगलूर सीत तालूक में स्थित तु ।

> प्रार० भारहाज ाक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलूर

तारी**ख : 8~5-·198**6

ाष्ट्र के प्राप्त प्रति । प्राप्ति विकास व

भायकर व्यक्तियम . 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

भावशिषा, सञ्चायक मायकार भागवता (विराधिका)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

बंगलूर दिनौंक 6 मई 1986 निदेश सं० 48444/8586→~ग्रनः मुझे, श्रार० भारक्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य $1,00,000/-\pi$. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० बेहुकेरी विलेज श्रम्मती ताड सौत कुरंग हैं, नथा जो शेगगिरि एस्टेंट 38 से 43 तक, 24/1, 24/2, 25/1 से 25/3 तक श्रीर 26/1 में स्थित हैं (श्रीर इसके उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण इप से विज्ञ हैं), रिस्ट्रिकरण श्रिधितयम 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 4 सितम्बर 1985, वीराजपेट को पूर्वोकत नक्षित के लिए के लिएत शाकार संलय में कार को खरमान प्रतिकत के लिए कर्नित भी गई है जोर वस्ते एह विश्वाद करने का खारण है कि लिए ही लिए ही जोर वस्ते एह विश्वाद करने का खारण है कि लिए ही लिए के लिए क

- (क) अंतरण न हाई किती आम की बाबत, उक्त अर्डिजियम के अभीन कार वोजे के कत्यरण के बाधित्य में आहे काहर का वससे असरे में इतिया को जाह, सर्वेन का
- (क) एंनी किसी बान या किसी कर वा बन्ध वासिसाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजार्थ अन्तरिसी प्रवाद प्रवाद पहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खियाते में सिविधा के लिए;

बतः अथ, उन्त जीवनिषय की बारा 269-न वे बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

- (1) राणी विव्यक्तान प्रवर्षी, चेट्टिनाड ट्रस्ट, जिसके प्रतिनिधि श्रो ए० आए० रामास्त्रामी चेट्टिनाड हीन राजा प्रकामनैपुरम, मद्रात 28।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) मेनर्स चेट्टिनाड प्लान्टेणस्य (पाईवेट) निविटेड, नं० 64 प्रारमेनियन स्ट्रीट, मद्रास 1। (ग्रन्नरितो)
- (3) कर्मचारी ग्रीर कोई लेक्टरन। (यह व्यक्ति जिनके, श्रिधमो में संपत्ति हैं)

का यह सूचन। सारो करके पार्तिश्व सम्पत्ति के अर्थन के निष्

ज्यता नेपीस से अवन के मजप भ' ऋष' भी बाभीय प्र---

- (क) इस लुकना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 50 कि को अविधि या तत्सवभी क्यं क्नामों पर तुभना की नामील से 30 दिन की अविधि, भी भी धनिए काद मों समाप्त होती हो, के भीकर मुर्गेक्स ना क्रिका दे में भागी व्यक्तित प्रमास्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमप्भ किन्तु कि कि कि कि सामार अभीवस्तकारी के पार किन्तु के किया का भक्ति .

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाविक हैं अहीं किले होंगे, को जब के खास में श्विका सकत थी।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 378/85-86, वि० 4-9-85), सम्पत्ती है जिसका सं० भर्वे मं० 38 से 43 तक, 24/1, 24/2, 25/1 से 25/3 कि और 26/1, को सेविटिए एन्डेट; बेहुकेरे विलेज, अम्मति नाड, सौ। कूरंग में स्थित है।

न्नार० भारद्वाज ाक्षम प्राधिकारी पत्ताबक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 6-5-1986

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिसाँक 6 मई 1986

निदेश सं० 48646/85-86---- प्रत: मुझे, श्रार० भारहाज,

बायकर अभिनिवम, 1961 (1961 का 43) विक्रवे इक्की इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा को अभीत सक्षम प्राप्तिकारी को, वह विवयान करने का कारण है। कि स्थालर सम्पन्ति, **बिनका उपित बाबार म्**स्व 1. dt/ 0007 m 🕝 अधिक हैं

ग्रीप जिलकी से० 72 (पर्वे नं० 72/1-3) है तथा जो कन्निगहाम रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिवियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 27 सिनम्बर 1985। , गाँबीनगर।

को गुकांवर राष्ट्रीचा को स्वीधन काराह स्वस्थ को स्वन की सरकाल करिएकः को निरुद्ध धनारिक को गई है और सुक्के वह विश्वास करने का अवस्थ हैं कि अभायमिय सम्परित का उषित बाबार मुख्य, उसके क्षाव्यकार प्रतिषक्त से, श्री**ने क्याबार प्रतिषक्त का पंदर्श** परिचात में स्थित में और करराया (बन्सरकों) और बंगीरती [बल्सिनिहर्ना ६६ क्षेत्र कृति क्रम्मग्रह के निरंहा सुद्ध प्र**धा भवा करि**न काल कियारिक में यह या प्राप्त के यावश्य काम काम है विश्वास की वहन्त्र विश्वास रूप से किशन नहीं किया गया है : ---

- कि अमतरम से हुई थिए सी बाद की बादस, अभिनियम के अभीत कर देने के संतरक में शामित में क्यी सर्व मा न बसे धनने भे ज़िया के विक (E) 对据
- (क्ष) ऐसी किसी बाव या किसी भन वा बन्य बास्टियाँ को, जिन्हीं भारतीय आग्रकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा भनकर मधिनियम, 1957 (1957 को 27) र्फ प्रदोजनार्थ अन्तरीरती व्याय प्रकट नहीं निस्सा गया या या जिल्ला अनता चाहित था. जिलाने औ मिवया में जिस्

एन० मल्होत्रा, नं० 46 शालोमार श्रपार्टमेन्टम नं० 3, हेमिस रोड कास, बंगलूर 25।

(1) श्रीमती बीना मल्होत्रा, बै जारुपीर एर श्रा पीर

(2) भूपतराय मी० शा, (1) नितिन मी मा, रणजोत सो० शा, 4 सुन्द्रोन सी० शा, नं ० 12, 5 मैन रोड, काल, गाँधोनगर, बंगलूर 1 (श्रन्तरिती)

को यह सच्या जारी कारको पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्धन के लिए कार्यवाद्वियां करता 💽 ।

उलत सक्तीत के मध्येत के सम्बन्ध में कोडी भी गामेण:---

- (क) इस स्थान को राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 विक की बयभि का सरसम्बन्धी व्यक्तियों पद न्यनाकी डाभीस में 30 दिन की अमेथि, की भी बर्गीय बाब में समान प्रांती हों, के बीतर प्रांक्य श्यिक्शको में है फिली व्यक्ति धुनाय;
- (क) इस स्वया के राजपत्र में इकाश्यम की दारीय वे 45 बिक को जी जर स्वयंत्र स्वराजाह सम्बन्धि में हित-**बबुध किसी** अन्त न्यक्ति गुगारा अपोष्ट्रस्ताक्षरी । ख रास जिल्लित से किए आ प्रकी ।

स्**रक्षांकरणः—इ**समें प्रयुक्त शर्मे और पर्दों का को उ**क्त** मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को सम सम्याम में दिया ----

दस्तावेज सं 1849/85-86 नि 27-9-85 सम्पत्ति है, जिसका सं० 72 (अप सं० 72/13), जो जो कन्तिनगहाम रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारदाज नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर

ब्यत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की दणपारा (1) के अभीच किल्लीनित स्वितियों, अर्थात् :---

तारीख: 6-5-1986

म्बर्ग्य आहें नुद्रील **एग** न **एस** न न न न न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन स्पना

साइत बहुकार

कार्यानयः, सहायक नायकर नायर्क (निर्दोक्तण) ग्रर्जन रेंज 1 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौक 30 श्रप्रैल 1986

निवेश सं० पी०श्रार० नं० 4227—-श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १69-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 21658 वर्ग मीटर + मकान सुरेन्द्रनगर में हैं। तथा जो सर्वे नं० 2768 स्रोर 2802 से में स्थित हैं (स्रोर इसके उपाबद्ध सनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजीस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बठवान में रजीस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908) का 16) के श्रिष्ठीन 13 सितम्बर 1985

- को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य ते कम के दरवमान प्रतिक ब के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकाल से एसे दरयमान प्रतिकाल का पंचह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के भिए;

जताः बाब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ,, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात प्र---

अतह बब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण

- (1) ठफरसी मुलजी चेरीटेबल ट्रस्ट टाकरसी चेम्बर्स, डोमी स्ट्रीट, फोर्ट-बोम्बे। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री लक्ष्मीफोटन ट्रेडर्स लिमिटेड, 10, डोमी स्ट्रीट, फोर्ट बोम्बे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वे कित संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क्ति में हित्त ब्रुभ किसी बन्म व्यक्ति व्यास क्योहस्ताक्षर! के पास निवास में किस का सकेंगे।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 17617.95 वर्ग मीटर+3041.24 वर्ग मीटर-मकान क्षेत्रफल 431.80 वर्ग फीट सर्वे न० 2768 घौर 2802 ग्रे सुरेन्द्रनगर में रिजस्ट्रेशन न० 3201/13-9-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाव

तारीख: 30-4-1986

मोहर:

12-106GI/86

प्ररूप आर्डे.टी.एन.एस.-----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, ग्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 भ्रप्रैल 1986 निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 4228-श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **परचात् 'उभर अधि**नियम' कहा गया ह**ै**), की धारा 269-ख के श्वीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करन का कारण है कि श्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० ग्रहमदाबाद में टी० पी० एस०-3एफ० पी० नं० 377-381 है तथा जो एस० पी० मं० 7ए जमीन 803 वर्ग रार्ड मराह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णितः है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-9-485

की पृथिका संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान िफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-ैन्द्री (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाका गया प्रतिफल निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में पास्त्रतिक रूप से कथित नहीं किया गया **ह**ै :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; मौर/या
- (चा) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियाँ को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए।

वात: अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, 🕝 उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा 🕩 े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :---

- (1) श्री शांतीकाल चंडूनाल गाह माधुर्य टेलीफंंन एक्सचेन्ज के सामने नवरंगपुरा, सरदार पटेल होलके नजदीक नवरंगपुरा श्रहमदाबाद-9
- (2) मधुसूदन सीनामीक और प्रन्य के०/ओ० मधुसुदन वेजीटेनल प्रोडक्टस कंपनी लिमिटेड गांव रिकाल तालुका दङ्गांम, जिला शहमदाबाद। (श्रन्त(रती)

ं का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारील ले 4 र दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों सुचना की तामील में 30 दिल की अर्काध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, क भीतर प्रांपक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाः;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्ट अध्याय में विश्वा गया है।

अनुसूची

एच० पी० श्रहमदाबाद में टी० पी० एस० 3 एफ० पी० नं० 377, 381-382-383 एस० पी० नं० 7 ए० जमीन 803 वर्ग यार्ड - | मकान रिजिस्ट्रेशन, नं० 10718/24-9-85 ਹੈ

> पी०डी० खण्डेलवाल नक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रह्मदाबाद

तारीख: 30-4-1986

प्ररूप बाहु . ही . एन , धृत . -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) में मभीन सूचना

भारत तरकार

ध्वयालय, अस्ययक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4229——श्रत: मुझे पी० डी० खंडेल्याल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात (अयत कामिन में बात गया है), की भारत १६९-इ. व अधीन स्थम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का त्रारण है कि स्थावर सम्भीत किसका उचित बाबार कृष्ण 1,00,000 (- एक. से अधिक ही

अति: णितकी नं जमीतं श्रह्मदावाद टी० पी० एस-6 एफ० पी० नं 325 है तथा जो क्षेत्रफल 700-65 वर्ग मीटर-840 वर्ग तार्ड में स्थित है (और इसके उपाबद्ध श्रमुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजीस्ट्रीकर्ता श्रक्षितारों के कार्यावय श्रह्मतायाः में रजीस्ट्रीकरण श्रिक्ष वियम 1903 (1908) का 16 श्रवीत 24-9-1985

की प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्रमान प्रतिफर. का लए अन्तरित की गई है और मुन्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्यान्त अपित का जीचत बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) जार अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की बाक्त, बक्त बिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिका, के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सूर्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नरेन्द्र वैनीभाई सुरती और भ्रन्य श्रमृत पार्क के पीछे त्रीकमलाल रोड के सामने विकासगृह रोड पालडी ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2) ग्रानंद ग्रपार्टमेंटस अंात्र्स एसोसिएसन घनश्यामभाई अंग्बालाल पटेल 'पराग' पंचवटी ग्रगोकपाडी एलीसग्रीज ग्रहमदाबाद।.

(भ्रन्तरिती)

कां यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता॥ हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की जनिथ मा तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की सनिध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

बब्स्याँ

जमीत प्रहमदाबाद में टी० पी० एस०-6 एफ० पी० नं० 325 एम० पी० नं० 4 सर्वे नं० 132/3+4 क्षेत्रफल 840 वर्ग यार्ड-700.65 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं 10662/24-9-1985

णी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1 भ्रहमदाबाद

दिनांक: 3,0-4-1986

अञ्चल । ब्राइर्ट, डॉ. पुरनः, पुरा _अन्तर-न-भाग्य

भावकर विश्वनिवसः 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के संभीन सूचना

प्राच्ये करकार

कार्याचन ह बहारक बारकर आयुक्त (पिर्देशक)

धर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4230--श्रत: मुझे पी० डी० खंडेलवाल

भावकर विधियक्त, 1961 (1961 का 43) (प्राचे इसमें इसके परपात् 'उन्नड अधिवियन' कहा गया हैं), की भारा 269--च के वधीन-दशका प्राधिकाकी को बहु विस्तास करने का कारण है कि स्थानर समेति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-फ़, से अधिक हैं

और जिसकी सं० एच० पी० श्रहमदाद में टी० पी० एस-3 एफ० पी० नं० 102 है तथा जो जमीन 425 वर्ग यार्ड + मकान 325 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इससे उपावद धनुसूची में में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती प्राधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधि- नियम 1908 (1908 का 16) श्रधीन दिनांक 21-9-1985

को पूर्वोत्रक बंधरिक को स्टिक्स बाकार पूरुप से कम को करनान प्रतिकास के किए क्षण्यिक की नहीं हैं। जार नृत्ते वह विश्वास कारने का कारण हैं कि वशास्त्रोंकर सम्परित का उपित वाकार पूर्व, उनके क्षयक्ष प्रतिकास से शेर्च कर्नान प्रतिकास का प्रमुख प्रतिकास से क्षिक हैं। और बाकरक (बाक्स्का) और बाक्षिती (बाक्यरितिका) के दीन पूर्व बाकरण के विश् वय बाबा नवा प्रतिकास में विकासिका उप्योगित ने जनत मेंग्लरण क्षित्रक में मास्त्रीयक क्ष्म ने क्षिक महीं किया गया है हैं—

> हिंद्यों जन्तरण वे हुई किन्द्रों बाव की बावजा, उत्तव अधिवयन के अधीय कर दोने के अन्तरक के बावित्य में कारी करने वा उसके वचने में सुविधा के सिद्धां और/वा

> (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क' जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नश्च अथ्, उन्य अधिनियंत्र की थारा 269-ग के अनुसरक में में, उन्या अधिनियंत्र की भाष 269-म की उपधाय (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, वर्षात् ::— (1) शान्ताबेन डाकोरभाई 20 गोपीनाथ सोसायटी थस्त्रापुर ग्रहमवाबाद।

(म्रन्तरक)

2) श्री हरीलाल मोहनलाल भरतकुमार हरीलाल 91/2 गीरधरगर शाहीबाग ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को बह सुमना थारी करके पूर्वीक्य सम्पत्ति से वर्षक के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

पक्त सम्मति के क्वींग के संबंध थें कीई भी भाषांच :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की समीध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिधा, जो औ समीच नाथ में समान होती हो, के भीतार पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीवर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति बुबारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकेंगें।

स्वक्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो सक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

एष० पी० ग्रहमवाबाव में टी० पी० एस० 15 एफ० टी० नं० 112 जमीन क्षेत्रफल 425 वर्ग यार्ड मकान 325 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 9894/21-9-1985।

पी० डी० खंडेलयाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 30-4-96

प्रक्ष बाह्र हो । एन । एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सकता

मारत तरकार

कार्यासय, सञ्चयक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4231—श्रतः मुझे, पौ० डी० खंडेलवाल;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के नथीन सक्षम शामिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एघ० पी० टी पी० एस० 20 पर सर्वे नं० 29 ए० 19+20/2 हैं तथा जो जमीन 592 वर्ग यार्ड + मकान ग्रहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भड़मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 11-9-85

को पूना कित सम्मति के उचित बाबार भूक्य से कम के इस्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे अवमान प्रतिफल का बन्द प्रतिशत से मिक है नौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पाग क्या प्रतिफल, निम्नितिबित उद्योग से उनत बन्तरण निवित में वास्तिक कम से कृष्य नहीं किया क्या है है—

- (क) बन्तरण संबुद्ध किसी कार की बावत, उक्स विधिवयम को सभीन क्षेत्र वेचे को अन्तरक को बाक्सिक में कड़ी करने वा उत्तवे वचने में सुविधा को सिद्ध; बौद्ध/बा
- (था) एसी किसी बाव वा किसी थन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोध-नार्थ अन्तिर्दिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए।

नतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में स्पीत, निम्मनिषद अधिकस्यों, स्पाद् ध--- (1) श्रीमती वीरमती बेन सी० शाह श्रीकान्त चंडूलाल शाह और अन्य (एच यू० एफ० के० कर्ता) 15 मानेक बाग सोसायटी श्रांबावाडी श्रहमदाबाद-15।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्रेमीयर्स मोटोमोबाइल्स लिमिटेड 92/93 मफर टावर 'एफ' कुफे परेड, कोलाबा, बोम्बे

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इस सूजना के राजपणी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की ताजील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाठ निविष्ठ में किए या सकोंगे।

स्वयम्बास्तरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया। मया है ।

अनुसूची

एच० पी० म्रहमदाबाद में टी० पी० एस 20 एफ० पी० नं० 18 जमीन क्षेत्रफल 478 वर्ग मीटर मकान रजिस्ट्रेशन नं० 10072/11-9-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारी**ख:** 30-4-1986

म्हार कार्य वी क्य . एक . ----

नामन्त्र वर्रियनिक्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से नभीन स्पना

सरक प्रकार

कार्याचन, बङ्गावक शानकर शानुगत (गिर्याक्षण)

धर्जन रेंज-1; बम्बई

बम्बई, दिनौक 30 अप्रैल 1986

् निवेश मं पी० ग्रार० नं० 4232--ग्रतः मुक्ते; पी० डी० खण्डेलवाल.

जायकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) (जिये इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हाँ), की भारा 269-क के वधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हो कि स्थावर सम्मारता, विश्वका समिता वाचार कुन्य 1,00,000/-रु. से संविक्त हाँ

श्रौर जिसकी सं एक पि० शहमदाबाद में टी० पी० एस० 3, एफ पी० नं 592 है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 791, वर्ग मीटर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं); रजीस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय शहमदावाद में रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक 12-9-1985

भी पूर्वे कित सम्पत्ति के स्वित मानार मूक्त से क्या के स्वत्वान शितफार के लिए मरारित की गई है और गुरु यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार गून्य, उसके दावमान प्रतिपान से, एने दावमान प्रतिपान का पन्द्रह प्रतिपात से मिक है और अन्तरक (मन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लिए का शामा पदा प्रतिपास, निम्नितिबत उद्देश से उसत अन्वरण विश्व कर से कामा पदा प्रतिपास कर से कामा प्रतिपास कामा प्रतिपास कर से कामा प्रतिपास कर से कामा प्रतिपास कामा कामा प्रतिपास कामा प्रति

- (क) अन्तरण ये हुन् किसी बाज की, बाबत, जनव किश्मियम को अभीत जर को के कलाएक के सायरब में कनी करने वा उससे बचने में बुविशा के खिए; बरेंद/का
- (उ) एसी किसी जान ना किसी पर ना क्य जासिकां को चिन्हों अरतीय आवकर जीवनिकत, 1922 (1922 का 11) ना उपता विधिनियम, ना कर-कर जीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती र्नारा प्रकट नहीं किया यना भा या किया जाना चाहिए चा, कियाने में तृत्रिजा के सिए;

बत: अब, उत्तर समिनियम की धारा 269-व के अपूत्रपण में, भी, दक्त संधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधोर, ज़िलासिका व्यक्तियों, अर्जाव :--- (1) दयन चीमन लाल गुजरात कालेज के पीछें अलीसक्रीज श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) सेजल कंस्ट्रकशन कंपनी भागीद र- सतीशचंद्र बीं शाह श्रौर श्रन्य नुतन सोसायटी के नामने गीता बाग के नजदीक पालडी श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यभाहिमां शुक्र करता है।

क्यत सम्मत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई की बाखेप रू-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर श्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सवास्त होती हो, के श्रीतर पूर्वीकड विकास में किसी व्यक्ति हुनाए;
- (व) दसत्वान के राव्यम में प्रकासन की सारकि है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विश्वकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोह्न्साकरी के पाप निवित्त में किस् का क्योंने।

अमुस्ची

एच० पी० श्रहमदाबाद टी० पी० एस० 3 एफ० पी० नं० 592 पैकी एस० पी० नं० 2 जमीन क्षेत्रफल 791, वर्ग मीटर मेनकान 125 वर्ग मोटर 3 रजिस्ट्रेंगन नं० 10112/12-9~1985

> पी० डी० खंडवाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 30-4-1986

इरूप वाह्र े. टी्र पूर्व ् इस्त्र्रा ्रा

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धास 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, उद्धावक जावकर आवृत्रत (निक्रिशण)

अर्जन र³ज-1, होन्डलूम हाउस आश्रम रोड, कार्यालय अहमदाबाद प्रहमदाबाद, दिनौंक 30 भ्रप्रैंच 1986

निर्वेश सं०पी० श्रार० नं० 4233---श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

नायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पक्षात् 'एक्स जिथितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकाकों को, यह किस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्ता क्षित्त बाजार नृत्व 1.,00,000/- क. से विधक हैं

और जिसकी सं. अंच. जी. अहमदाबाद टी पी अंस. 3 अंफ. पी. नं. 592 हैं। तथा जो पैफी जमीन 773 वर्ग यार्ड मकान 188 वर्ग यार्ड में स्थित हैं

(और इसके उपाबद्ध अनुमूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) अधिन 10-9-85

आधानयम, 1908 (1908) की 16) आधन 10-9-85 की क्लॉन्स सम्पत्ति के उत्त्वमान अतिकाल के लिए अन्तरिक की नई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्त्यमान प्रतिकाल से एसे उत्त्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गका अक्तिफल निक्ति उद्देश्य से उपता अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गवा है किन्तरण जिल्ला कि

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली आयं की सामत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी कक्ते या उससे बचने में सुविधा के शिष्टु; और/या
- (क) श्रेसी किसी वाब या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्या स्थितियों, अर्थात ह—

- (1) उदयन चीनलाले गुजराल कालंजफे पीछ लीसब्दीन अहमदाबाद। (ग्रन्तरह)
 - (2) अदिति बेनीफीशीपरी ट्रस्ट ट्रस्टी मतीष्चंद्र ब्दीलाल शार नृतन शोमायटी हो मामने गीता बाग के नजदीक जालडी अहमदादाद.

(अन्तरिती)

को कह तुष्यम बार्श करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्णन के लिए कार्यनाहियां करहा हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्फन के कब्दम्थ में कोई भी काश्रोप हू-

- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की मनिश या तत्सम्बन्धी स्विन्तयों पर सूचना की तामील हो 30 दिन की अहिंध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे किए स्विन्ध द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इतारा अधेहस्ताक्षरी के पाच जिल्लिस के किए का सकोंगे।

स्वच्छीकरणं:—इसमें प्रयुक्त कन्दों और वदों का, को उस्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित ह⁵, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

अंच. पी. अहमदाबाद मास्थित टा पी अंस-3 अंफ पी. नं. 592 पैकी जमीन 773 वर्ग मीटर भकान 188 वर्ग मीटर अंस. पी. नं. 3 रेजिस्ट्रोशन नं. 9939/10-9-1985.

पो० डो० खंडेंलवाल सक्षम प्राधिकारो पहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-1, ब्रहमदाबाद

दिनाँक: 30-4-1986

प्ररूप अला . टी. एन. इस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ण (1) के अधीन श्वमा**

भारत तरकार

कार्यासय, तहायक नायकर नाव्यत (निर्दाक्षण)

अर्जन रॉज-1, होन्डलूम हाउस आक्षम रोड, कार्यालय बहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौंक 30 श्रप्रैल 1986

ं निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4234--- प्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

नावकार विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देवको देवको परपात 'उपल किथिनियम' कहा गया ही, की पाछ 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारल है कि स्थावर सस्पत्ति, चित्रका उचित बाचार मृत्व 1,00,000/- रहा से स्थिक है

(और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) हैं और जिसकी सं. अलंकार धीयटर्स जवेरी चेम्बर्स रेल्वे स्टोशन

के सामने हैं तथा जो फालपुर अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर. सक्ष्म प्राधिकारी रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) अधिन 20-8-85 अहमदाबाद

को पूर्विक्त सम्बद्धित के उचित बाजार मृत्य से कान के कामकान गीतफल के लिए जन्तिन्त की गई आदि मुक्ते यह विद्धास करने का कारण है कि यथा- पूर्विक्त सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मृत्य, उसके बहरमनन प्रति-फल से, ऐसे दहरमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत के बीचक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच हो बंतरण के बिए स्व पाना गया प्रतिफल निम्निविक उन्हर्षक से उसते बन्तरण किवित में बास्तिक स्व से बियन महीं किया गया है "---

- (क) करूरण वं हुई कियी बाव की सावत, अवत विधित्यन के नभीन कर दोने के जल्दरक के वायित्य में कमी करने या असके बचने में सुविधा वे किस् कर/या
- (क) ऐसी किसी आज वा किसी भन वा अन्य आस्तिवों को, निक्इ आस्तिया आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधवार्य अक्टरियी इसारा प्रकट नहीं किया जना आ तिक्या जाना चाहिए था, कियाने में सिवधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) अलंकार अन्टरप्राइजीस 'नीशान' शाहीबाग अहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) प्रेरेना शांप्यसञ्जे अपार्टमेन्ट ओनर्स अपार्टमेन्ट असंकार थीयटर्स जवेरी चेम्बर्स रोल्वे स्टोशन को सामने फालपूर अहमदाबाद

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये ^अ कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :----

- (क). इत सृणना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सृजना की सामील से 30 दिन की बविध, को औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्विचयों में से किसी स्यक्ति इवाय;
- (व) इत त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध कि वी जन्म व्यक्तित ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात तिवित में किए या सकति।

स्पथ्वीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस सभ्याय में दिन्दा गया ही।

षनुत्रवी

अलंकार थीयटेर्स जवेरी चेम्बर्स रोखें स्टोशन के सामने अहमदा-बाद 37ईई दिनांक 20-8-85 को कारल किया।

> पी. डी. खंड लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

विनांक: 30-4-1986

मोहरः

प्रकथ नाड दी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के **अभी**न स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, हेन्डलूम हाऊस 'अश्वप रीड, ायिलय ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 30 श्रप्रैल 1986 निदेश मं० पी० श्रार्० नं० 4611---श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जमीन का दुकड़ा मी० एस० तं० 93 सर्वे तं० 4609 है तथा जो लूनसीफूई नपसारी में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबक्ष अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विजत हैं), रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद नपसारी में रजीस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाँक 17-9-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलियत व्यक्तियों, अथिता :--- 13—106GI/86

- (1) दीनशा दाबी चेरिटी ट्रस्ट ट्रस्टी श्री श्रर्च जमशेवजी पटेज लश्करीबाड़ मोटा फलीया नवसारी। (श्रन्तरक)
- (2) मजड़ा इस्टेट ग्रीर फारनान्य प्राइवेट लिमिटेड सर जे० जे० गोपींग सेन्टर पाँच टाटडी नपसारी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो, भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त प्रक्रियाँ में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर पूर्विक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वयस्य

मब रजिस्टरार नवसारी रजिस्ट्रेशन दिनांक 17-9-85 को ब्रोकीवन रजिस्ट्री कीया है

> पी० डी० खंडेंलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

दिनांक: 30-4-1986

प्रकृप आहें. थीं. एवं. एखं. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 श (1) के अभीन सुकता

मारत बरकार

बायक र मिंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिन द्वाचें इसकें पण्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम अभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संव प्याट नंवा । और 92, उमी सोसायटी में हैं तथा जो जेतलपुर बडोदा में स्था। है (और इसकें उपाबद अनुसूत्रों में और पूर्ण का ने विशान है), रजीस्ट्रीकर्ता

धिकारों के कार्यालय 137ईई फाईल किया बडौदा में एर्ज स्ट्री-

करण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धात दिनांक

9-8-1965

की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाचाद भूरव से कन के करवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिक कल निम्नसिचित उव्योध्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तविक क्या से किया गया है हि-

- (क) मन्तरण ने हुई किसी नाम की बाबत उचत वॉथ-रिम्म के म्पीन कर योगे के बन्तरक के दाधित्व में कामी करने वा बखते वथने में बृतिभा के किए: बॉर/वा
- (क) एंबी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, विन्हें नारतीय वायकर विधिनियन, 1922 (1922 को 11) या उक्त औपनियम, या पन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ क्लारिती ब्वारा प्रकट वहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा न्दें सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) राजेन्द्र धरिषस्य युमार किला चंद भक्तावर विल्डिंग कीलाया बाम्बे-5

(इल्सरक)

(2) श्री प्रमोद पञ्चालाल गुण्ता और अन्य सरुधम जंगता ले। तिपिया राउ, बाम्बे-400006 (अस्तरिती)

की यह सूचना बारों करके पृथांकत सम्मत्ति के अर्थन के निए आर्थवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्ण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा धकींगी।

स्थव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फॉर्म नं० 37ईई दिनांक 9-8-1985 को फाइल किस है। कुल कीमा २० 1000000/-

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्शक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 15-4-1986

माहर:

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज--1, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 15 श्रप्रैल 1986 निर्देग मं० पी०शार० नं० 46₹3----श्रतः मुसे, पी० डी० खंडेलथाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आँए जिसकी संव जमीन का दुवड़ा और महान एस आएव नंव 134352 है सथा जो पादरा जिला बडोदा में स्थित है (ऑर इससे उपाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण का से विणत है), एजीस्ट्रोजनी जिलिकारी के कार्यालय बडोदा में रजीस्ट्री-करण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29-11-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ग्रीसफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निक्तिचित उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित्त में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया मना है क्रमा

- (क) अन्यरण से हुए जिसी जाय की बादस, उक्स मिनियम के सभीन कर दोने में अन्तरक में वायित्य में करने या उससे मचने मी सविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिया को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर ऑबिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किया स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ण सौ अनुसरण भ्रें, भ्रें: अक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (४) के सभीत, निस्तिसियत स्यक्तियों, वर्षात थ्रें— (1) हाजीपानी ह्वाबाई दाउदभाई 35, प्रहणीदय सोसायटी श्रलंकापुरी बड़ीदा।

(अन्तरक)

(2) लिबर्टी अन्स्ट्रमगः और लीसिंग प्राइवेट लिमिटेड 'अरुणादय सामाधर्टी अलंकापुरी बड़ोदा।

(अन्तरिती)

कार यह सुचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उस्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस न्यान के राजपन में प्रकासन की तारीस है 45 दिन की सर्वाध मा तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर सुचना की तासीस से 30 दिन की अवधि, यो औं सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थानत हुनाए।
- (स) धरा सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अम्मित में हितवपुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए का सकीयी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

जन्स् ची

सब रिजिस्ट्रार बड़ादा रिजस्ट्रेशन दिलांक 29~11-1985को बिकाबन रिजस्ट्री किया है। कुल कोमन ६० 5,00,000/-

> पी॰ डी॰ खंडेलचाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶6, श्रहमदाबाद

दिनांग: 15 -4-1986

श्रुष्य बाइं.टी.एन.एस.-----

बायक स्विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) 'अर्जन' रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 श्रप्रैल 1986 निर्वोग सं० पो० श्रार० नं० 4614---श्रत: मुझे पी॰ डो० खंडेलघाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जमोन का हिस्सा श्रार० एस० नं० 621 है था जो गोरवा बडोदा में स्थित है। (और इसके उनावत अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजीस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजीस्ट्रोकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-191985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से एसे द्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः वद, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्षासः :--- (1) छोताभाई वर्जीमाई पटेल और अन्य टीम्बा खडको गोरवा, बड़ीदा

(अन्तरक)

(2) भाग्यलक्ष्मी को० आ० हा० मोसायटी गोरघा बडौदा।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मिक के अर्थन को सिए कार्यवाहिया करता हो।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी बन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

सब रिजस्ट्रार बरोडा रिजस्ट्रेशन दिनौँक 2-9-85 को ब्रीफीखत रिजस्ट्री किया है। मूल्य कीमस रु० 7,12,620/-

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांकः 15-4-198**6**

मोहर ।

प्रक्रम आहें, टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यातयः प्रहायक बायकर ब्रायुक्त (निज्ञीक्षण) धर्णाः रेज-ा, ध्रह्मदावाय

प्रहमदाबार, दिसंक 15 पर्रैल 1985

ि विदेश सं ० पी० भाष्ठ नं ० ४३१**५** -- श्राः, सुने,

पी० डी० खंडेलवान

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अंदि जिसकी संव शेष्ठ नंव 375/3 जीव जीव द्वार है। सीव इस्टेट हैं स्था जो उमरगांच गुजराम में स्थित हैं (और इसते उपावद्ध प्रमुखी में ऑप पूर्ण कर ने प्रणित हैं), रजोस्ट्रीकर्ता पिधिवार के द्यायालय 37ईई में फाइन फीवा में रजीस्ट्रीयाण प्रधिविधम 1908 (1908 भा 16) के अबीव दिसंक 5-8-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें बास्सविक रूप से किथत नहीं कया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिनियम में कनी करणे या उससे अचने में तृषिधा दामिल्य के निष्; और/बा
- (क) एसी किसी शाम या किसी थन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय भाग्य-कर अभिविद्यम, 1922 (1992 का ११) ६० किस अमेरिकास, १० अने अमेरिकास, १० अने अमेरिकास, १० अने अमेरिकास, १०५७ विकास कर अस्ति किस स्था अस्तियां अस्तिती दृष्टारा प्रकर नहीं किस स्था भा या किया जाना वाहिए था, श्रिपाने में सुविध के तिकः;

कतः वन, उक्त कीथिनियम की भारा 269-ग के अनमरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) हे अभीतः जिस्तिवित राष्ट्रिकार अधितः :---

- (1) ससमं संजीव स्टील पुम्स ग्रेड नं० 275/2 जी० प्राप्त दी० गो० इस्टेट उमन्योप (गुगरात) (श्रन्तरक)
- (2) भाई लाल एम० मिस्या और अन्य 275/2 जी० आई० डी० मी० इस्टेट उमानांष, गुजरात। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन की अविधि या तत्सन्त्रकिंगी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी नकी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सर्वोते।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया क्या है।

नगुसूत्री

फार्म नं० 37ईई दिनांक 5→8-1985 की निभ्न सक्षम प्राधिकारों की शाफिस में फाइल किया **बिकी ख**न की मुका कीमन २० 650000/-।

> पी० डी० खंडेसवास सक्षम प्राधिका**री** सहायक प्रायकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज--1, श्रहमदाबा**द**

दिनांक: 15-4-1986

मोहर ।

प्रसम् बाह्मी, टी. एव एस ---------

आयकः विभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन संख्या

भारत सरकार

कायका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस क्या केंद्र प्रकार पर्यात पर्यात कार्या कार्या हैं), की वार्य 269-% के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० ग्राँठवाँ ग्रौर नवाँ मंजला एफ० पी० नं० एफ० पी० नं० एफ० पी० नं० 26 टी० पी० 2 गोरवा बडोदा में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजीस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यीलय बडोदा में रजीस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1808 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनौंक सितम्बर 1985

को पूर्नोक्त बन्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रावमाय प्रतिफल के मिए अन्तरित की नह है और मृक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि सभावबाँक्त संपत्ति का उचित बाजार भूभ्य, उसके क्रायमान प्रतिफल सो, एसे क्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रविक्तत से विध्वक है और बंदारक (जंतरकार) और बंदारिकी (वन्तरितियाँ) से बीच एसे बन्दरम से किए तब पत्ता क्या प्रकिन्धिस निम्नीकित सक्ति विद्या से क्या वन्तर कि विद्या के विद्या के किए तब पत्ता क्या प्रकिन्धिस विद्या के किए तब प्रवास के वास्त्र-

- (क) अम्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत असत अधि-विकल् के स्थीन कर दोने के कलारक के दाविस्त में क्षी करने या समये क्षा में जुन्सिया के लिए; बार/या
- (च) ऐवी किसी बाव वा किसी पत्र या बन्न वास्तियों की, जिल्हें भारतिम कान-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत विधिनयम, का वन कर व्यथिनियम, का वन कर व्यथिनियम, का वन कर व्यथिनियम, विविध्य कर व्यथिनियम, विविध्य कर व्यथिनियम, विविध्य करा वा विविध्य क्षाना वा विव्या क्षाना वाहिए था, विधान के स्विध्य की विद्या

वतः वन सकत विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक हो, मी, उकत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अ वधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) म्रार० बी० कन्स्ट्रक्णन भागीदार फरीदभाई सुगोल भाई शाह म्रौर म्रन्य 35/209 विजय नगर नारायणपूरा महमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) हिंदुन्स्तान मोटर्स लिमिटेंड $\theta/1$ श्रार० न० मुखर्जी रोड, कलकत्ता 709001

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत संपरित के अर्जन के जिस् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त कम्मिति के वर्षन के संबंध में कोई भी वालेंप :---

- (क) इस नुवना के राजपव में प्रकावन की ताड़ीय है 45 दिन की जबीध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की जबीध, को भी क्षि नवधि नाव यो समाप्त होती हो, के भीधर पूर्वोक्ट अपन्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्मति में हितबह्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वार वशोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकनें।

श्वच्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, वी अच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गया हाँ।

वम्सूची

सब रिजस्ट्रार बडोवा रिजस्ट्रेशन दिनाँक सितम्बर 1985 को ब्रीकीखन रिजस्ट्री किया मूल्य कीमत 821000/-

> पी० डी०खंडेंलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे⊸1, प्रहमवाबाद

विनौक: 15-4-1985

प्ररूप आह⁴.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत वस्कर

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रह्मदावाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 15 स्रप्रैल 1986

निदेश सं० पी० श्राग्० नं० 4617~-श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलयाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करों का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन तीजा चौथा श्रौर गातवाँ मंजिल, पर है तथा जो सर्वे नं० 76 टी० पी० 2, एफ० पी० 60 गोरवा बडोदा में स्थित है (श्रौर इनसे उपानब श्रमनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप में वर्णित ह), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बडोदा में रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 10-9∼1985

कां पूर्णिकत क्रमित के जीवत नाजार मूक्य में क्रम के क्रमित क्रियास करते का का क्रमित के निष् कंडरित की नहीं हैं और मूझे यह विक्तास करते का कारण हैं कि नकापूर्णिकत कल्पित का उपित नाचार मूक्य सिक्ष क्रमित का पत्रह सिक्ष का पत्रह शिवा के मिक्स का पत्रह शिवा के मिक्स हैं नीर कन्तरक (अन्तरका) मीर कन्तरिती (जन्तरितिका) के बीच होते कन्तरम के सिक्स त्य पाम क्या हिष्कत, विक्तिक्तिकार स्कृष्णित स्वयं कन्तरण जिक्ति में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया हैं :----

- (क) बन्ताह्रम् वं हृष्टं किसी शास कां गान्ध्व, उनक विचित्त्वस्य वं वसीय क्षत्र को से बन्तर्थ के सावित्य में कारी कारने या उत्तर्थ वसने में सुनित्या के लिए: गीर/या
- (च) एंबी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों करो, जिन्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इस्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, डिपाने में नृतिथा के दिन्छ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रार० बी० कन्स्ट्रकणन भागीकार फरीदभाई मुशील दास णाह श्रीर श्रन्य 35/209 विजय नगर नारनपुरा श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान मोटर्स लिमिटेंड 9/1 श्रार० नं० मुखर्जी रोड, कलकत्ता 700001

(श्रन्तरिती)

का गह स्वता कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन की लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त भंपत्ति नो अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इत सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील रो 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में रो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की ठारीध हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थानित द्वारा अभोहत्ताक्षरी के पास विक्रित में निगर या सकतेंगे।

स्वयक्तिसम्बद्धाः स्थाने प्रभूकत सक्यों जीद पर्यों का, जो स्थस विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं स्थैं होगा यो इस अध्याय में दिया भेदा हैं कि

अमुस्ची

सत्र रिजस्ट्रार बडोदा रिजस्ट्रेशन दिनाँक 10~9~ 1985 को दिनाँक बीकीखत रिजस्ट्री किया मूल्य कीमत 1421,000

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिका महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 15-4-1986

प्रकार भाइं.टी. एव. एस. . -------

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा थारा 269-स (1) के अधीन सूचना

y Landon Control (1991) and a substitution of the substitution of

भारत सरकार

कार्थालय, तहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षन)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँग 30 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4618--श्रतः मुझे पी० डी० खंडेंनवाल

नायकर नृभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इसके पश्चाल 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्तम प्राभिकार' को, यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थान्द सम्पत्ति, जिमका उचित नाबार मुक्त 1,00,000/-छ से अधिक हैं

और जिसकी संव सर्वे नंव 76 ही पीव एसव 2, एकव पीव नंव 60 पाँचवा है तथा जो छठा और सत्तवाँ मनला गाँव गोरवा में स्थित है (और इन्ने उपावड अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से विणत है), रजीस्ट्रोकर्ता अधिकारी के हार्यालय बडोदा में रजीस्ट्रीकरण अधितयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनौंक सितम्बर 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मुक्य से कम के रश्यमान प्रतिपत्त को निए बन्तरित को नहीं है जीर बुक्ते बृह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से ऐसे दश्यमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिवात से स्थिक है जोर अन्तरिती (बन्तरितिक्त) के बीच एसे बन्दरम् के किए बन पाना प्रया मृतिक्ता, निम्मविद्यु उन्दर्भ से उनक् अन्वरण जिल्लिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (म्ब) अध्यक्ष्य वं हुवं पित्रवी साम क्ष्मी बाबत, उपत स्थितिम्ब में स्थीप क्षक्त योगे के अन्तरक के सामित्य को कामी कराये वा स्थाप स्थाप को सुविका को सिए; बॉर/वा
- (य) होती किनी बाय वा प्रियो प्य या ब्रम्य वास्तिको का, जिल्हें भाउतीय भाष-कह विश्वविषय, 1922 (1922 का 11) या जक्त विश्विवय, या भन्कर विश्विवयय, या भन्कर विश्विवयय, 1957 (1957 का 27) के जमोबनार्थ वृत्सीरती बुभारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना जाहिये था, जिल्लानं मां म्यिथा के विद्या

बत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपूसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् :---

- (1) श्रार० बो० कन्स्ट्रक्शन भागोदार फरीद भाई सुक्षील दाप शाह श्रीर श्रन्थ 35-209 विजय नगर नारनपूरा अहमदाराद।
 - (2) हिन्दुस्तान मोटर्म लिमिटेंड 9/1 श्रार० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता 7000001 (ग्रन्तरिती)

स्त्रे बहु शृचना पारी करके अमें अनु मध्यित के सर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त शुरुशीरक को अर्जन के सम्मन्थ में कोई भी बाक्रीय:--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच हैं
 4.5 जिन की व्यक्ति ना सत्त्रक्ष्मी व्यक्तिकों पर
 सूचना की तामीन थे 30 दिन की व्यक्ति, वो भी
 अवित्र साथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति
 भ्यान्त्रकों में हे किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इब सूच्या के राज्यम् में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन में भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसम्बर्ध किसी मृज्य व्यक्तित ह्यारा म्थाइस्ताक्षक्षी भी शक् जिसित में किस का द्वारा में

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार बडोदा रजिस्ट्रेणन नं० 6274/1 10∽ 49-1985 ब्रीकीखत रजीस्ट्री किया है।

> पी डी० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनौंक: 15-4-1986

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनाँक 30 श्रर्जैल 1986

निदेश सं० पी० ग्राप्त नं० 4619/ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जमीन स्रौर इंडस्ट्रियल रोड, सर्वे नं० 196/1 स्रौर है नथा जो 156/2 मंफेरडा सीम में स्थित है स्रौर इससे उपायद्ध सन्सूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजीस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय बडोदा में रजीस्ट्रीकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनौंक 6-9-1986

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए उन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक, रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: इ.ब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क्टे उपधारा (1) के अधीन निम्हित्यित व्यक्तियों, अर्थात् '—— 14—106GI/86 (1) भगवान भा^द देवो तिभाई राठोर श्रीर श्रन्थ पूनम ग्राथार्टमेंट वर्ग्ना वास्त्रे।

er il lællig entri er er er

।(ग्रन्तरक)

(2) पटोडीया इंटरप्रारोजेन पायवेट लिमिटेंड एन० एच० 8, 10 संकेरडा बडोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यताहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधंहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो जक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में 'परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

सब रिजिम्ट्रार बडोदा रिजिम्ट्रेणन दिनौंक 6-9-1985 को बीक्रीखन रिजिम्ट्री फिया है।

> पी० डो० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायह आसाहर अस्त्रकृत (निरीक्षम) अर्जन रेंज-1, अहमदागद

दिनाँक: 30-4-1986

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी भारा 269 के (1) के बधीन सुचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 30 श्रप्रैल 1986

निदेश मं० पी० भ्रार० 4620--श्रतः, मुझे पी० डी० खंडेलवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु⁸), की धार 169 व के अधीन सभाम प्राधिकारी को रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान ग्रीर जमीन पेटलाद में सर्वे नं० 875 है ग्रीर 8886, ग्रीर 887 में स्थित है (ग्रीर इससे पाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजीस्ट्रीकर्ना ग्राधकारी के कार्यालय पेटलाद में रजीस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 27-9-

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मुभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरको) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य गया गया प्रतिफल, निम्निनिक्त उद्दोक्य में उत्तर अन्तरभ भागत में शास्तिया है।

- 'क) अन्तरण संहुद्दं फिनी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम के बुधीन कर दान के अन्तरक र्थ शिवित्व सो कामी करने से नक्षण रूपने में स्रोतशा अस्तरहः और या
- (का कि की अध्य का कि सो अभ का अव्य का कि की का, जिन्हों भारतीय आय-कार सी भी त्यक्ष, 1922 (1922 का 11) या जिन्त आधीन का, या वित्त की धीन का, या वित्त की धीन का, या वित्त की धीन का, 1957 (1957 का 27) के प्रवासन के अन्त रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया आता साहए था, विद्यान के वा वा किया आता साहए था, विद्यान के लिए

्त अप. उच्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ ही उपधारा (1) कुअधीन, निम्नलिस्टित व्यक्तियों, अर्थात :—→

- (1) द पेटलाद टर्फी रेच दाय वर्कम पेटलाद। (अन्तरह)
- (2) द पेटनाद कमशीयल को० ग्री० बैंक पेटलाद शिला खेड़ा।

(अन्तरितो)

को सह सूचमा चारी करके प्यॉक्त संपत्ति को अर्थन के जिला कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उत्तर संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं ब 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से सिहसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए वा सकति।

स्यष्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त क्षेत्रों और पदों का, को अक्क्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ हांगा वो उस अध्याय हो दिक

अनुसुची

सब रिक्ट्रिंग्स्पुरत रिक्ट्रिंगन नं ० 1640/27- 9- 1985 की क्रिकोखन रजीस्ट्री किया है।

पी० डो० खंडेलवाल ाक्षम प्राविकाणे, लहानक प्रायक्त अलुक्त (निलेक्षण) श्रावैन जेंज- H, प्राहमदाबाद

दिनाँक: 30-4-1**9**86

प्रस्प आहें. शी. एन . एक . -----

मायकर जिभिनियम, 1961 (1961 था 43) की भार 269-थ (1) के जधीन सुमना

भाउन सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनौंक 30 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4621—अप्रतः मुझ, पी० डी० खंडेलवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने मसमे एसके परचात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारों की, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मजरगट के र दें नं 1401 में 1403 है तथा जो एक पी जं 2,13 हरी नगर बंगला नं 1, सूरत में स्थित है (श्रीर इनमें उपाबद्ध श्रमुम्बी में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रजीस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 2-9-1985

को पूर्वे किस सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान श्रीतकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्मह प्रतिहात में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्निसिवाद उद्देष्य से उक्त अन्तरण शिवित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाौयत्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ड) क्यों किसी बार वा किसी धन या बन्य कारीसारण को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया चाना चाहिए था. जिमाने में सर्विभा के बिक्ट:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) जयचंद भाई जिलोक चंद शेटी मजूरगेट सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) दलीय एस महता,बाराट श्रपार्टमेंट श्राथवार्ॄेगेंट सूरत।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थानी जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हैं:

उक्त गम्पत्ति के सर्गन के सम्भन्ध में कार्रें भी आक्रोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तारील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर सक्ष स्थावर संस्थित में हित्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी में पार विश्व मों किए या सकों ने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वसी अर्थ हारेस को जस कथ्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

सब रिजस्ट्रार सूरत रिजस्ट्रेशन नं० 2581/2-9-1985 बीकीखत रिजस्ट्री किया है।

> पी० डो. खंडेलबाल सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-, श्रहमदावाद

दिनौक: 30-4-1986

प्रकृष आहाँ टी. एन. एक. ------

मामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से जभीन स्चना

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजींन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 30 भ्रप्रींल 1986

निवेश सं० पो० श्रार० नं० 4622--श्रतः, मुझे, पी० डी० खंडेसवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्तर्भ इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्वमित, जिसका अधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० जभीन गांत अंडा हा तालुका श्रंफलेन्धर हैं तथा जो जिला भरूच में स्थित हैं (ग्रीर इनसे उपाबद्ध अनसूत्री में श्रार पूर्ण व्याप में विणित है), रजीस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रंकलेण्यर में रजीस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनाँक 5-9-1986 को पूर्वाक्त सम्परित के अचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यमान प्रतिफल का पृत्रह प्रतिकर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिशिश उष्ट्विक्य से उसत अन्तरण निवित से अस्तिक रूप से किया गया है हैन्स्य

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की नायत, उक्त कर्ध-नियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए, बार्-या
- (च) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, स्थिपान में सुविधा के लिए;

अतः अस, जक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इं स्पीन, निम्निसित स्पृक्तियों, स्पृत्ति हिल्ल (1) महाबीर श्रीगिनाइजर श्री भाई लाल भाई रणछोड़ पटेल भाई वडोदरा।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स महेग डवलोपर कंपनी (ग्रार० एफ०) गोरवा घरोडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यजाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में से किए वा सकेंगे।

स्मध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस क्षेत्राय में दिसा गया है।

मगसर्ची

सब रजिस्ट्रार ग्रंकलेश्वर रजिस्ट्रेशन नं० 2084/5-9-1985 को बीकीखत रजिस्ट्री किया है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

दिनाँक: 30-4-1986

मोहरः

प्रारूप बार्ड, टी. एन. एस्. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

प्रर्जन रेंज-II, प्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मप्रल 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4623—श्रतः मुझे, पी० डी० खश्चलवाल

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) हीं के कार्ने इसके वरवात् 'चकत् विविधय' के क् वंश ही, की धाक 369-व के वर्षा वक्षय माधिकारी को क् विकास करने का कारण है कि वासह प्रमुख्य, विकास उचित वायाद मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संव बंगला श्रयवा लाइन्स पर लाल बंगला
के पिछे हैं तथा जो वाई श्रयवा नोंध नंव 167-बीव सूरत
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप
से बाँगत है), रजीस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16)
के श्रधीन दिनाँक 6-9-1985

का पूर्वाचत संपत्ति के अपिय वाधार मूम्ब से क्यू के कानाम मितिकात की नहीं है बार मूखे वह विकास करने का कारण है कि अधाप्तोंक तंत्रति का उपित वाधार मूख उसके श्रथमान प्रतिकात से, होसे क्याना प्रतिकात का वन्त्र मितिकार से विकास को वन्त्र मितिकार से विभिन्न हो और वन्त्रारक (वन्त्रारकों) और वन्त्रारती (वन्त्रारिकार) के वीच ऐसे सन्द्रारण के बिष् तय पाना नवा शितकात, निम्नितिका उद्देश से स्वस् सन्द्रारण निविद्ध से ग्राह्मविद्ध कर से विभिन्न से ग्राह्मविद्ध कर से विभिन्न से ग्राह्मविद्ध कर से विभिन्न स्वाह कर्म से विभिन्न स्वाह कर्म से विभन्न से विभन्न स्वाह से विभन्न स्वाह कर्म से विभन्न से विभन्न सिक्त से विभन्न स्वाह से विभन्न से विभन से विभन्न से विभन से विभन्न से विभ

- (क) बन्यपुरूप से हुए किसी नाम की बावस्त, क्या व्यक्तित्व में बन्धीय कह दोने ही बन्धरक की बावित्य में कभी करने या उन्हें बन्धने में बृत्यिका के किस्; बीट्र/या
- (क) एँती किसी नाम ना किसी भन ना नन्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय भायकर निर्धानसम्, 1922 (1922 का 11) या उनत निर्धानसम्, ना प्रयोजनार्थ नंतरिती इनारा प्रकट नहीं किया नना भा या किसा भागा चाहिए चा, कियाने में सुनिधा से प्रिक्षः

जतः अब, ६५। जभिनियमं की भारा 269-गं के अन्सरण पंगी अक्त अधिनियम की भारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री जे ० प्रमयेश के दिनाई व लाल बंगला के पिछे प्रथवा लाइन्य सूरत।

(प्रन्तरक)

(2) भरत ठाकर दाय रोड, प्रभुदुर्शन श्रपाटं मेंट ग्रथमा लाइन्स सूरन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी आक्षेप :-

- (क) इस मुख्या को साजपण में प्रकाशन की राजीय ने
 45 दिन की बर्वाध या सर्वाध क्यानिस्माँ प्र
 सूज्या की सम्बद्धित के 30 किन की व्यवध्य, को की
 कामीय काद को समाप्त होती हो, को भीतार प्रविका कामीय काद को स्वास्त होती हो, को भीतार प्रविका कामियाओं में से किसी व्यवस्था स्वास्त
- (स) इ.स. भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिसित में किए जा सकेंगे।

अनुस्ची

सब रजिस्ट्रार सूरत रजिस्ट्रेणन नं० 4683/6-9-1985 को ब्रीकीखत रजिस्ट्री किया गया है।

> पी० डी० खंडेलयाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸II, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 30-4-1986

मोहर:

·UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 30th April 1986

No. P/1561-Adun. III.—Consequent on his having been selected for appointment to the post of Assistant Vigilance Officer in Delhi Electric Supply Undertaking on deputation in the pay scale of Rs. 1000-1850 for a period of 3 years, the services of Shri Krishan Lal-II, a regular Section Officer of Union Public Service Commission, presently officiating as of Union Public Service Commission, presently ometating as Desk Officer on ad-hoc basis, are placed at the disposal of the Delhi Electric Supply Undertaking with effect from the afternoon of 30th April, 1986 with instructions to report to Shri A, J, S, Sahney, Administrative Officer (General) D.E.S.U., Shakti Sadan, Shakti Marg, New Delhi immediately thereafter.

M. P. IAIN

Under Secy. (Per. Admn.) Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 22nd May 1986

No. 2/10/86-Admn.--km. Sushma Choudhary, IAS (I&K: 1969) who was on deputation in this Commission as Director is hereby relieved of her duties in this Commission with effect from 8th May, 1986 (afternoon) and her services are placed at the disposal of the State Govt. of Jammu and Kashmir with immediate effect.

> MANOHAR LAL Under Secy. (Admn.)

for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOMF AFFAIRS

CENTRAL BURFAU OF INVESTIGATION

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110003, the 22nd May 1986

1-27/81-CFSL/4254.-- In continuation of notification No. 1-27/81-CFSL dated 16-10-85 the President is pleased to appoint Dr. S. K. Lahri, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr. II), (Lie-Detector) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I. New Delhi w.e.f. 1-4-1986 (FN) on ad-hoc basis for a further period of 6 months or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier.

> D. P. BHALLA Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF New Delhi-110003, the 17th May 1986

CORRIGENDUM

I dated 8-4-86 is hereby deleted.

The 22nd May 1986

No. O.II.2204/86-Estt. I.—The President is pleased to appoint Dr. Satish Kumar Sinha as General Duty Officer. Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 6th May, 1986, till further orders.

> ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GFNERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st May 1986

No. E-16013(2)/14/82-Pers, J.—Consequent on his repatriation to parent State Cadre, Shri A. K. Singh, IPS (UP: 71) has relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, B.T.P.S., Badarpur, New Delhi w.c.f. the forenoon of 9th May, 1986.

Director General/CISF

MINISTRY OF LABOUR & RFHABILITATION (DEPARTMENT OF LABOUR) (LABOUR BUREAU)

Shimla-4, the 2nd June 1986

No. 5/1/86-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by five points to reach 643 (Six hundred forty three) for the month of April, 1986. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of April, 1986 works out to 782 (Seven hundred Eighty two).

> VIJAY KUMAR Dy Director Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 21st May 1986

No. ESC-1-10/4032.—General Manager, Currency Note Press. Nasik Road is pleased to appoint the following Inspector Controls to the post of Dy. Control Officers (Group 'B' Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. 15-4-86 (FN) until further orders.

- (1) Shri N. K. Prasad
 (2) Shri M. V. Pradakshine
 (3) Shri S. Ramachandran
 (4) Shri P. S. N. Das
- (5) Shri R. N. Singh

They will be on probation for a period of 2 years.

S. D. JDGUNJI General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 19th May 1986

No. 7(60)1424.—In continuation to this Office Notification No. 7(60)/8277 dated 15-1-1986, the ad-hoc appointment of Shri V. M. Pardeshi as Assistant Chief Control Officer in the Scale of Pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 is extended for a period upto 10-4-1986.

He is further appointed in the same capacity and scale of pay, on ad-hoc basis, for the period from 13-4-1986 to 31-5-1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is carlier.

The 21st May 1986

No. C-1/1511. - Shri Jagdish Prasad, Inspector Control is appointed to officiate as Assistant Chief Control Officer in the Scale of Pay Rs. 650-30-740-35-810-F8-35-880-40-1000-E8-40-1200, purely on ad-hoc basis, in the leave vacancy of Shri V. M. Pardeshi, with effect from 3-3-1986 to 7-4-1986.

> S. R. PATHAK General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 20th May 1986

No. Adm. I/8-132/86-87/5636.—The Accountant General (Audit)-I, A.P., Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against them until further orders.

Name

Date of assumption of charge

1. Srj M M Kesava Rao

15-05-1986 F.N.

2. Sri K. N. Narahari Rao

13-05-1986 A.N.

The promotions ordered above are without prejudice to the claims of their seniors, if any and are also subject to the result of the Writ Petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court. They should exercise the option within one month of their date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F. 7/1/80-Estt. (Pt. I) dt. 26-9-1981.

Sd./- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General Administration

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 12th May 1986

No. A-32013(6)/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint with effect from 21-4-1986 and until further orders Shri J. K. Reddivya. as Deputy Director (Designs) in the Weavers Service Centre, Hyderabad.

The 16th May 1986

No. A-12025(i)/3/83-Admn. III.—The President is pleased to appoint with effect from 21-4-1986 and until further orders Shri Rama Yadav as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Indian Institute of Handloom Technology, Salem.

INDIRA MANSINGH
Jt. Development Commissioner for Handlooms

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 14th May 1986

No. 2770B/A-19011(1-BRKT)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri T. Babu Ravindra Kumar to the post of Geologist (Ir.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1109-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the foremoon of the 27-2-86, until further orders.

No. 2784B/A-19011(1-BC)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Binlab Chatteries to the post of Geologist (Ir.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 20-2-86 until further orders.

The 19th May 1986

No. 2906B/A-19012 (3-RPS)/85-19B.—Dr. Ram Prakash Sharma has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General,

GSI, on minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12-3-1986, until further orders.

No. 2917B/A-19012(5-GRMR)/85-19B.—Shri G, R. M. Rao. Foreman (Senior), GSI has been appointed on promotion to the post of Asstt. Mech. Engineer in the Geological Survey of India by the Director General. GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 27th March, 1986, until further orders.

No 2928B/A-19012(3-RA)/85-19B.—Shri Ral Ahmad has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General. GSI, on minimum of the scale of nay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 13-3-1986, until further orders.

No. 2876B/A-19012(3-BPK)/83-19B.—Miss B, P, Kauphade, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 30-1-1986 (AN).

No 2883B/A-19012(3-VKS)/85-19B,—Dr. V K. Srivastava has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General. GST on minimum of the scale of ray of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 31-3-1986 until further orders.

No. 2894B/A-19012(3-SK)/85-19B.—Dr. Sonjay Kumar has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General GSI, on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 31-3-1986, until further orders.

A. KUSHARI, Director (Personnel)

Calcutto-16, the 13th May 1986

No. 2728B/A-32013/3-D.Chem/85-19B.—The President is pleased to appoint Dr. D. Purushottam. Chemist (Sr.) of the Geological Survey of India on promotion as Director (Geochemistry) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-2000/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of 5-3-86, until further orders.

D. P. DHOUNDIAL Sr. Dy. Director General (OP) Geological Survey of India.

MINISTRY OF STEEL AND MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th May 1986

No. A.19011(160)/83-Fstt.A.—Shri N. P. Murthy, Regional Controller of Mines (on ad-hoc basis), Indian Bureau of Mines has been reverted to substantive nost of Deputy Controller of Mines w.e.f., 28th February, 1986 in the afternoon.

P. P. WADHI,

Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

Nagpur, the 20th May 1986

No. A-19011(121)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri K. S. Raju, Deputy Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines Nagpur w.e.f., 7-5-1986 (AN).

No. A-19011(317)86-Estt.A.—Shri Y. K. Venkatesh, Assistant Director (Cost) Indian Bureau of Mines on his promotion to the post of Deputy Director (Cost) in the office of Directorate of Vanaspati, New Delhi hand over the charge in this department on 28-2-1986 (AN).

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer, for Controller General, Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 21st May 1986

No. 4(89) /75-SI.—Shri M. P. Rai, Programme Executive, External Services Division, All India Radio, New Delhi retired from Government service on superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1986.

Dy, Director of Admn. (WL)

for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 13th May 1986

No. A. 11013/2/86-M(F&S).—The President is pleased to appoint Dr. Naresh Chandro Sangal, in a substantive capacity to the permanent post of Professor of Dentistry at the Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education and Research Pondicherry with effect from the 23rd March, 1984.

P. K. GHAI Dy. Director Admn. (C&B)

New Delhi, the 20th May 1986

No. A. 12025/3/84-CGH JS.I. (Pt.).—Consequent on his retirement on attaining the age of superannuation. Sh. S. G. Gupte relinquished charge of the post of Administrative officer at Central Govt. Health Scheme, Calcutta on afternoon of the 28th February, 1986.

P. N. THAKUR Dy. Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT DEPTT. OF AGRI. & CO-OPERATION DTE. OF PLANT PROTECTION QUARANTINE & STORAGE

Faridabad, the 21st May 1986

No. 7-4/86-Adm. I.—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Shri K. K. Singh, as Surveillance Officer at Central Surveillance Station. Bilaspur in the nav scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-ER-40-1200/- with effect from the afternoon of 28th April, 1986 in a temporary capacity until further orders.

S. P. KUTAR Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY . NUCLEAR FUEL COMPLEX

and the state of the second state of the secon

Hyderabad-500762, the 5th April 1986

No. Ref: NFC/PA.V/2606/3277/263.—WHEREAS it was alleged that "Shri Mohd, Masihuddin, while employed as

Tradesman 'B', BBTP, NFC, was sanctioned leave upto 23-4-84. He has been remaining absent from duty unauthorisedly (without sanction of leave) from 24-4-84 onwards, and has not intimated his present address for correspondence and thereby committed an act of misconduct in term of Rule 3 (1) (ii) and 3 (i) (iii) of CCS (Conduct) Rules 1964".

AND WHEREAS the said Shri Mohd. Masihuddin was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide Memo No. NFC/PA.V/2606/3277/1687 dated 15-1-85;

AND WHEREAS the said memorandum sent to his residential address at H. No. 22-3-34, Inside Yakutpura Darab Jung Lane, Hyderabad-500 023, has been returned undelivered by the postal authorities "Party house shifted without instructions, hence retd. to sender";

AND WHEREAS another copy of the memorandum was sent through Security staff to be delivered to him as the communication sent to him has been returned undelivered by the postal authorities;

AND WHEREAS the Security staff have reported that the momorandum could not be delivered to him as the house bearing H. No. 22-3-34, Inside Yakutpura was found vacated by the said Shri Mohd. Masihuddin over night without intimating the whereabouts to the neighbours even;

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge and accordingly an Inquiry Officer was appointed vide order No. NFC/PA.V/2606/3277/1906 dated 11-4-85;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 15-2-86 stating that an ex-parte inquiry was conducted as it was not practicable to get the presence of Shri Mohd. Masihuddin and on the basis of the evidence available on record the charge as proved;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case, including the inquiry report dated 15-2-86 (copy enclosed) holds the charge as proved and has come to the conclusion that Shri Mohd. Masihuddin is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service may be imposed on the said Shri Mohd. Masihuddin;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) to sub-rule (2) of Rule 12 of CCS (CC&A) Rules. 1965, read with DAE Order No. 2/2/82-Vig. dated 9-5-83, hereby removes the said Shri Mohd. Masihuddin from service with immediate effect.

J. V. R. PRASADA RAO Deputy Chief Executive (A)

Bombay-5, the 15th May 1986

No. NPB/3(282)/85-Estt.I.—Director (Engg.). Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri D. L. Gavankar, a permanent Assistant Accountant of this Board as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on regular basis in the same Board with effect from the forenoon of March 21, 1986 until further orders.

No. NPB/3(282)/85-Estt I.—Consequent on his transfer from Department of Atomic Energy Bombay. Shri K. G. Narayanan, Assistant Accounts Officer has assumed the charge of the post of Assistant Accounts Officer in Nuclear Power Board. Bombay with effect from the forenoon of March 25, 1986 until further orders.

No. NPB/3 (282)/85-Estt.I.—Director (Eng.). Nuclear Power Board. Bombay hereby appoints Shri C. K. Venugonalan. a permanent Upper Division Clerk in Bhabba Atomic Research Centre and officiating Assistant Accounts in Directorate of Estate Management as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on regular basis in this Board with effect from the forenoon of March 31, 1986, until further orders.

R. S. TAIPADE Asstt. Personnel Officer

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 9th May 1986

No 020/1(15·1)/86-Est-I—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders:—

Sl. No.	Name	Designation	Date
1. Shri F	rakash. B. Balekundri	Sci/Engr. 'SB'	03-2-1986
2. Kum.	Uma Madapur .	Sci/Sngr. 'SB'	05-7-1986

H. S. RAMADAS Administrative Officer-I

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110066, the 7th May 1986

No. A. 32014/5/85-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in the Civil Aviation Department in the grade of Assistant Technical Officer in the pay scale of R\$. 650—1200 on regular basis with effect from the date shown against each and until futther orders:—

S. No.	Name		Da	te of appointment on regular basis
 S/	Shri	 		
1. N.	C. Gupta		_	28-03-1986
2 R	S. Ahuja	_		27-03-1986

The 12th May 1986

No. A. 32014/7/84-EC,—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in the Civil Aviation Department in the grade of Assistant Technical Officer in the pay scale of Rs. 650—1200/- on regular basis with effect from the date shown against each and until further order:—

S. No.	Name		Date of appointment on regular basis		
	S/Shri		 		
1.	S. C. Nagpal		11-07-85		
2.	K. L. Dhall		06 - 08-8 <i>5</i>		
3.	J. S. Chandawar		29-07-85		
4.	M. C. Mishra		31-10-85		
5 .	A. K. Bhowal		21-04-86		

V. JAYACHANDRAN
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 15th May 1986

No. A. 12025/1/84-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri L. Sadasivan to officiate as Airworthiness 15—106GI/86

Officer in the scale of Rs. 700-1300/- with effect from 21-4-86 (F. N.) until further orders.

Shri L. Sadasivan is posted in the Office of Director of Astroorthiness, Hyderabad Airport, Hyderabad.

The 21st May 1986

No. A-32013/3'/84-ES.—The President is pleased to appoint the following officers in the grade of Senior Airworthiness Officer in the pay scale of Rs. 1100-1600 on regular basis in the Civil Aviation Department with effect from 21-2-1986 and until further orders.

S/Shri

- 1. S. S. Nat
- 2. S. S. Kuner
- 3. Anupam Bagchi
- 4. H. M. Phuli
- 5. Mohd. Mustafa
- 6. Deba Prasana Ghose
- 7. L. M. Mathur
- 8. D. P. Ghosh

No. A-19011/fi/85-ES.—The President is pleased to accept the request for voluntary retirement of Sh. T. K. Moltra, Controller of Airworthiness from Government service under FR 56(K) with effect from 20-2-1986 (A.N.).

M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Administration

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 22nd May 1986

No. 10/86.—Shri P. L. Chikate, Administrative Officer of Central Facise, Group 'B' of Nagour Collectorate retired Voluntarily in terms of Rules 48(1)(a) of C.C.S. (Pension) Rules, 1972 from Govt. service on 30-4-1986 (A/N).

R. K. AUDIM Deputy Collector (P&E)

CENTRAL GROUND WATER BOARD

N.H. IV, Faridabad, the 22nd May 1986

No. 3-744/86-CH(Estt.).—Shri Breicsh Singh is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B, (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 21-4-1986 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act. 1956 of Planters Guide & Supply Company Pvt. Ltd.

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 10468/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Planters Guide & Supply Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 of Ganga-Sagar Rice Mills Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 18572/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Ganga Sagar Rice Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 of Philip & Company Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 19108/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, -1956, that the name of Philaf & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 of Ajmerl Company Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 21612/560(5).—Notice is hereby given purusant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of Philip & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 of Aladro Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 23842/560(5)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of Aladra Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1974 of Glamour Publicity Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 24231/560(5).—Notice is hereby given nurreent to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Glamour Publicity Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies 4ct 1956 of Bengal Stationary Company Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 24284/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bengal Stationary Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 of Kanaipur Development Concern Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 27343/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Kanaipur Development Concern Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is disolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 of Ideal National Development Syndicate Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 14275/560/(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Ideal National Development Syndicate Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 of Chowringhee Press Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 27410/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chowringhee Press Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved,

In the matter of the Companies Act, 1956 of Bhaumik Agencies Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 27612/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Temple Nursing Home Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 of Temple Nursing Home Private Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 30587/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Temple Nursing Home Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 of Adivasi Mines & Industry Limited

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 30636/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Adivasi Mines & Industry Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. K. PAUL, Addl, Registrar of Companies West Bengal

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 16th May 1986

No. F.48-Ad(AT)/1986.—Shri D. K. Gupta, Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the forenoon of 5th May, 1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shri D. K. Gupta, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA, President

FORM 1.T.N.S.--

_ ----------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 5th May 1986

Ref. No. AC-31/R-II/Cal/86-87.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7C situated at Belvedere Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal under registration No. I 13605 dated 21-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Santanu Kuma Mitra, "The Chartered Bank House", Cemetry Road, Cochin.

(Transferor

(2) 1. Goverdhan Nopany.
2. Smt. Suman Nopany.
3. Aloke Nopany.
all of No. 1A, D. L. Khan Road, Calcutta-27.

(3) Ground floor occupied by tenant Shri B. R. Bhandari and First floor occupied by M/s. M. L. Dalmia & Co. Ltd. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Cottahs land with two storeyed building at 7C, Belveden. Road, Calcutta-27. More particularly described in December No. I 13605 of R.A. Cal of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rosed,
Calcutta-36

Date: 24-3-1986

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) GF_1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SCONER OF ENCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KAPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th May 1985

No. M-1093/86-87.—Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
No. 1294/12 situated at Mission Compound, Saharanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 1391 dated 9-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the eblect of 1 —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Y. Campbell S/o. Shri James G. Campbell R/o 16, Pandit Pant Marg, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Balbir Singh Channdra, R/o 1294/12, Mission Compound, Saharanpur.

(Transferee)

(3) Balbir Singh Chandra R/o 1294/12, Misson Compound, Saharanpur. (Person(s) in occupation of the property)

(4) Balbir Singh Chandra R/o 1294/12, Misson Compound, Saharanpur. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1294/12, Mission Compound, Saharanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 7-5-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, K. ANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KAPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th May 1985

No. M-1094/86-87.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 60, 61, 106 situated at Dadari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Peristration officer at

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer at Dadari under registration No. 7863 date 25-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mahesh S/o, Shri Yadoo, Village Hitnauri, Dadari, Ghaziyabad.

(Transferor)

(2) M/s. Hansayalaya Shakari, Awash Samiti Ltd. Through Shri Suresh Kumar Sharma S/o. Shri Mahar Chand R/o E-D N.P.F.

(3) M/s Hansayalaya Shakari Awash Samiti Ltd, Through Sh. Suresh Kumar Sharma S/o Sh. Mahar Chand R/o E. D. N.P.F. Coloney New Delhi. (Person(s) in occupation of the property)

(4) M/s Hansayalaya Shakari Awash Sanuti Ltd. Through Sh. Suresh Kumar Sharma S/o Sh. Mahar Chand R/o E. D. N.P.F. Coloncy New Delhi.

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 60, 61, 106, Dadari, Ghaziyabad,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 7-5-1986.

20236

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May 1986

Ref. No. CHD/37EE/134A/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House/Plot No. 326, situated at Sector 33A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Act, 1961, with the Competent Authority at

Ludhiana on 30-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the -consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, روز أوجد
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Col. N. K. Khanna (Retd.) S/o. Shri H. S. Khanna r/o H. No. 326, Sector 33A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Narinder Kaur Anand w/o. S. Jarnail Singh Anand Smt. Maninder Kaur Anand w/o. S. Harbhajan Singh Anand Shri Balmeet Singh Anand s/o. Shri Jarnail Singh Anand and Master Gagandeep Singh Anand (Minor) s/o. Shri Harbhajan Singh Anand through his Natural guardian and Mother Smt. Maninder Kaur Anand r/o 662, Sector 33-B. Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House/Plot No. 326, Sector 33A, Chandigarh.

(The property as registered by the Competent Authority Ludhiana Under Section 269AB of the Incomo Tax Act.).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 12-5-1986.

CONTROL OF THE RESIDENCE OF THE SECOND OF TH

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May 1986

Ref. No. RAJ/3/85-86.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land measuring 79 Righa, 10 Biswa
situated at Village Mauza, Banur Tch. Rajpura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Rajpura in September, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) \$/Shri Kuldin Singh, Sukhbinder Singh Ss/o Shri Shamsher Singh R/o Banur Teh. Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s, Surject & Surindra Investment Pvt. Ltd. Radur Road, Yamunanagar, Distt. Ambala, through Shri Harminder Lal S/o Shri Sant Ram R/o Phillaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 79 Bigha 10 Biswa at Village Mauza, Banur Teh. Rajpura.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2148 of September, 1985 of the Registering Authority Rajpura).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 12-5-1986

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May 1986

Ref. No. LDH/320/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 '(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 40 Bigha 12 Biswa 15 Biswai, situated at Villers Konganyal Tab & Diett Ludbiana

situated at Village Kanganwal, Teh. & Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Beant Singh S/o Shri Harbhajan Singh R/o 659/1, Gurdev Nagar Ludhiana and Shri Amar Raj Singh S/o Shri Harbhajan Singh R/o 800, Gurdev Nagar, Ludhiana.
- (Transferor) (2) M/s. Ludhiana Hemkunt Co-op. House Building Sabha Ltd. Regd. Office 402, Nava Mohalla, Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein into defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 Bigha 12 Biswas 15 Biswai, Village Manganwal Tch. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9351 of September, 1985, of the Registering Authority, Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 12-5-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 8th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/7.—Whereas. I, IASPAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; analor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16--106G1/86

(1) Gupta Carpets International, Amritsar.

(Transferoi)

Shri Darbari Lal Anand
 Sho Shri Pritam Dass Anand,
 Rho Katra Sher Singh,
 Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kothi No. 361, situated in Green Avenue, Amritsar as mentioned in sale deed No. 9811 dated 10-12-1985 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range
—Amritsar

Date: 8-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 7th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/5.--Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refered to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1987).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely: requely .---

(1) Shri Rajinder Kumar Sud S/o Shri Jagan Nath Sud Panjab & Sind Bank Building, Phagwara.

(Transferor)

(2) Sint, Surjit Kaur W/o Late Shri Sohan Singh, Village Bharariwal, Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be unde in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 6 A, at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6097 dt. 3-9-1985 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Date: 7-5-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 8th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/6.—Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at Bhawani Nagar, Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt, Asha Devi W/o Shri Bhim Sain, Bhawani Nagar, Majitha Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan Bansal S/o Shri Sant Ram, II. No. 22, Gali No. 6, Bhawani Nagar, Majitha Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 22, situated in Gali No. 6, Bhawani Nagar, Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6553 dt. 17-9-1985 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 8-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 13th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/9.—Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafted referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing One property situated at Ajnala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. K. Sehgal S/o Shri Madan Lal Sehgal, C/o State Bank of India, Attari, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh S/o Late Shri Nawab Singh. R/o Village Nadala, Distt, Kapurthala.

(Transferce)

- (3) As at S. No 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 678 dt. 27-9-85 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 13-5-1986

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 13th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/8.---Wherens, 1, JASPAL SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. One property situated at Ainala Road. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in

of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. K. Sehgal S/o Sh. Madan Lal Sehgal C/o State Bank of India, Attari, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shii Pritam Singh S/o late Shri Nawab Singh, Vill. Nadala, Distt. Kapurthala (Pb.)

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be under in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar as mentioned in sale deed No. 7592 dated 18-10-1985 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 13-5-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 13th May 1986

Ref. No. ASR/86-37/11.—Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at Ajnála Road. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

believe that the fair market value of the property as afore-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 -27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. K. Sehgal S/o Sh. Madan Lal Sehgal C/o State Bank of India, Attari, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Miss Manjit Kaur d/o Sh. Kartar Singh, r/o Vill. Rajpur, Dett. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the propert,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar as mentioned in sale deed No. 7593 dated 18-10-1985 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 13-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 13th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/10.—Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the lacorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to na the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. One property situated at Ajnala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly shaded in the said independent of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay test under the said Act, in respect of any insense artising from the transferted for
- (b) facilitating the conseniment of any income or any moneys or offer movie which have not been or which englet to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1937 (27 of 1997);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquicition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri R. K. Sehgal S/o Sh. Madan Lal Sebgal C/o State Bank of India, Attari, Distt. Amritsar.
- Miss Manjit Kaur d/o Shri Kartar Singh, Vill. Rajpur Distt, Jalandhar.

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections. If any, to the acquicition of the said property may be made in writing to the underdaned: ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot situated an Ajnala Road, Development Scheme, Amritsan as mentioned in sale deed No. 6785 dated 27-9-1985 of registering authority, Amritsan.

JASPAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-5-1986

NUTRE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Swatantra Kumar Goel 8 North Apsara, Palli Mill, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Gandbi Gupta Indl. Finance & Chit Fund Co. Ltd. through its Managing Director. Smt. Promila Gandhi, Anant Building Ambala Cantt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq/371/E/12/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property No. 66 TC, situated at Tribune Colony, Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Rohtak under Registration No 37EE/12/85-86 dated 14-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- other person interested in the said (b) by any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

shoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tan Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing No. 66 TC, Tribune Colony, Ambala Cantt. and as more mentioned in the agreement dated 9-7-85 registered with this office at Sr. No. 37EE/12/85-86 dated 14-9-1985.

THE SCHEDULE

B. L. KHATRI Competent Authority ir pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 8-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq/GRG/187/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

land measuring 41 kanals 16 marlas situated at Vill. Sukhrali

Sukhrali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2963 dated 3-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert und/or
- (b) facilitating the concentment of any inc moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act-1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-17-106GI/86

(1) Shri Raghu Nath S/o Shri Udmi r/o Sh. Sukhrali Teh. Gurgaon.

(Transferor) (2) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period a 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given k. that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 41 kanals 16 marlas situated at village Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2963 dated 3-9-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Robtak.

Date: 8-5-1986

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Nath S/o Sh. Kuriya 2. Shri Shabab Ram 3. Shri Rajinder Singh ss/o, Shri Ram Nath r/o Kartarpuri.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq/GRG/189/85-86.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 21 kanals 4 marlas situated at Vill.

Kartarpuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gurgaon under Registration No. 3002 dated 4-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the maid instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit, or the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 21 kanals 4 marlas situated at Kartarpuri and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3002 dated 4-9-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secation (1) of Section 269D of the said Act, to the following ратеоры, выпосту ;-----

Date: 8-5-1986

Seat:

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Shri Jai Lal, 2. Bhagwana,

3. Khajan Singh, 4. Shri Meer Singh, ss/o Shri Rampat,

r/o vill. Sukhrali, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq./GRG/190/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 39 kanals 1 marla situated at Vill. Sukhrali (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration (Office of the Registration College. 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3010 on 5-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect ; of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 39 kanals 1 marlas situated at vill. Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3010 dated 5-9-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 8-5-1986

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1AX AC1, 1901 (45 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq./GRG/194/85-86.—Whereas, I. B. I. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 10 situated at Sector 18 Industrial Area, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Gurgaon under Registration No. 3108 at 9-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Indian Pipes (P) Ltd.,
 Shiyaji Marg (Najafgarh Road),
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Munjal Showa Ltd., B-109, Greater Kailash Part I, New Delhi-110048,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 10 Sector 18 Industrial Area, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3108 dated 9-9-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 8-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq./GRG/288/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 120 kanalas 7 marlas situated at vill. sukhrali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3381 on 12-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftsen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Nathu s/o Smt. Chameli, Kasturi wd/o Shri Room Kiran uraf Krishan, d/o Smt. Bhim Kaur wd/o Mange, s/o Yadu, Smt. Gumano wd/o Shri Bhagwan, Satbir, Kuldip & Rakesh, r/o vill. Sukhrali.

(2) M/s Ansal Housing & Estate (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever pariod explications later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 120 kanals 7 marlas situated at vill. Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3381 dated 12-9-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Romak, me 8m May 1986

Ref. No. IAC/Acq./GRG/347/85-86.--Whereas, I,

Rel. No. IAC/Acq./GRG/341/05-80.-winereas, 1, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.090/- and bearing No.

land measuring 17 kanais situated at vill. Sukhrali Teh.

Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gurgaon under Registration No. 3640 on 20-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fait market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Om Pockash s/o Shri Mahipat, r/o Vill. Sukhrali Teh. Gurgaon,

(2) M/s Ansal Housing & Estate (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being and measuring 17 kanals situated at vill. Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3640 dated 20-9-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 8-5-1986

(Transferor)

(Transferee)

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-Objections, if any, to the acquisition of the said property

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th May 1986

Ref. No. 1/1986-87.—Wherers, I.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable programming a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and hearing No.
Shed situated at Facth Uagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer

Officer

other at SRO, Vallable Nagar, in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazetie or a seriod of 30 days from the service of notice on the respective comons, whichever period expires later:

(1) Ms/ Progressive Elton Co., rep; by Mr. K. P. Sastry, B-17, Industrial Estact,

Sanath Nagar, Hyderabad.

Hyderabad.

(2) M/s Datla Electronics (P) Ltd.,

may be made in writing to the nudersigned :-

H. No. 6-3-1100/5, Somaiiguda,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. C-57, total nice of lend 1905 so, yds, at Faeth Nagar, Hyderabad, registere! by the SRO, Vallabh Nagar, vide Document No. 3004/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hvderabad (A.P.)

Date: 5-5-1986 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th May 1986

Ref. No. 3/1986-87.—Whereas, I.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
House situated at Himpoteneous Hydrophyd.

House situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikkadpally in September 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evantes of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; said /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Sultan Abdul Wahed and 3 others. H. No. 2-2-11/1. Adikmet, Hyderabad.

(2) Sri Patanlal Agarwal and 3 others, H. No. 21-7-226, Charkaman, Hyderabad.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-6-374 (double storeyed building) constructed in an area of 987 sq. yds. at Road No. 2, Himayatnagar, Hyderabad, registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 1446/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accusion of the accusion of the accusion of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AGT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th May 1986

Ref. No. 2/1986-87.—Whereas, I,

Ref. No. 2/1986-87.—Whereas, 1,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act), have reason to believe that the immovable Property baving a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
House situated at Srinagar Colony, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer of Khairatabad in September 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesiti-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-18-106GI/86

(1) 1. Dr. K. Ramchander Rao, 2. Mrs. K. Subadra Devi, 3. K. Veera Sudhakar Bose,

Nagarjuna Nagar Colony, Pumjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

 Shri S. Dasaratha Rama Reddy,
 Smt. S. Seethamma,
 H. No. 8-3-1104, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ganette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-3-1104, measuring 715.5 sq. yds. situated at Srinagar Colony, Hyderabad, registered by the SRO, Khairatabad vide Document No. 2393/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-5-1986

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-MAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meera Syal & Mr. Arjun Syal, B-3/68, 1st floor, Safdarjung Enclave, GOVERNMENT OF INDIA

New Delhi.

13-14th floor, Atma Ram House 1-Tolstay Marg, New New Delhi.

(1) M/s. Varistha Udyog Ltd.,

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/9-85/1046.--Whereas, 1, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office

of the I.A.C. Acq. III New Delhi on Sep 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the lie of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for tne purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (\$7 🚅 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor, flat No. 3, at 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi 856 sq. ft. area.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/9-85/1076.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

bearing No. A-4, Gulmohar Park, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office

of the I.A.C. Acq. III New Delhi on Sep 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuses to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as argued to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of range; with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or any which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Sh. Raj Sachdeva s/o late Dr. R. N. Sachdeva, r/o J-17, Jangpura Extension, New Delhi through her General Attorney Shri Daljit Singh Shahpuri, r/o B-45, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor) (1) Smt. Nari Devi Vaswani w/o Sh. A. S. Vaswani, r/o C-121, Defence Colony,

New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Front side portion on the ground floor, in property No. A-4, Gulmohar Park, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 14-5-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-85/1081.—Wheras, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 412, No. 6, Bhikaji Cama Place, Flat No. 412, No. 6, Brikaji Cama Flace, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at of the I.A.C. Acq. III New Delhi on Sep 1985 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of:—

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Hindustan General Export House, A-45, Naraina Industrial Area, Phase-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Computer-systems & Management Consultants (P) Ltd. 102, 8A, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412, No. 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 14-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. Prithi Pal Singh, C/o Pratap Ice Factory, Arjun Nagar, Adjoining Safdarjung Enclave, New Delhi-29.

(Transferor)

(2) Sh. Sushil Kumar Vohra, Smt. Pammi Vohra, 3, Sh. Tarun Vohra & Sh. Pankaj Vohra, all r/o K-113, Hauz Khas, New Delhi-16.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/10-85/1086.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C-5/37. Safdarjung Development Arca, situated at

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on Oct 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Single storeyed residential House No. C-5/37, Safdarjung Development Area, New Delhi. Area 2,900 sq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 13-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/9-85/1201.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

as the said Act.), have reason to behave that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2228 and 2229/16, Plot No. 577, Block-K situated at Hardhian Singh Road, Naiwala, Garol Bagh, New Delhi (and more fully described ni the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1985

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Roop Narain, Shiv Narain, Sham Narain sons of Jali Narain, r/o 2229/16, Hardhian Singh Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. J. K. S. Properties (P) Ltd., 2229/16, Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi, through its Director Shri O. P. Kobli,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2228 and 2229/16, measuring 183 sq. yds. built on plot No. 557, Block-K, Hardhian Singh Road, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 12-5-1986

...... **: 22 -- -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/9-85/1200.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 32-B (21 storeyed house)
situated at Old Rajinder Nagar, Pusa Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi in September 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Avtar Singh s/o Khazan Singh r/o 12A/31, WEA, Karol Bagh, New Delhi for self and G.A. Jaspal Singh and Jagtar Singh sons of Khazan Singh residents of 12A/31, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Piari w/o late
Ram Lal r/o A-11/12, Malka Ganj, Delhi, Krishan
Lal s/o Ram Lal and Pushpa Rani w/o Krishan
Jal, resident of K-16, Model Town, Delhi,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house on Plot No. 32-B, Old Rajinder Nagar, Pusa Road. New Delhi—840 sq. yds.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 28-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 2600 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1986

Ref. No. IAC/Acq.IJI/SR-III/10-85/1240.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-93, situated at Malviva Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the still respect of any income arising from the **ea∄**/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namaly:---

(1) Sh. Anand Parkash L-77/B, Malviya Nagar, New Delhi.

(2) Sh. Ram Lal Sharma B-93, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforemid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-93, Malviya Nagar, New Delhi, (290 sq. yds.).

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 12-5-1986

 Lt. Gen. N. Sen Gupta s/o late Shri J. C. Sengupta r/o C-18, Westend Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. P. Oswal s/o Shri R. C. Oswal, r/o 205, Surya Kiran Bldg., K. C. Marg, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/10-85/1248.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

(and more fully described in the schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (46 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tau Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-18, Westend Colony, New Delhi measuring 500 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely 19—106GI/86

Date: 5-5-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1986

IAC/Acq-III/SR-III/10-85/1256.—Whereas I. Ref. No. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

K-62, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Smt. Kulbir Kaur w/o S. Paramjit Singh Kirpal Singh s/o S. Ranjit Singh r/o F-7, Green Park, New Delhi.
- (Transferor) (2) M/s. South Delhi Builders (P.) Ltd., U-17, Green Park Extn., New Delhi through its Director Shri Aditya Pandit.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 4. days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLAIMATION:--The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. K-62, measuring 315 sq. yds. Green Park, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III
> Delhi New Delhi

Date : 2-5-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1986

Ref. No. 1 C/Acq-III/SR-III/10-85/1245.—Whereas, I, SUNIL CHC RA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax / Lt, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,04,000]

and bearing Plot No. 8 Block 'D' situated at Diplomatic Enclave Extn. Coop. House Bldg. Society Ltd., Westend Colony, New Delhi 'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trainformed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October 1985

New Delhi in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The chilaters the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Yashwant Kumar Sethi, s/o Shri Ram Chandra Sethi, r/o 17-90, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sudershan Kumar Kohli s/o
 Sh. Dewan Chand Kohli and
 2. Smt. Kum Kum Kohli w/o
 w/o Sudershan Kumar Kohli
 both r/o 14, Palam Marg, Vasant Vihar,
 New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforegoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ithe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing residential plot No. 8 Block 'D' in the layout plan of Diplomatic Enclave Extension Coop. House Bldg. Society Ltd. now known as D-8, Westend Colony, New Delhi measuring 500 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF RIDLA

Sh. S. K. Bhattacharya, Chief Executive, Management Structure & Systems (P.) Ltd. Shiva Sagar Estate, Dr. Annie Besant Road, Bombay-18.

(Transferor)

(2) Shri Jai Singh Mehta, A-248, Defence Colony. New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1986

IAC/Acq.-III/SR-III/10-85/1246.—Whereas, I, Ref. No. IAC/A SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21 storeyed ho use on plot No. C-70, situated at Masjid Moth. Resi. Scheme, Parich's leel Enclave. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house 2; storeyed on plot No. C-70, Masjid Moth Residential Scheme known as Panchsheel Enclave, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1986

Ref. No. JAC/Acq-III/SR-III/11-85/1272.---Whereas, J, SUNJL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 3, Block M situated at Green Park Extension,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Sheela Devi widow of Sh. Harish Chand Gupta

Miss Pushpa Gupta d/o Sh, Harish Chand Gupta

3. Sh. Ramesh Gupta

Sh. Kailash Chand and
 Sh. Vinod Gupta sons of Sh. Harish Chand Gupta

all 1/0 M-3, Green Park Extn., New Delhi. (Transferor)

(2) I. Sh. Tarsem Chand Mittal s/o Sh. Kundan Lal Mittal

2. Smt. Renu Mittal w/o Sh. Tarsem Chand Mittal both r/o M-10, Green Park Extn., New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION:—The terms and expressions Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed building with land underneath measuring 340 sq. yds. beating plot No. 3. Block M, Green Park Extension, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 249-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/11-85/2720.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-79, Inderpuri, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrement of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentrate of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jagdish Narain Datt son of Shri Harnam Dass Datt r/o C-79, Inderpuri, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s, Mentha & Allied Product Pvt. Ltd. 1/10, Asaf Ali Road, New Delhi through its managing Director Shri Nand Lal Nanda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-79, area measuring 500 sq. yds. situated in Inderpuri Delhi, Khasra No. 1651, area of village Naraina, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Tarlochan Singh Rai s/o Sh. Tara Singh r/o 34, Greater Kailash No. 1,

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Batra w/o Sh. Man Mohan Batra r/o 8/52, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/11-85/2730,—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 11 on Road No. 49 situated at Punjabi Bagh, Madinus Dalbi State Dalbi.

pur. Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11 on Road No. 49, measuring 555.55 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of Village Madipur, Delhi State, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-5-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/9-85/2071,—Whereas I, R. P. RAJESH,

k. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinneter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. GF-10 on Ground floor in 7 Tolstoy Marg, situated at New Delhi.

at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in

the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, New Delhi on Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the felt number value of the aforesaid passerty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mare the fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the nartice has not been truly stated in the said instrument. transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, is respect of any income arising from the teampler, ma_/or

(b) facilitating the concealment of any meeme or any moneys or other assets which have not been to which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1962 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekle-tax Act. 1957 (27 of 1967); (1) M/s. Arora Contractors & Builders (P.) Ltd. GL-6, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

garing and the rest in the second of the sec

(Transferor)

(2) M/8. Pearl Flats (India) Ltd., F-44, Bhagat Singh Market, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property only be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The tarms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-10 on Ground floor in 7 Tolstoy Marg, New Delhi. Area 698 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-4-86

and the second of the second o

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Mahajan Woollens Pvt. Ltd. E-1 & 2, NDSE-Π Mahajan House, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Mahajan Estate & Investments, Pvt. Ltd. 4830/24 Darya Ganj, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/9-85/2079.—Whereas I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

27 Curzon Road (Now called as Kasturba Gandhi Marg), situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the I.T. Act 1961 in the office of the registering officer at IAC Range, New Delhi on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument ad transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: ind/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

27 Curzo Road (Now called as Kasturba Gandhi Marg), New Delhi. Area 5735 Sq. yards.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-20-106GI/86

Date: 30-4-86

(1) M/s. Gujral Estates Pvt. Ltd. 17 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Mrs.) Anuradha Soi w/o Dr. Sunil Kumar Soi, through General Power of Attorney Holder Sh: Chaman Lall A-1/4 Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/985/2080.—Whereas T. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Space No. 12 on 7th Floor in Vijaya Building, situated at

17 Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu Range,

New Delhi on Sept. 1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concetiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 12 on 7th Floor in 'Vijaya' Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi. Area 570.06 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-86

FORM ITNS ---

(1) Shri Bijoyananda Patnaik, 3, Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Decent Properties Pvt. Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 2nd May 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/9-85/2083.--Whereas I. P. RAJESH.

P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 7 Block No. 2, known as 3, Aurangzeb Road, situated at 4, Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registering Officer at LT. Act. 1961 IAC Range 1

has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Runge I New Delhi on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter:
- (b) by any other person interested is the said immersable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the linkillis of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tran

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 7, Block No. 2, known as 3, Aurangzeb Road, 4, Prithvi Raj Road, New Delhi. Area 1532 Sq. yards.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the existence of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-5-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Rakesh Jain (HUF) & S. P. Aggarwal S-150, Greater Kaishc-II & E-482, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Santosh Verma w/o Late Sh. S. P. Verma r/o at present S-119, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/9-85/2091.—Whereas I R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-119, Greater Kailash-II (1st Floor) situated at New Delhi

S-119, Greater Kailash-II (1st Floor) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Range-1

in the Office of the registering Officer at IAC Range-l New Delhi on Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concetiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S-119, Greater Kailash-II (1st floor). Area 1800 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-l
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-86 Seal:

FORM ITNS-

(1) Shri Dinesh Singh (HUF) 1, Thaygraja Marg, New Oathl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rewneg Viniyog Privace Lid., I, Thaygraja Marg. Now Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/9-85/2093,-Whereas I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Fiat No. 'A' on 3rd floor, Girdhari Lal Apartments situated at 28, Ferozeshah Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act 1961

has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office of Registering Officer at IAC Range New Delhi on Sept. 1985

New Delhi on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette to period of 30 days from the service of notice and the respective persons, whichever period cambre imm
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms are defined in Comme XXA of the sein Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, الأحدة الأحدة

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 'A' on 3rd floor and one open Car Parking Place in Multi Storeyed Housing Scheme Late, Girdhari Lal Appartments, 28 Ferozeshah Road, New Delhi, Area 1600 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Counsissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-4-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ABBITTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/9-85/2109.—Whereas I,

ker. No. IAC/Acq-1/3/EE/3-83/2103.—Whereas 1, keing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1208 to 1215 in Davika Towar situated at 6 Nehru Place, New Delhi

(and fully more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961

in the Office of the registering Officer at IAC Range-I New Delhi in September 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pragati Construction Co. Devika Tower 4th Floor Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Church of North India Trust Association, 16, Pandit Pant Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The crims and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1208 to 1215 in Davika Tower 6 Nehru Place, New Delhi Area 3920 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-4-86

(1) Shri Bijoyananda Patnaik, 3, Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Decent Builders Private Ltd.,22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1986

Ref. No. 1AC/Acq-1/37EE/2-86/2771,—Whereas, I, R. P. RAJISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 7, Block No. 2 known as 3 situated at Aurangzeb Road, 4 Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the

Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range I New Delhi on February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days frees the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Block No. 2, known as 3, Aurangzeb Road, New Delhi, 4, Prithvi Raj Road, New Delhi. Area of plot: 1539 Sq. Yards.

> R. P. RAJESH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-5-1986

(1) Shri Ramesh Virchand Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jayaben Visanji Maru

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, вомвлу

Bombay, the 6th May 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25006/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have eason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Shop No. A, Yeshwant Nagar, Plot No. 70, 53 SV Road,
Andheri (West), Bombay-58
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay on 20-9-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent or such appraism consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the ractics has not lead and essent in the said instrument of transfer with the observer --

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nucl/cm
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose: of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. A, Yashwant Nagar, Plot No. 70 53, S. V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/25006/85-86 on 20-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing persons, namely :-

Dated: 6-5-1986

(1) Shri L. N. Kalra

T. (Transferor)

(2) Shri S. N. Thakker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

· Communication of the companion of the

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. AR-111/37EE/24403/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income at Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the old Act'), have reason to believe that the immovable property aging a fair market value exceeding

prof to having a fair market value exceeding Rs. 100 5007 and bearing No. Flat No. 60, Share Not aj 1000. Hsg. Set. Ltd. R. B. Mehta Road, Gherkopar (£), Bombay situated at Bombay

(and more tally described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 2097B of the become tax Act 1961 in the office of

the Competent Arthorny at Bombay on 1-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid is the apparent consideration therefor by more than little cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties was not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other pers. nterested in the said immovable property, within 40 tays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

- allitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Shree Natra of H.S. 14, R. B. Mehta Road, Ghatkopar (F), Bombay.

The agreement has been registered by 46 Competent Authority, Bombay under No. AR-IJI/37EF 21/05/85-86 on 1-9-1985.

> LATMAN DAS Computent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 21-106GI/86

Date: 12-5-1986

- ها مستقیه بینه تیند. پستاندر در سازی شهری در در در در در سازی در است در این در در تاریخینی در سازی <u>بینا می ساخت</u> (1) Ramesh Chandra Tulyani
 - (2) M/s. Foto Art Services.

(Transferer) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

> ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. AR-ΠJ/37EE, 23999/85-86,—Whereas, L LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 24, Shop No. 8, Yadukul Co-op. Hsg. Set. Postal Colony Rd. Near Hyover, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared bereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985

Rombay on 1-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said distributent of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the gaid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys on other cases which is a second which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Markh has Act, 1937 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mad in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable projectly, within 45 days from the date of the ublication of this notice in the Official Gazette.

"XPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 24, Shop No. 8, Yelukul Co-op. Hsg. Sct. Postal Colony Road, Near Flyover. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been with red by the Competent Antiquetty Bombay under No AP-IT 371 P/23999/85-86 on 1-9-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-5-1986

Scal:

(1) Indo Leather Works.

(Transferor)

(2) Mrs. Chitra Sudhir Mohandas

(Transferee) (Promoter)

Scall Footwear Ind (P) Ltd.

(Proposed)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUINTION RANGE-III, BOMBAY

Bombey, the 12th May 1986

Ref. AR-III/37EE 2 \./0.85-1 ...-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competen Authority and a Section 169h of the Income-tax Act, 190, 143 of 1901) (decoinates returned to as the 'said Act'), have maken to believe that the immovable present, having a true of that value exceeding

reporty, havin, a tear on that value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Six units on the 1st fl. Geru Gobind Singh Indl. Estate, Off Western Express Hichway, Goreguon (E), Bembay-63 (and more fully described at the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB or the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the interaction which is less than the reason to believe that the interaction who is like property as eforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the roduction or evasion of the liability of the maneterer to pay his under the risk cost, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the excealment of any income or any moneys or other elects which have not been elected which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 15 2 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings in the accusition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the responsive persons, whichever period expires later;
- the by any other person reference in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Example Action — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Six units on first fl. Guru Gobindsingh Indl. Premises Coop. Sect. 1 td. Western Express Highway, Goregaon (F.), Bombay-63,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III/37EE/24570/85-86 on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-UI,
Bombay

Date: 12-5-1986

(1) Mr. Mahendra K. Mehta & Ors.

(2) Mr. Indermal Nandramji Halkara & Ors.

(Tarm teror)

(Transferec)

NOTICE UNITED SECTION 269D(1) OF THE INCOME-YAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> > ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

nombay, the Vin May 1986

Ref. ARIV/37EF, 22354/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Accession 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soat Acct') have reason to believe that the immovable property, taxing a fair market value exceeding Its 4.00.000, and bearing No.

Plot of find in Village Dahiso: Taluka Borivli Survey No. 286, 1988 No. 1A, City Survey No. 594 (p), Borivli,

Bembey

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985

for an approval consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market with of the property as aforesaid exceeds the apparent concernion therefor by more then fifteen per cent of such ar, went consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moone or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing Survey No. 286 Hissa No. 1A, City Survey No. 594(p), at Village Dahisar, Talula Borivli, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/22354/85-86 on 1-9-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ret. ARIV/37EE/21990/85-86,-Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter reterred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot bearing S. No. 15, Hissa No. 7(p) CTS No. 1338(p) Village Dahisar, Taiuka Borivli, Bombay situated at Bombay

(and more fully d scribed in the Schedule anaexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Compitent Authority at

Bombay on 1-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfr with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer: andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt Shyamkuvarben G. Vanchamatia & Ors. (Transferor)
- (2) Ms Dwarkesh Enterprise.

(Transferce)

Objections, 1 and to the acquisition of the said property mey be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice of the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons, who larvet period expires later.
- that he way other nerson interested in the mid immoveable property within 45 days from the date of the addication of this notice in the Official Gazette.
- Entransian :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bear in S. R. Hissa No. 7(p) CTS No. 1338(p) Village Da إمان

The ago, has registered by the Competent Authority, Bossesy under No ARIV/37EE/12990/85-86 on 1-9-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> ting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombaa

Date: 12-5-1 Seal:

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) L. C. Thakker.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. No. ARIV/37EE/22076/85-86 - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of (Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Increinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Piece of land bearing S. No. 208, H. No. 10(Pt) C.T.S. No. 2243, 2244 at Eksar Village, Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 26948 of the Soil Act in the Office of the Competent Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1985

an apparent consideration which is less than the for fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ACL, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, natinely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 208, H. No. 10(Pt) C.T.S. No. 2243, 2244 at Eksar Village, Borivli

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37EE/22076/85-86 on 1-9-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-5-1986

(1) M. D. Mhatre & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vishal Constructions.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21997/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. CTS No. 1623-1626-1627-1046-1648-1652 and 1657-1659, 1663-1669, 1682, 1703 Near Link Road, Village Ekser Borivli (W).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the remailer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whicheve period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The errors and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 1623-25, 26-27, 1646, 1648-1652 1657-1659-1663 1683 1703 near Link Road, Village Eksar Borivili (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21997/85-86 on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1986

(1) Mr. A. C. Agarwal & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) INCOME-TAX ACT. 151 (44) C

THE

(2) Mr. Manju L. Kukreja

(Transferee)

GOVERNMENT OF STOLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPIAL

> ACQUISITION PAYGEAV BOMB/

Bombay, the 12th Ma. 1986

Ref. No. ARIV/37LE/22149/85-86.--Whereas, 1 I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Secti 9B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 196)) therein at eferred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing

Plot at Shimpoli village 1/P No. 695, TPS III or Borivli. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisins from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act. 1937 (27 of 1957):

trow, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the assuration of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following INTINOMS. namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- ,b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Shimpoli Village FP No. 695, TPS III of Borivli. The agreement has been registered by the Connectent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/22149/85-86 on 1-9-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-IV. Bombay,

Date: 12-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. No. ARIV/37EE/22580/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land bearing S. No. 41, Village Charkop, Kandivli (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naturely:—
22—106GI/86

(1) J. S. Audyogic Utpadak Socy Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Commercial Const. Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 41, (pt) Village Charkop, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. ARIV/37EE/22580/85-86 on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-5-1986

Scal ;

FORM ITNS-

(1) M/s. Jai Vijay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. T. Balwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th May 1986

Ref. No. ARIV/37EE/23192/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 104 to 110 on the first floor of lai Shreek Ranchod Dham at Lokmanya Tilak Road. Dahisar (W), Bombay 68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Office No. 104 to 110 on the first floor of Jai Shreek Ranchod Dham at Lokmanya Tilak Road, Dahisar (W), Bombay-68

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37EE/23192/85-86 on 1-9-1985.

I.AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th May 1986

Ref. No. 6/Sept-85.—Whereas, 1, HARDAYAL SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 1, New Tank St., Nungambakkam, situated Madras-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlinghts/Docfl No. 429/85 on September 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;

 Mr. S. Subramanyan, No. 9, Nyanan St., Abhiramappram, Madras-18.

(Transferor)

(2) Mr. Syed Abdul Cader, No. 1, Lakshmi St., Kilpauk Madras-600 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Door No. 1, New Tank St. Nungambakkam, Madras-34 Thousandlights/Doc. No. 429/85.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c)
Madras-600 006.

Date: 5-5-86

(1) Mrs. Laila Rahman, Mr. K. Fazlur Rahman, 8, Pycrofts Garden Road, Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. T. Zarina Begum 10, T. Rahman Sahib St., Ambur, N. A. Dist. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th May 1986

Ref. No. 8/Sept.85.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH,
benig the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the stid Act,), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 8, Pycrofts Garden Road situated at Madras-6,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering Office at
Thousandlights/Doc No. 463/85 on September 1985
for an apparent consideration which i less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
flifteen per cent of such apparent consideration and that the
sensideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the effect of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and Building No. 8, Pycrofts Garden Road, Madias-6. Thousandlights/Doc. No. 463/85. Date: 5-5-86

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Taspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th April 1986

Ref. No. 79/Sept./85.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
O'Valley Village, Gudalur Taluk, situated at NILGIRIS, "BURNSIDE ESTATE" (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been reasonered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registration (More) at the Office of the Office of the Registration (More) at the Office of the Offic 1908) in the Office of the Registering Officer at GUDALUR (NILGIRIS) Doc. No. 2163/85 on Sep 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by work them fifteen per capt of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the coenealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Beatrice Wapshare, Compton Estate, NADUVATTAM P.O. NILGIRIS.

(Transferor)

(2) Sri M. Sivashanmugam, S/o Maruthai Pillai, R. 76, ANNA NAGAR, MADRAS.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING :-ESTATE: --O'Valley Village, Gudalur Taluk, NILGIRIS. "BURNSIDE ESTATE". Gudalur/NILGIRIS/DOC. No. 2163/85.

> HARDAYAL SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- Π , Madras (I/C).

Date: 15-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th May 1986

Ref. No. 124/Sep./85.—Whereas, I, SRI HARDAYAL SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. FLAT (III Floor), Door No. 826, Anna Salai,

situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at MADRAS SOUTH/Doc. No. 2752/85 on Sep 85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Messrs. Tarapore and Co., rartnership firm rep. by J. H. Tarapore, Dhun Building, 327, Anna Salai, MADRAS-2.

(Transferor)

(2) M/s. Polyole Fins Industries Limited, Rep. by P. J. Deasai, Mafatlal Centre Nairman Point, BOMBAY-400 021.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FLAT (III floor) DOOR No. 826, ANNA SALAI, MADRAS, MADRAS SOUTH/Doc, No. 2752/85,

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras (1/C).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-5-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras600 006, the 5th May 1986

Ref. No. 13/Sept./85—Whereas, I, SRI HARDAYAL SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19A, Pillayar Koil St., Alwarpet, situated at MADRAS T.S. No. 3756/1, Block No. 74, Mylapore Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at MADRAS South/Doc. No. 2868/85 on Sep. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Gannon Dunkerly and Company Modras Limited, FOR Sri Srinivasan, 19A, Pillaiyar Koil St., Alwarpet, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri G. Viswanathan, 10, Ammani Ammal St., Madras-28,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site No. 10-A, Pillayar Koil St., Alwarpet, Madras, MADRAS SOUTH/Dec. No. 2868/85.

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II, Madras (I/C).

Date: 5-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600)006, the 15th April 1986

Ref. No. 208/Sept/85.—Whereas, I, SRI HARDAYAL SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. NEW WARD No. 19, T.S. Ward No. 8, situated at PERIASAMY ROAD, R.S. PURAM, COIMBATORE situated at COIMBATORE (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at COIMBATORE/Doc. No. 4278/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. K. Paravathy A. Menon, W/o Late Lt. M. Arvindakshan, K. M. Shankar, S/o Late Lt. M. Arvindakshan, Both residing at 83/2-D 4th Main, 15th Cross Margoosa Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Sri K. Parthasarathy, S/o Kuppusamy, Iyengar, residing at Old D. No. 89, New No. 207, Thiruvenkatasamy Road, R.S. Puram, COIMBATORE Town, Smt. B. Virupakshi, S/o S. S. Balaunniappa Chettiar, residing at D. No. 243, Raja St., Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ' may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING:—Old ward No. 8, New Ward No. 19, T.S. Ward No. 8 R.S. Puram, Periasamy Road, COLMBATORE.

Coimbatore/Doc. No. 4278/85.

HARDAYAL SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras (I/C).

Date: 15-5-1986

(1) M/s. Gemini Pictures Circuit Pvt. Ltd., 602, Mount Road, Madras-6.

(2) M/s Gemini Estate Development Corpa.,

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th May 1986

Ref. No. 240/Sep./85.—Whereas, I,

Ref. No. 240/Sep./85.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 602, Mount Road, situated at Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Reistering Officer at Madras Central/Doc, No. 867/85 on Sep. 85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersous, namely :--23-106GI/86

No. 601, Mount Road, Madras-600 006. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the indersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

NON VACANT LAND Building Site) in pr(emises-No. 602, Mount Road, Madras-6. Madras Central/Doc. No. 867/85.

> HARDAYAL SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, (I/C) Madres

Date: 6-5-61986

Scal:

FORM PERSON AND THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

NOTICE UNDER SECTION 269DC + OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 111 OF RESERVE

GOVERNMEND OF 1919 A

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME 67 %

ACQUISITION RANGE-II, MADRIS-608-096

Madras-600 00 the 5th May 1965

Ref. No. 241/Sept/85,-- ... Thereas, L. HARDAYAL SINGH, being the Competent Authority under Service 2 of the oast 1. Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shapened to be read to as the said 'Act.), have reason to near the transmissional property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 288. Metaborate Road attachments. 288, Mewbrays Read, situated at bladens-18. situated at Madras-18 situated at Madras-18 (and more fully described in the Schequite on xell hereto) has been transferred under the Registration Act, 1536-161.

1908) in the Office of the Reistering Officer at Madras Central/Doc, No. 840/85 on Sep. 1925 for an apparent consideration which is not clear the fair market value of the aforesaid property and that a reason to believe that he fair market value of the prejerty as aforesaid exceeds the apparent consideration of the prejerty as aforesaid exceeds the apparent consideration of the prejerty as aforesaid exceeds. lifteen per cent of such apparent considers for and that the considering for such trovice of one of the parties has not been truly state; in the parties of the other of t

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to gay tax on let for mild Act in respect of any income arising from the transfer;
- th) facilitating the concentrating of the horizontal moneys or other assets which have in these constitutions of the disclosed by the pain term for the purposes of the Indian Incorporate. Act, 1971, 111 of 1922) or the said Act, or the Westberg-Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section Just Act, I hereby initiate proceedings for the adoresed property by the mene of this will have been also section (1) of Section 269D of the sain Act with fill with the sain acceptance of t persons, namely :-

🖰 (km., Laksimi Pattama, and Sri 5, C. Sarvouam, Sri S. P. Hamadalasimho, S.I., Rajiswori, S.P. Triveni and others, 150, 272 (2012), Jamagar, Bangalore.

(Transferor)

(1) J. i. A., Remesh, A., Vijayalakshmi, A., Saipra.ad, A., Advar Club Gate Road, MADRAS-28.

(Transferco)

depositions of any, to the acquisition of the said property was, an writing to the undersigned :--

> say have of the atoresaid persons within a period of the fact of publication of this wifee to she Official Gazette or a period of 30 days to the respect of notice on the respect persons, the traver present experse later;

or by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Representations to The terms of Lexpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LING ATT BURPING :-- 288. Mewbrays Road,

TENT OF THE WAY / Duc. No. 840/85.

HARDAYAL SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, (I/C) Madras.

13: to + 6-5-1986 S_{2} of :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

- AGV E世 (MANAGE CA) また 。

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAS

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 7th May 1986

Ref. No. 37/Sep./85.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH,

hardayal Singh, being the Competent Ambieness on a received 200% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the emains, effected to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value reasonable Rs. 1,00,000/- and beading Rs. 1,00,000/- and beading Rs. No. No. 66/2A and 68 situated at Madras (and more folly destibled in the Property of Act 'the tree 1908) in the Office of the Reisterian Office, 66 Dadagapatti (Doc. No. 2029/85)

Dadagapatti (Doc. No., 2029/85) on Sep. 1985

on sep. 1903
for an apparent consideration which is it so than the inmarket value of the above and any title of I have reason to
believe that the fair market value of the interest of an
exceeds the apparent consideration as offer by coors and fitteen per cent of such apreced contact their says the street consideration for such transfer and the second to the such transfer and the second transfer and transfer and the second transfer and tra parties has not been truly stand to the saud martiment of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transletor to the bill the in the second to the respect of any income arising from the transfer, and or;

b) facilitating the course a moneye or other assets which and the best which ought to be disclosed by the transportant the purposes of the lasts. The sar last is 190 (11 of 1923) on the minimum action should be said. Act, 1957 (27 of 1957);

PART III—SEC. IJ THE SEC. 18 S (1) Sri P. Sabbarayan, Syo Palanivel Gounder Pachtague 2. Curusamypalayam, Rush drum Talak, Salem Dist.

(Transferor)

(2) So 11. Chlima A.D.E Load and Electicity Board, Lie begen Padalynchi, Sand on, Antalynch atti, Salam Taluk and Distt,

(Transferee)

Dejection, . ray, to the magnetion of the said property may be so do in writing to the undersigned.

- \$1.7 Physical and at resound persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice or the Cancilla Cancilla or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, source period napices luter;
- ") a say were person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the
- expensions the terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said to shall have the same meaning as given to the for Chapter.

THE SCHEDULE

Coc by 2979/85).

HARDAYAL SINGH, Competent Authority
Inspecting Asserted Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (I/C) Middle.

Now, therefore, in pursuance of Section 19982 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

. 1 3: 7-5-1986 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600006

Madras-600006, the 30th April 1986

Ref No. 102/September/85.-Whereas, I, HARDAYAL SINGH,

HARDAYAL SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 17/1, Block No. 30 situated at Aynavaram Village, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3463/85) on 19-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

on 19-9-1905 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri T. K. Singaram, S/o T. S. Lachapikesa Mudaliar and Mrs. Ravichandrika Badrinath W/o K. Badrinath, No. 38, Nowroji Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Rev. Fr. Jose Palatty, Plot No. 4, 68-A, Madurai Pillai St., Madras-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Aynavaram Village, Madras in T.S. No. 17/1, Block No. 30. (Doc. No. 3463/85).

> HARDAYAL SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 30th April 1986

Ref. No. 116/September/85.—Whereas, I, HARDAYAL SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 7, Venkatachala Mudali Street, Park Town, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sowearpet (Doc. No. 511.85)

on 9-9-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marke, value of the property as afo esaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. B. Susila, Vijayalakshmi, 3. Mahalakshmi, No. 3, Chinnathambi Street, Salavanpet, Vellore, N. A. Dist.

(Transferor)

(2) A. S. Aboo Thahir, 53, Devaraja Mudali Street, Madras-600003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 7, Venkatachala Mudali Park Town, Madras. Street, Park Town, Madras.

> HARDAYAL SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 30th April 1986

Ref. No. 117/Scptember/85,--Whereas, I. HARDAYAL SINGH,

being the Competent Anthority under Section 2698 of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

transfer with the object of :--

Rs. 1,00,900/- and bearing No.
Door No. 196, N.S.C. Road, Madras-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at J.S.R.H. North Madras (Doc. No. 2691)/85) on 16-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald extends the apparent consideration therefor by more than aften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer sed/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any money- or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

(1) E. Md. Ali Maraicar and Other, 11, Desan Thaikal Street, Parangipettai.

(Transferor)

(2) Md. Shawkathulla and 5 Others, No. 6, Avathoon Road, Kalmandapam, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Luilding at Door No. 196, N.S.C. Bose Road, Madras-1. (Doc. No. 2696/85).

> HARDAYAL SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 5-5-1986

(1) Mrs. L. B. Sujathamma & another 78, South West Boag Road, T, Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. V. Roop Mohan and another 17, Parathasarathipuram Street, Madras-17.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600 006, the 13th May 1986

Ref. No. 140/Sep.85.—Whereas, I, HARDAYAL SING!!. being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17, Land and Building No. 17 Parthasarathipuram Street situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at T. Nagar on Sep. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 17, Parathasarathipuram St., Madras-17. (T. Nagar Doc. No. 1067/85).

> HARDAYAL SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under su section (* Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 13-5-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Madras-600 00, the 13th May 1986 MADRAS-600006

Madras-600006, the 30th April 1986

Ref. No. 33/Sep'85.-Whereas, I, HARDAYAL SINCH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 155, Arcot Road Vadapalani situated at Madras-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc. 3054 on Sep. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sci B. S. Ranga, 10, Judge Jambulinga Mudaliar Street, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) R. K. Colour Film Laboratory P. Ltd., 155, Arcot Road, Vadapalani, Madras-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 155, Arcot Road, Vadapalani, Madras-26. (Kodambakkam Doc. No. 3054).

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date: 13-5-1986

Seal;

FORM PINS-

(1) R. K. Kamat & Others, Borkar Road, Panjim, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) M/s. Sindhu Sagar Estate Agency, Ponda-Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th May 1986

C.R. No. 62/DR-197/37EE/84-85/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 68 situated at Kandepar Ponda (Survey No. 68), Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Regn. No. 269/8485 dated 12-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chater.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

,

(Registered Document No. D. 269/84-85 Dated 12-8-85)
Property known as 'Salam Bhat' also 'Taman Gudo' and 'Ghorbhat' measuring 26,0075 sq. mts, R.R. Survey No. 68 at Kandepara Village, Ponda, Goa.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—24—106GI/86

Date: 30-4-1986

(1) Dr. Joao Filipe Ferreira & Six Others C/o Kamat Real Estate Indira Apartments, Albaquerque Road, Panjim-Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

andra and a state of the state of

(2) Kamat Real Estates, F/2 Indira Apartments, Coatano Albuquerque Road. Paniim-Goa.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th May 1986

C.R. No. DR-824/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAI, weing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 318 situated at Panjit-Goa Plot No. 318 and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Regn. No. 501/85-86 dated 2-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- facilitating the concealment of any mount of moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 501/85-86 Dated 2-9-1985)

Ground floor 620 sq. mts., built up area and 1st floor 330 sq. mts., of Built up area. Plot No. 318 situated at Panjim-Goa.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-5-1986

(1) Hanuman Lawande Hanuman Lawandes Associates Marchon Building 2nd floor Opp. Lohia Maidan Margao Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. Shivdutt Anand Shetye Near Shanta Durga High School Bicholim Goa.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE MANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1986

C.R. No. 62/DR-830/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. e1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3,

No. Shop No. 3, situated at Bicholim-Gota (Shop No. 3) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908). In the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Banglaore under Regn No. 505/85-86 dated 5-9-85 for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offichal Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have that Chapter have the same meaning as given in

(a) facilitating the reduction or evadon of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 505/85-86 dated 5-9-85) Shop No. 3 Almira Apartments the Ground floor of the Building under Construction situated at Bichoeim Goa.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1986

C.R. No. 62/DR-831/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Survey under chatta No. 276 & 277,

of transfer with the object of :-

situated at Panjim Goa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Regn. No. 506/85-86 dated 5-9-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to buttrees

the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) theilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-ten Act, 1010 (11 of 1922) or the said Act, or the Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) W/s. Sousa Towers & Owners Dr. Domingos Roque de souste Road, Panjim Goa.

(Transferor)

(2) Sri Govind Keshav Dhuri behind Zubeida Bakery H. No. E-634 Panjim Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gauctta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 506/85-86 dated 5-9-85) Shop No. A-1 situated at Panjim Goa measuring 120 sq. Mts. on the Ground floor, vide Survey No. 276 & 277.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Cymia Exports Pvt. Ltd. 135 Dr. Annie Besant Road, Worli Bombay-18.

(Transferor)

(2) M/s. Vora Exports Pvt. Ltd. 135 Dr. Annie Besant Road Worli Bombay-18.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1986

C.R. No. 62/DR-843/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 21 Grant Road,

NO. 21 Grant Read, situated at Grant Read Bangalore (14 Flats), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Regn. No. 513/85-86 dated 5-9-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Doument No. 573/85-86 dated 5-9-85)
14 Flats and covered parking space in Garden Apartment complex at No. 21 Grant Road, Bangalore Measuring Total 19440 super built-up area, space of 50 Nos. 4020 sq. mts. (Garden).

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1986

C.R. No. 62/DR-862/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Plot of land Survey No. 108 & 120 situated at Ithas Gota plots of land as better, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Regn. No. 481/85-86 dated 2-9-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. Flores Jose Agnelo Vaz near the Church, Santa-Cruz, Ilhas Goa.

(Transferor)

(2) M/s. S. S. Real Estate Developers, Ilhas Goa, Santa Cruz.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 481/85-86 dated 2-9-85) Plots or portion of land vide Survey No. 108 & 120 situated at Ilhas Goa.

R. BHARDWA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

New, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameters, parameter 5500.

Date: 7-5-1986

(1) Mr. Fermino E Pereira & his wife Kerant Caranzalem Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. Ronald Mascarenhas, 33 lakeview, Miramar Panjim Goa.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF ENERIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1986

C.R. No. 62/DR-877/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R, BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. No. Plot No. D situated at Teleigao Goa (plot No. D), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore Regn. No. 539/85-86 dated 5-9-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the salid hyperanous of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the litibility of the transferer to pay tag under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. 539/85-86 dated 5-9-85) The plot No. D situated at St. Iner village Teleigao (measuring 2839 sq. mts.).

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1986

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th May 1986

C.R. No. 62/R-1787/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. Survey No. 73, situated at Hommadevanhally Begur Hobli, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908). in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore vide Registration No. 1540/85-86 dated 2-9-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the encealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 249°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercusid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Gwalior Rayon silk, mdg. (Wvg.) Co. Ltd. Birlagram, Nagda-456331 (MP).

(Transferor)

(2) M/s Nilkanth Engineering Ltd., 55 Bhupen Chambers, III floor, Dalal Street, Bombay (Buying 60% district Share as a co-owner) M/s Sushree Trading Ltd.,
55 Bhupen Chambers, III floor, Dalal Street,
Bombay (Buying 40% district share as a co-owner).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1540/85-86 dated 2-9-1985)

Land measuring 2 acres and 20 Guntas (app. 10180 sq. mtrs.) with dwelling units and other structures at Survey No. 73/1, Hommadevanhally, Begur Hobli, Bangalore South Taluk,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-5-1986

20311

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th May 1986

C.R. No. 62/48444/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Sy. Nos. 38 to 43, 24/1, 24/2, 25/1 to 25/3 and 26/1, situated at "Seshegiri Estate", in Bettakeri village, Ammalti

Nad, South Coorg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Viraipet on 4-9-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 2957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of S etion 269D of the said Act, to the following persons namely:—25—106G1/86

 Rani Meyyammai Achi of Chettinad Trust, repd., by Sri A. R. Ramaswamy, Chettinad House, Rajah Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferor)

(2) M/s. Chettinad Plantations P. Ltd., No. 64, Armenian Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(3) Staff & Some labourers.

(Persons in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 378/85-86 dated 4-9-85) Property bearing Sy. Nos. 38 to 43, 24/1, 24/2, 25/1 to 25/3 and 26/1, "Seshagiri Estate", in Bettakere Village, Ammathi Nad, South Coorg.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th May 1986

C.R. No. 62/48646/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1;00,000/- and bearing No.

72, (Sub No. 72/1-3),

situated at Cunningharm Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Gandhinapar on 27-9-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Bina Malhotra, by her GPA, P. N. Malhotra, No. 46, Shalimar Apartments, 3, Hayer Road Cross, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Bhupath Rai C. Shah, Nitin C. Shah, Ranject C. Shah, Sandeep C. Shah 12, V Main Road Cross, Ganadhi Nagar, Bangalore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of .30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1849/85-86 dated 27-9-85) Property bearing No. 72, (Sub No. 72/1-3), Cunningham Road, Bangalore.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

P.R. No. 4227 Acq.23/1/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Land adm, 20658 sq. mtg,—Bldg, at S'nagar S. No. 2768

and 2802A

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at at Wadhwan on 13-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the Object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; agel/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Thakershi Mulji Charitable Trust, Thakershi Chambers, Homy Street, Fort, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Cotton Traders Ltd., 10, Homy Street, Fort, Bombay.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saw. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 17617.95 sq. mtr. + 3041.24 sq. mtr. + Bldg. Adm. 431.80 sq. ft .S. No.2768 and 2802A, Eurendranagar R. No. 3201 dated 13-9-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :-

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shantilal Chandulal Shah, Madhurya, Opp. Tele. Exchange, Navrangpura, Nr. Sardar Patel Hall, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4228 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 377-381 S.P. No. 7A. Land 803 sq. yd. + Bldg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aba'd on 24-9-85

Aba'd on 24-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Madhusudan Ceramics & Ors. C/o Madhusudan Vegetable Products Coy. Ltd., Village: Rakgial Tal. Dahegam, Distt. Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 377-381-382-383 S.P. No. 7A Land 803 sq. yd. + Bldg. R. No. 10718 dated 24-9-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-4-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4229 Acq. 23/1/86-87.—Whereas , I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at A'bad T.P.3, 6 F.P. No. 325 Adm. 700-55 sq mtr.

= 840 sq .yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Registration Act. 1908 has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 24-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said per, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26.90 of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Narendra Venibhai Surati & Ors. Benind Amrut Park, Opp : Trikamlal Chali, Vikas Grun Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anand Apartments Owner's Asson., Ghanshyambhai Ambalal Patel, 'Рагле'. Panchwati, Ashokwadi, E.B.—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) her ray of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at A'bad T.P.S. 6 F.P. No. 325 SP No. 4 S. No. 132/3+4 Adm. 840 sq. yd. = 700.65 sq. yd. R. No. 10662 dated 24-9-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 30-4-1986

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4230 Acq. 23/1/86-87.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

as the salt Act Act, have feason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H.P. at A'bad, T.P.S. 3 F.P. No. 102, Land 425 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 21-9,1985 A'bad on 21-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesida exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tu-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shantaben Thakorbhai, 20, Gopinath Socy., Vastrapur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Harilal Mohanlal, Bharatkumar Harilal. 91/2, Girdhar Nagar, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at A'bad T.P.S. 15 F.P. No. 112 Land Adm, 425 sq. yd.+Bldg. 325 sq. yd. R. No. 9894 dated 21-9-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-4-1986

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Virmatiben C. Shah, Shrikant Chandulal Shaht and Ors., Karta of HUF 15, Manekbag Socy., Ambawadi, Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) M/s Premier Automobiles Ltd., 92/93, Maker Tower 'F', Curre Parade, Coloba, Bombay-5.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4231 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H.P. at T.P.S. 20 S. No. 29A 10+20=2 Land 572 sq yd.+

Bilds. A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. P. at A'bad T.P.S. 20 F.P. No. 18 Land adm, 478 sq. mtr. + Bldg. R. No. 10072 dated 11-9-1985

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-

Date: 30-4-1986

FORM NO. I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4232 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

M.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 592, Land Adm. 791 sq. mtr. + Bldg. 125 sq. mtr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

A'bad on 12-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to so disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the mid Ast, or the Westin-tax Act. 1957 (27 of 1937);

(1) Udyam Chimanlal, Behind Gujarat College, Ellisbridge, A'bad.

(Transferor)

(2) Sejal Construction Coy., Partner, Satishahandra B. Shah & Ors., Opp: Nutan Socy. Nr. Geeta Bag, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 592 paiki SP No. 2 Land adm 70° sq. mtr. + Bldg. 125 sq. yd. R. No. 10113 dated 12-9-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4233 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 592 paikl Land 773 sq. vd. + Bldg, 188 sq. yd, (and more fully described in the Schedule annexed here to been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad, on 10-9-85 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have rea-sons to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more then fifteen percent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-26—106GI/86

 Udyam Chimánlal, Behind Gujarat College, Ellisbridge, A'bad

(Transferor)

(2) Aditi Beneficiary Trust, Trustee: Satishchandra Budhalal Shah, Opp: Nutan Socy. Nr. Geeta Bag, Paldi, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interesed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 592 paiki Land 773 sq. mtr.+Bldg. 188 sq. mtr. SP No. 3 R. No. 9939 dated 10-9-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-4-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4234/Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the irantovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Alankar Theatre, Jhaveri Chambers, Opp: Rly. Stn. Kalupur, A'bad

pur, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority, A'bad on 20-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andler.
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1939):

(1) Alankar Enterprises, 'Nishat' Shahibag. Ahmedabad

(Transferor)

(2) Prerna Shops & Apartments Owners Association, Alankar Theatre Jhaveri Chambers, Opp: Rly. Station, Kalupur, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Alankar Theatre, Jhaveri Chambers Opp: Rly. Station, A'bad, 37EE filed on 20-8-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Rcf No. P.R. No. 4611/Acq.23/II/86-87,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land bearing C.S.T. No. 93, S. No. 4609 at Lunsikui,

Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 17-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Dinsha Dabee Charity Trust, Trustee Shri Erach Jamshedji Patel, Laskariwad, Mota Falia, Navsari.

(Transferor)

(2) Mazda Estates & Finance Pvt. Ltd., Sir J. J. Shopping Centre, Panch Hatdi, Navsari,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was registered by S.R. Navsari on 17-9-1985 for A.C. Rs. 7,19,651/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4612/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plots No. I & 92 of Urmi Socy. Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 37EE on 9-8-1985

37EE on 9-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Mr. Rajen Arvindkumar Kilachand Bakhtawar Building, Colaba. Bombay-5.

(Transferor)

 Mr. Pramod Pannalal Gupta & Ors. Satyam, Rungta Lane, Napeansea Road, Bombay-400 006,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Form No. 37EE is filed on 9-8-1985 for A.C. Rs. 10,00,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Ahmedahad

Date: 15-4-1986 Seal:

FORM ITNE---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4613/Acq.23/II/86-87.—Whereas 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of Land & Bldg, bearing R.S. No. 1343/52 of P.

Dist. Baroda

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 29-11-1985

for an apparent consideration which is I ess than the 11th market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Hajiyani Havabai Daudbhai 35, Arunodaya Socy., Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

(2) Liberty Construction & Leasing Pvt .Ltd. Arunodaya Socy., Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underrigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/er THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 29-11-1985 for A.C. Rs. 5,00,000/-.

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-4-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4614/Acq.23/II/86-87.—Wheras, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land bearing R.S. No. 621 of Gorva, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 2-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—.

- (a) Isofitizing the relation or evadon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chhitabhai Vardhabhai Patel & Ors. Timba Khadaki, Gorva, Buroda.

(Transferor)

(2) Bhagyalaxmi Co-op. Hsg. Socy, Gorva. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforecald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The iterms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 2-9-1985 for A.C. Rs. 7,12,620/-.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 15-4-1986

- Super-Approximation of the Control of the Control

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4615/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable property beying a few market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shed No. 275/2 G.I.D.C. Estate, Umergaon, Gujarat (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Insorme-tax Act, 1922 -11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s, Sanjeev Steel Drums Shed No. 275/2 G.I.D.C. Estate, Umergaon Guiarat.

(Transferor)

(2) Shri Bhailal M. Mistry & Ors, Shed No. 275/2, G.I.D.C. Estate, Umergaon Guiarat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid servous within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The Form No. 37EE is filed on 5-8-1985 in this office in respect of the deed of assignment for A.C. Rs. 6,50,000/-.

> .P. D .KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in paramance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-4-1986

NOTICE UNDER SPCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th April 1986

Rcf. No. P.R. No. 4616/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have real on to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8th & 9th Floor FP No. 60 S. No. 26 T. P. 2 of Gorva,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on September, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 R. B. Construction Partner Kiritbhai Khushaldas Shah & Ors. 35/209, Vijayanagar, Narayanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Hindustan Motors Ltd., 9/1 R. No. Mukherjee Road, Calcutta-700 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Conette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal lhave the same meaning as given in that Chapters.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on September, 1985 for A.C. Rs. 8,21,200/-.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMERCIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th April 1986

Ref. No. P. R. No. 4617/Acq.-23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinsfier referred to ma the 'said Act'), have reason to believe that the immeriable property having a fair market value empering Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land 3rd 6th & 7th Floor S. No. 76 T.P. 2 F.P. No. 60 of Gorva. Barode

Gorva, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Baroda on 10-9-85

Baroda on 10-9-85
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of: the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concrets any moneys or other sames which have not been as which ought to be displaced by the transferon for the perposes of the Indian Encome-rax Act, 1924 (11 ed 1922) or the said Act or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-7—106GI/86

(1) R. B. Construction, Partner, Kiritbhai Khushaldas Shah & Ora., 35/209, Vijay Nagar, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Hindustan Motors Ltd., 9/1, R. No. Mukherjee Road, Calcutta-700 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be minde in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gassets or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. ever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said insuper-able property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereig as most defined in Chapter XXA of the said that have the same much

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 10-9-85 for A.C. Rs. 14,21,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-4-86

Scal 2

FORM IINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND I LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th April 1986

Ref. No. P. R. No. 4618/Acq.-23/II/86-87.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 76 T.P. 2 F.P. No. 60 5th, 6th & 7th Floor, Gorva,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of Registering Officer at Baroda on 9-85

for an apparent consideration which is case that, the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) R. B. Construction, Partner, Kiritbhai Khushaldas Shah & Ors., 35/209, Vijeynagar, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Hindustan Motors Ltd., 9/1, R. No. Mukherjee Road. Calcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 10-9-85 for A.C. Rs. 1,27,200/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM ROUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th April 1986

Ref. No. P. R. No. 4619/Acq.-23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Industrial "hed, bearing S. No. 156/1 and 156/2 of

Sankerdasim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Baroda on 6-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Bhagwanbhai Devjibhai Rathod & Ors., Punam Aptt., Worli, Bombay.

(Transferor)

 Patodia Enterprises P. Ltd., N.H. 8, At & P.O. Sankerda, Tal. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the solution of the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 6-9-85 for A.C. Rs. 6,00,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 30-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th April 1986

Ref. No. P. R. No. 4620/Acq.-23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. & Land at Petland S. No. 875, 886 & 887 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Officer at

Petlad on 27-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Incidenting the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) The Petlad Tark Red Dye Works, Petlad. (Transferor)
- (2) The Petlad Commercial Co-op. Bank, Petlad, Dist. Kaira. (Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ef 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 1640 E 27-9-85.

> P. D. KHANDELWA Competent Author. Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range-Ahmedab

Date: 30-4-86

PORM ITHS ...

(1) Jaichandbhai Trilokchand Shethi, Majura Gate, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dilip S. Mehta, Virat Aptt., Athwa Gate, Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th April 1986

Ref. No. P. R. No. 4621/Acq.-23/11/86-87.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Nr. Majura Gate Wd. No. 1 Mondh No. 1401 to 1403 Paiki T.P. No. 2 F.P. No. 3 Harinagar, Bungalow No. 1, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Surat on 2-9-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offician Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 2581 Dt. 2-9-85

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

New therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellew ing persons, namely :-

Date: 15-4-86

(1) Mahavir Organiser, Bhailalbhai Ranchhodbhai Patel,

(Transferor)

(2) M/s. Mahesh Developers Copy. R.F., Gorwa, Baroda.

(Transfered)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Almedabad-380009, the 30th April 1986

Ref. No. 2. R. No. $4622/\Lambda cq.-23/IJ/86-87$.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Village Andarada Ta!. Ankleshwar Dist. Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ankleshwar on 5-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fatr for an apparent consideration which is less than the rain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Olficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Rability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

The document was regd. at S.R. Ankleshwar vide No. 2084 Dt. 5-9-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Al-medabad-380009, the 15th April 1986

Ref. No. P. K. No. 4623/Acq.-23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bungalow at Athwa Lines, Behind Lal Bungalow Ward Athwa Nondh No. 167-B. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Surat on 6-9-85

for an apparent chosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Pramyesh J. Desai, Behind Lal Bungalow, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Bharat Thakordas Sheth, Prabha Darsan Aptt. Surat, Athwa Lines.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 4683 Dt. 6-9-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-86